THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये**

वर्ष-28 अंक : 58 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ कृ.**13 2080 **बुधवार,** 17 **मई** 2023

71 हजार युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर

हमने सरकारी भर्ती प्रक्रिया को आसान बनाया : पीएम

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार रोजगार मेला कार्यक्रम में 71 हजार लोगों को अपॉइंटमेंट लेटर दिया। यह मेला देशभर के 45 जगहों पर लगाया गया। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ें।

प्रधानमंत्री ने अपॉइंटमेंट लेटर बांटने के बाद युवाओं को संबोधित किया। मोदी ने कहा, आज 70 हजार से अधिक युवाओं को भारत सरकार के विभिन्न विभागों में सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिल रहा है। आप सभी ने कड़ी मेहनत से ये सफलता हासिल की है। मैं आपको और आपके परिवार को बधाई-शुभकामनाएं देता हूं।

बीते 9 वर्षों में हमने सरकारी भर्ती प्रक्रिया को ज्यादा तेज, पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने को प्राथमिकता दी है। आज आवेदन करने से लेकर नतीजे आने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है। आज डॉक्यूमेंट को सेल्फ अटेस्ट करना भी पर्याप्त होता है। ग्रुप सी और ग्रुप डी के पदों पर भर्ती के लिए इंटरव्यू भी खत्म हो गए हैं। इन सारे प्रयासों से भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद खत्म हुआ है। 9 साल पहले आज के ही दिन 16 मई को लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे। तब पूरा देश उत्साह, उमंग और विश्वास से झूम उठा था। सबका साथ-सबका विकास के मंत्र के साथ कदम बढ़ाने वाला भारत, आज विकसित भारत बनने के लिए प्रयास कर रहा है। जिस स्पीड और स्केल पर आज भारत काम कर रहा है यह भी आजादी के 75 साल के इतिहास में अभूतपूर्व है।

2022 में रोजगार मेला का पहला फेज लॉन्च किया : पीएम मोदी ने अक्टूबर 2022 में रोजगार मेला का पहला फेज लॉन्च किया था। इसमें 2023 के आखिर तक 10 लाख भर्तियां करने का वादा किया है। इसी के तहत 71 हजार युवाओं की भर्ती केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न विभागों में की जा रही है।

गडकरी को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को सोमवार शाम उनके दिल्ली स्थित आवास पर फोन कॉल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली। मंत्री के ऑफिस ने दिल्ली पुलिस को इस बारे में सूचित किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके पहले उन्हें नागपुर में भी फोन कर जान से मारने की धमकी दी गई थी।

कर्नाटक में अभी नहीं बनी बात

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री का ऐलान आज किया जाएगा। बुधवार को बेंगलुरू में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे विधायक दल के नेता का ऐलान करेंगे। मंगलवार शाम सीएम पद के दोनों दावेदार डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके घर जाकर मिले। दोनों नेता 50-50 फॉर्मूले से सहमत नहीं है।

दोनों नेताओं से मुलाकात के बारे में अब खड़गे सोनिया गांधी को रिपोर्ट देंगे। राहुल-सोनिया से बात करने के बाद खड़गे कल बेंगलुरू जाएंगे। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर यह भी है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया का नाम लगभग तय हो गया है।

डीके पीसीसी चीफ रहेंगे, तीन साल बाद सीएम बनेंगे : डीके की संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिलना तय है। उन्हें डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है या फिर पीसीसी चीफ बने रह सकते हैं। एक बड़ा पोर्टफोलियो भी उन्हें मिल सकता है। प्रस्ताव ये भी है कि तीन साल तक सिद्धारमैया सीएम रहें और इसके बाद कुर्सी डीके शिवकुमार को सौंप दें, लेकिन डीके चाहते हैं कि इसमें किसी तरह का विवाद नहीं होना चाहिए। पहले से ही ऐसा सब तय हो कि सिद्धारमैया तय वक्त पर खुद कुर्सी छोड़ दें।इस बीच राहुल गांधी दोपहर 12.30 बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। >12

मोका तूफान का असर, बंगाल में 9 लोगों की मौत

कोलकाता, 16 मई (एजेंसियां)। म्यांमार के तट से टकराने के बाद मोका तूफान कमजोर तो हुआ लेकिन इसका असर भारत के पूर्वी राज्यों पर भी पड़ा। सोमवार रात पश्चिम बंगाल और मिजोरम में तेज आंधी आई। जिसके चलते कोलकाता और साउथ बंगाल के कुछ जिलों में 9 लोगों की जान चली गई है। मिजोरम में 236 घरों को नुकसान पहुंचा। राज्य के दक्षिणी हिस्से में आठ म्यांमार रिफ्यूजी कैंप नष्ट हो गए। स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों के अनुसार, तेज हवा और भारी बारिश से 41 गांवों और कस्बों के 5,789 लोग प्रभावित हुए हैं। >12

नोएडा में पकड़ा हवाला का 50 लाख कैश

नोएडा, 16 मई (एजेंसियां)। नोएडा पुलिस ने 50 लाख की नगदी के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये पैसा हवाला का है। जिसे बिजनेसमैन के जरिए ब्लैक से व्हाइट किया जाना था। पुलिस ने आयकर विभाग को भी इसकी जानकारी दे दी है। आईटी टीम आगे की कार्यवाही कर रही है। बता दे इसी महीने पुलिस ने 10 लाख रुपए और पकड़ा था। इनके कब्जे से नगदी के अलावा फर्जी आधार कार्ड, अन्य दस्तावेज एवं घटना में प्रयुक्त कार व तीन संदिग्ध मोबाइल फोन भी मिले है। इनकी पहचान कुमार आर्यन पुत्र रामजी सिंह निवासी जिला पटना बिहार, अरविन्द कुमार पुत्र कामेश्वर प्रसाद निवासी मोतिहारी बिहार और विजय पुत्र संतराम निवासी दिलशाद गार्डन दिल्ली हुई है। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि शाम को सूचना मिली कुछ लोग ब्लैक मनी को व्हाइट कराने के लिए बड़ी अमाउंट नोएडा लेकर आ रहे हैं। जानकारी मिलते ही सूचना तंत्र को अलर्ट किया गया और मेट्रो स्टे होटल सेक्टर 27 नोएडा के पास से इनको गिरफ्तार किया गया। गाड़ी की तलाशी लेने पर 50 लाख की नगदी मिली। बताया गया कि ये डील सेक्टर-18 में होनी थी। प्राथमिक जांच में सामने आया कि यह रुपया इनके द्वारा संजीव कुमार निवासी पटना बिहार का बताया गया है। इस काम में चार और लोग भी शामिल थे। इनको पकड़ने के लिए स्पेशल टीम लगाई गई है। इससे पहले भी जो 10 लाख रुपए पकड़ा गया था, वो पैसा भी हवाला का ही था।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत में थोड़ा विलंब

चार जून को दस्तक देने की संभावना

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत में होगा थोड़ा विलंब, चार जून को दस्तक देने की संभावना है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून को दस्तक देता है। कृषि क्षेत्र फसलों की पैदावार के लिए मुख्य रूप से मानसून की बारिश पर ही निर्भर रहता है। भारत में अब तक मानसून पूर्व मौसम में 28 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है जबकि मध्य क्षेत्र में सामान्य से 268 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में एक मार्च से तीन मई तक 29 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई थी। सामान्य रूप से 199.9 मिमी के मुकाबले यहां 141.5 मिमी बारिश हुई। उत्तरपश्चिम भारत जैसे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में 18 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई (83.4 मिमी के मुकाबले 98.3 मिमी) जबकि प्रायद्वीपीय क्षेत्र में 88 प्रतिशत ज्यादा बारिश इस अवधि के दौरान हुई (54.2 मिमी सामान्य बारिश के मुकाबले 102 मिमी)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र समेत मध्य भारत में सामान्य से 268 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। यहां 18.2 मिमी के बजाय 67 मिमी बारिश देखने को मिली। पूर्वी और पूर्वोत्तर भागों को छोड़कर 21-22 अप्रैल से देश के बड़े हिस्सों में एक के बाद एक कई मौसम प्रणालियों के कारण लंबे समय तक बारिश देखने को मिली। इसके फलस्वरूप, देश के अधिकांश हिस्सों में इस अवधि के दौरान सामान्य दिन के तापमान की तुलना में काफी कम तापमान दर्ज किया गया।

आईएमडी के अनुसार, 21 अप्रैल के बाद से भारत में एक भी जगह पर लू चलने की सूचना नहीं है। आईएमडी के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि अप्रैल और मई में बिना लू के इतनी लंबी अवधि 'बहुत दुर्लभ' है। आमतौर पर भारत में मई में भीषण गर्मी वाले सबसे ज्यादा दिनों दर्ज किये जाते हैं। महीने के दौरान तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा सकता है, खासकर देश के उत्तर, उत्तर पश्चिम और मध्य भागों में। भीषण गर्मी वाला दिन तब घोषित किया जाता है जब मैदानी इलाके में किसी मौसम केंद्र पर अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाए।

सामान्य तापमान से विचलन कम से कम 4.5 डिग्री सेल्सियस हो। वहीं तटीय इलाकों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस होने पर भीषण गर्मी वाले दिन घोषित किया जाता है बशर्ते सामान्य तापमान से विचलन कम से कम 4.5 डिग्री सेल्सियस हो।

ताहिर हुसैन ने दिल्ली दंगा मामले में एफआईआर रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन ने फरवरी 2020 में यहां भड़की सांप्रदायिक हिंसा के दौरान दंगे के अपराध में अपने खिलाफ दर्ज एक प्राथमिकी को रद्द करने की मांग को लेकर सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हुसैन के वकील ने तर्क दिया कि वर्तमान मामले में सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है और उन्हीं कथित घटनाओं के संबंध में पहले से ही एक और प्राथमिकी दर्ज है। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विकास महाजन ने दिल्ली पुलिस के वकील की अनुपलब्धता के कारण इस मामले को 25 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। ताहिर हुसैन के खिलाफ दिल्ली की अदालत में पहले से ही कई मामले दर्ज हो चुके है,

जिसमें तीन साल पहले दिल्ली में हुए दंगों के मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और अन्य 10 लोगों के खिलाफ कड़कड़डूमा कोर्ट ने आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने एमसीडी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और दस अन्य के खिलाफ साजिश, दंगा, हत्या और समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को 3 जून को मिलेगा नया अध्यक्ष

इंदौर में होने वाली बैठक के बाद होगा एलान

इंदौर नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। मौलाना राबे हसनी नदवी के निधन के बाद 3 जून को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को नया अध्यक्ष मिलने वाला है। इसका फैसला मध्य प्रदेश राज्य के इंदौर में होने वाली बोर्ड की बैठक में किया जाएगा। अध्यक्ष के साथ-साथ दो उपाध्यक्ष के नामों का भी एलान किया जाएगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की मीटिंग इंदौर में 3 और 4 जून को होनी है, जिसमें ये सारी चीजें तय की जाएगी। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की इस मीटिंग में बोर्ड के सभी सदस्यों को बुलाया गया है। बोर्ड में कुल 251 सदस्य हैं, जिनमें 30 महिलाएं शामिल हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के नियम के मुताबिक अगर अध्यक्ष का निधन हो जाता है तो इस स्थिति में तुरंत इलेक्शन कराया जाता है ताकि नए अध्यक्ष को चुना जा सके। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी का पिछले महीने ही निधन हुआ है। 94 साल के नदवी काफी समय से बीमार चल रहे थे और उन्होंने अपनी आखिरी सांस लखनऊ के नदवा मदरसे में ली। मौलाना राबे हसनी नदवी मुसलमानों की भलाई के लिए हमेशा से ही कदम उठाते आए हैं। इस्लामिक विद्वान होने के साथ ही नदवी मुस्लिम समाज से जुड़े मुद्दों की खुलकर चर्चा करते थे और इस्लाम के मुताबिक क्या चीज सही है और क्या गलत है? इस पर भी अपना मत रखते नजर आते थे। मौलाना राबे हसनी नदवी महिलाओं के अधिकारों को लेकर भी हमेशा से अपनी आवाज उठाते थे।

डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ पहलवानों के आरोपों की जांच पर कपिल सिब्बल ने जताया संदेह

ट्वीट कर लिखी ये बात

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच की निष्पक्षता पर संदेह जताया है। वरिष्ठ वकील सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में पहलवानों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। एक ट्वीट में सिब्बल ने कहा, 'जांचः पहलवानों का यौन शोषण, कुछ जांच आरोपी को दंडित करने के लिए चलती हैं। अन्य आरोपी को बचाने के लिए जिस तरह से यह जांच चल रही है हम जानते हैं!

एसआईटी का किया गया गठन

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को यहां एक विशेष अदालत को सूचित किया कि डब्ल्यूएफआई चीफ बृजभूषण सिंह के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल एसआईटी का गठन किया गया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल के समक्ष अदालत के पहले के आदेश के जवाब में यह दलील दी गई, जिसमें पुलिस को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया था। दिल्ली पुलिस ने सिंह के अलावा डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर का भी बयान दर्ज किया है।

डब्ल्यूएफआई चीफ के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज

दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें पहली प्राथमिकी एक नाबालिग पहलवान के आरोपों से संबंधित है और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज की गई थी। वहीं दूसरी महिलाओं की मर्यादा भंग करने से संबंधित थी।

'इंसाफ के सिपाही आपके साथ हैं'

देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने पहलवानों के सपोर्ट में पहले भी कई ट्वीट किए है। एक ट्वीट में उन्होंने पहलवानों का समर्थन करते हुए कहा कि 'इंसाफ के सिपाही आपके साथ हैं।'

दिल्ली के एक स्कूल को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

मौके पर पहुंचा बॉम्ब स्क्वाड

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। दक्षिणी दिल्ली के पुष्प विहार इलाके में स्थित अमृता स्कूल को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद अभिभावकों को संदेश भेजकर स्कूल को फौरन खाली कराया गया और बच्चों को घर भेजा जा रहा है। स्कूल प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस और बॉम्ब स्क्वॉड टीम स्कूल पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल स्कूल में कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली है, हालांकि सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। यह पहली बार नहीं है जब किसी स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली हो। इससे पहले भी दिल्ली में कई स्कूलों को धमकी भरे मेल मिल चुके हैं। जानकारी मिलते ही स्कूल के बाहर अपने बच्चे को लेने के लिए अभिभावकों की भीड़ लग गई। अभिभावकों ने कहा कि बीते एक महीने में कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। फिर भी पुलिस या प्रशासन ने न तो कोई ठोस कदम उठाए, न ही ये बताया कि धमकियां आ कहां से रही हैं। स्कूल पहुंची एक महिला ने कहा कि उन्हें कोई कॉल नहीं आया था, केवल एक व्हाट्सऐप मैसेज आया कि अपने बच्चों को ले जाइए। उन्होंने बताया कि उनका इस स्कूल में उनका बेटा पढ़ता है। उन्होंने कहा कि इंडियन पब्लिक स्कूल को तीन बार इस प्रकार की धमकी मिल चुकी है, लेकिन आज तक धमकी देने वाले का पता नहीं चल पाया। ऐसी खबरों को लेकर हम परेशान होते हैं, अगर हमारे बच्चों को कुछ हो जाता है तो हम क्या करेंगे। स्कूलों में बम होने की धमकी की यह पांचवी घटना है।

मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने खटखटाया एससी का दरवाजा

तलाक के लिए समान कानून की मांग की

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत से मांग की है कि भारत में तलाक के लिए एक जैसा कानून होना चाहिए। साथ ही मुसलमानों में तलाक-उल-हसन और न्यायिक दायरे के बाहर तलाक देने की जो परंपरा है, उसे रद्द करना हिए। इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है और केंद्र सरकार के साथ महिला आयोग को भी नोटिस जारी किया है।

अधिवक्ता दीपक प्रकाश ने दायर की याचिका

शमी की पत्नी की ओर से अधिवक्ता दीपक प्रकाश ने याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि हसीन जहां न्यायिक दायरे के बाहर मिलने वाले तलाक-उल-हसन के एकतरफा प्रक्रिया से पीड़ित है। शमी ने उन्हें पिछले साल 23 जुलाई को तलाक-उल-हसन के तहत तलाक का पहला नोटिस भेजा था। हसीन जहां के वकील ने कहा कि शमी की ओर से मिले नोटिस के बाद जहां ने अपने करीबियों से भी संपर्क किया था जो खुद इस तरह के मामलों में फंसे हुए हैं।

शरीयत कानून में शामिल कठोर प्रथाओं से पीड़ित हैं हसीन जहां

हसीन जहां के वकील ने कोर्ट से कहा कि शमी की पत्नी शरीयत कानून में शामिल कठोर प्रथाओं से पीड़ित हैं। तलाक-ए-बिद्दत के अलावा इस कानून में और भी ऐसे तलाक हैं जो पुरुषों को उनकी मनमर्जी से बीवियों को छोड़ने का मौका देते हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शरीयत एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की धारा 2 असंवैधानिक है। यह देश के संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21 और 25 का भी उल्लंघन करती है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला

एनसीपी नेता नवाब मलिक की जमानत पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामलें में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी नेता नवाब मलिक की जमानत पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई जुलाई के दूसरे हफ्ते तक टाल दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस बीच बॉम्बे हाईकोर्ट मामले की सुनवाई करने वाला है, ऐसे में उसके कदम का भी इंतजार किया जाएगा। इसके पहले एक मई को एनसीपी नेता नवाब मलिक को जमानत पर राहत नहीं मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल आधार पर जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बॉम्बे हाईकोर्ट मामले में सुनवाई करेगा। अगर हाईकोर्ट मामले में सुनवाई नहीं करता तो याचिकाकर्ता फिर से आ सकता है। लेकिन फिलहाल हाईकोर्ट को ही जमानत पर फैसला लेने दें।मलिक की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि ट्रायल कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए छह महीने का समय लिया है। अब हाईकोर्ट ने मामले को 2 मई के लिए पोस्ट कर दिया है। मलिक पिछले डेढ़ साल से जेल में हैं और उनकी एक किडनी फेल हो चुकी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एनसीपी के नेता एवं पूर्व मंत्री नवाब मलिक की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की थी।

पीएम मोदी के पहले यूएस के दौरे पर राहुल गांधी मैडिसन स्क्वायर पर भारतीयों के बीच देंगे भाषण

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बंपर जीत के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी करीब 10 दिनों के लिए अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे। राहुल गांधी 31 मई को अमेरिका पहुंचेंगे और 4 जून को न्यू यॉर्क के मैडिसन स्क्वायर में भारतीय प्रवासियों की रैली को संबोधित करेंगे और कई और कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। राहुल गांधी ऐसे समय में अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं जब 20 जून के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राजकीय यात्रा पर अमेरिका जाने वाले हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से पीएम मोदी को राजकीय यात्रा का न्योता मिला था जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है। अमेरिका में पीएम मोदी व्हाइट हाउस के रात्रिभोज में भी शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी करीब 10 दिन तक अमेरिका में रहेंगे। राहुल वॉशिंगटन और कैलिफोर्निया भी जाएंगे जहां स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पैनल डिस्कशन और उनकी स्पीच होगी। इसके अलावा वो राजनेताओं और उद्यमियों से भी मुलाकात करेंगे।

इंग्लैंड दौरे पर बवाल के बाद दूसरा दौरा

इंग्लैंड दौरे पर मचे बवाल के बाद ये राहुल गांधी का दूसरा बड़ा दौरा होगा। इंग्लैंड दौरे के दौरान लंदन में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए विपक्षी नेताओं की जासूसी करने का गंभीर आरोप लगाया था। इसके साथ-साथ उन्होंने कहा था कि भारत के लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है। राहुल गांधी के इस बयान के बाद देश की संसद में जोरदार हंगामा देखने को मिला था। केंद्र की सत्ताधारी पार्टी ने राहुल गांधी से माफी की मांग की थी। हंगामे की वजह से पूरा का पूरा बजट सत्र खत्म हो गया लेकिन राहुल गांधी अपने बयानों पर अड़े रहे।

पुलिसकर्मियों ने हिरासत में रखे गए व्यक्ति को जेल में किया टॉर्चर, मौत; तीन पर चलेगा हत्या का केस

अहमदाबाद, 16 मई (एजेंसियां)। गुजरात के बोटाड जिले में 28 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित रूप से हिरासत में पिटाई की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में तीन पुलिस कांस्टेबलों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि 14 अप्रैल को एक मामले के संबंध में पूछताछ के लिए बोटाद टाउन पुलिस स्टेशन से जुड़े तीन कांस्टेबल मजदूर कालू पधरशी को उसके घर से ले गए थे। बाद में, पधरशी ने पुलिस पर आरोप लगाया था कि उन्होंने पूछताछ के बहाने उसको बुरी तरह से पीटा था। वहीं, 14 मई को अहमदाबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। बोटाड जिले के पुलिस अधीक्षक किशोर बलोलिया ने बताया कि तीन आरोपियों-अमीराज बोरिचा, राहिल सिदातार और निकुलसिंह जाधव पर पधरशी की हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

32000 प्राथमिक शिक्षक की नौकरी रद्द, जज बोले

थोक में हुई नौकरियों की बिक्री, साग से मछली ढकने की कोशिश

कोलकाता, 16 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में निरस्त प्राथमिकशिक्षकों की नौकरियों की संख्या में कमी आई है। जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने अपने फैसले में बदलाव करते हुए 36000 की जगह 32000 प्राथमिक शिक्षकों की नौकरी रद्द करने का आदेश दिया। इसके साथ ही जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने टिप्पणी की कि थोक में नौकरियों की बिक्री हुई है और अब साग से मछली ढ़कने की कोशिश की जा रही है। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने मंगलवार को उस फैसले में संशोधन किया। जज से अपील की गई कि फैसले में टाइपिंग की गलती हुई है। मंगलवार को उस याचिका की सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि दो गलतियां हुईं। दोनों गलतियां सुधारी जाएंगी। वादी के वकील तरुणज्योति तिवारी ने फैसले में 'टाइपोग्राफिकल' त्रुटि की ओर अदालत का ध्यान आकर्षित किया। पहला यह था कि फैसले में पैनल की सबसे कम संख्या 14.191 थी। इसे 13.796 में संशोधित किया जाएगा। दूसरी गलती यह हुई कि 36,000 की नियुक्ति में कोई त्रुटि नहीं हुई। संख्या थोड़ी कम है। जस्टिस गांगुली ने मंगलवार को कहा कि यह संख्या 32 हजार के करीब होगी। उन्होंने 32 हजार नौकरी रद्द करने का आदेश दिया।

जज ने फैसले में किया संशोधन, 32000 शिक्षकों की नियुक्ति रद्द

जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने 36 हजार नौकरियों को रद्द करने के मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके बयान पर 'राजनीतिक प्रतिक्रिया' होगी। नौकरियां थोक में बेची गई हैं। कुछ मछली को सब्जियों से ढकने की कोशिश कर रहे हैं। कोर्ट दोषी नहीं है। पिछले फैसले को संशोधित कर फिलहाल 36 हजार की जगह 32 अप्रशिक्षित शिक्षकों की नौकरी निरस्त कर दी गयी है। उन्होंने उल्लेख किया कि टाइपोग्राफी में गलती हुई थी। यह परीक्षा न केवल एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए रद्द की गई है। साथ ही, न्यायमूर्ति अभिजीत गांगुली ने स्पष्ट किया कि कई अवैध तरीके अपनाए जाते थे। इस दिन पारा शिक्षकों द्वारा अलग से अनुरोध किया गया कि उनका एप्टीट्यूड टेस्ट नहीं हुआ था। हालांकि जज ने कहा कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। वह अपना आदेश नहीं बदल सकते हैं। उनके पास वह शक्ति नहीं है।

जज बोले- साग से मछली ढकने की हो रही है कोशिश

एक शिक्षक ने पूछा कि उन्हें क्यों कष्ट उठाना पड़ रहा है। जज ने कहा, "नौकरियां थोक में बेची गई हैं। कुछ मछली को सब्जियों से ढकने की कोशिश कर रहे हैं। कोर्ट दोषी नहीं है। आप उन्हें बताएं।" जज ने सवाल किया कि जिन दलालों को गिरफ्तार किया गया है और जिन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। उनके पास इतने अरबों रुपये कहां से आए? पैसे लेने वाले अपराधियों के खिलाफ पारा टीचर्स बोलें। बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति रद्द किये जाने पर सवाल उठाते हुए उनके साथ रहने का भरोसा दिया था। कोर्ट के फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच में अपील करने की बात कही थी। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार का रवैया मानवीय है और वह बेरोजगार शिक्षकों के साथ है।

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी बीजेपी

अल्पसंख्यक मोर्चे की एक दिवसीय वर्कशॉप कल

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। देश भर के अल्पसंख्यक मोर्चे के सभी प्रदेश मीडिया संयोजक और सह संयोजकों को दिल्ली बुलाया गया। कल यानी बुधवार को दिन भर बीजेपी मुख्यालय पर वर्कशॉप चलेगी। अल्पसंख्यक इलाकों में पार्टी और सरकार की नीतियों के प्रभाव के बारे में समीक्षा होगी। साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय में बीजेपी की बातों को प्रमुखता से किस तरह रखा जाए, इस पर भी ट्रेनिंग दी जाएगी। बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी, प्रवक्ता आरपी सिंह, सुधांशु त्रिवेदी, शहजाद पूनावाला अलग-अलग सत्रों को संबोधित करेंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय भी एक सत्र को संबोधित कर सकते हैं। 2023 में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान विधानसभा चुनावों को देखते हुए बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा ने रणनीति गढ़नी शुरू कर दी है।

रमी खेलना जुआ नहीं

कर्नाटक हाईकोर्ट बोला- चाहे पैसे दांव पर लगे हों, इसे सट्टेबाजी नहीं कह सकते

बेंगलूरू, 16 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने एक हालिया फैसले में कहा है कि ताश से खेला जाने वाला रमी का खेल जुआ नहीं है। हाईकोर्ट के जस्टिस एसआर कृष्णा कुमार ने कहा कि खेल में पैसे लगाने या न लगाने के बावजूद रमी एक स्किल का खेल है और नाकि मौके का। हाईकोर्ट की ओर से कहा गया कि रमी चाहे दांव (पैसों) के साथ खेला जाए या बिना दांव के जुआ नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि ऑफलाइन या ऑनलाइन रमी के बीच कोई अंतर नहीं है और दोनों काफी हद तक कौशल के खेल हैं और मौके के नहीं। कर्नाटक हाईकोर्ट ने यह बात ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट को गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स इंटेलिजेंस महानिदेशालय की ओर से जारी 21 हजार करोड़ के नोटिस पर कही। हाईकोर्ट ने कंपनी को जारी किए गए 21,000 करोड़ के टैक्स नोटिस पर रोक के बावजूद जारी किए गए कारण बताओ नोटिस को रद्द कर दिया। जज ने यह भी माना कि अन्य ऑनलाइन खेल जो कौशल के खेल हैं और संयोग के नहीं हैं, वे भी जुआ नहीं हैं। गेम्सक्राफ्ट को 8 सितंबर 2022 को जीएसटी अधिकारियों से एक सूचना नोटिस जारी किया गया था, जिसमें 21 हजार करोड़ की मांग की गई थी। इस नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। गेम्सक्राफ्ट ने तर्क दिया था कि पैसों के साथ दांव लगाकर खेले जाने वाले कौशल के खेल सट्टेबाजी को नहीं दर्शाते हैं और ये कौशल का ही खेल है। हालांकि, कर्नाटक हाईकोर्ट ने माना कि गेमिंग प्लेटफॉर्म पर खेले गए खेल सट्टेबाजी और जुए के तहत टैक्स लगाने योग्य नहीं है। जैसाकि सीजीएसटी के नियमों के तहत कहा जा रहा है। 325 पन्नों के फैसले में जस्टिस कुमार ने यह भी कहा कि सीजीएसटी एक्ट में सट्टेबाजी और जुए की शर्तें उनके दायरे में कौशल के खेल को शामिल नहीं करती हैं और न ही कर सकती हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: बुराई का चिन्तन करने या बुराई से डरने से बुराई मन में घर कर जाती है

हर परिवार घर के आसपास करे साफ-सफाई : मेयर विजयलक्ष्मी

राष्ट्रीय डेंगू रोकथाम दिवस के मौके पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि राष्ट्रीय डेंगू रोकथाम दिवस के मौके पर हर रविवार सुबह 10 बजे हर परिवार अपने घर और आसपास 10 मिनट के लिए सफाई करें। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर मंगलवार को महापौर के कैंप कार्यालय में नगर महापौर ने डेंगू से बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि वर्ष 2023 तक हर घर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए, जिसका विषय 'भागीदारी विधियों का उपयोग करके डेंगू रोग को खत्म करें' है। मच्छरों से बचाव के लिए घर के आस-पास बिना पानी जमा किए समय-समय पर साफ-सफाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि घर के अंदर और घर के ऊपर बनी पानी की टंकी में मच्छरों के लार्वा को जमा होने से रोकने के लिए ढक्कन टाइट होने चाहिए। घर के आस-पास पानी जमा न होने पर रबर के टायर, ड्रम, प्लास्टिक के सामान और गमलों को साफ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खराब हुए सामान, प्लास्टिक और पॉलिथीन के सामान को बिना पानी के भंडारण के हटा देना चाहिए और ये मच्छरों के रहने लायक नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि खरपतवार हटाकर और तुलसी, पुदीना, सिट्रोनेला घास और लेमन ग्रास उगाकर मच्छरों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि घर के आसपास सीवेज जमा न हो। उन्होंने कहा कि घर से निकलने वाले पानी की व्यवस्था इस तरह करनी चाहिए कि वह नाले में और गड्ढे में जाए। उन्होंने कहा कि गंबूसिया मछली को तालाब में डालने से मच्छर दूर रहते हैं। कचरा जहां भी गिरे, उसे डंप होने से रोकने के लिए कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि अगर डेंगू का पॉजिटिव केस दर्ज होता है तो स्प्रेयर के जरिए इसे दूसरों में फैलने से रोकने के उपाय किए जा रहे हैं। इस अवसर पर महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने डेंगू से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियों पर एक जागरूकता पोस्टर और पंपलेट जारी किया। कार्यक्रम में मुख्य कीट विज्ञानी डॉ. रामबाबू, जुबली हिल्स के उपायुक्त रजनीकांत, खैरताबाद एसई रजिता, सफाई कर्मचारी व अन्य लोगों ने भाग लिया।

मच्छर नियंत्रण के तरीके

* घर के आस-पास पानी जमा करने की जगह का ध्यान रखें और पानी की टंकियों को हफ्ते में एक बार साफ करें।
* पानी के तालाबों, कुओं में गंबूशिया और गप्पी मछली रखकर ईको सिस्टम मच्छरों के लार्वा को नियंत्रित किया जा सकता है।
* रासायनिक छिड़काव प्रणाली में 5 मि.ली., टैमीफोस 10 लीटर, नाबदान में पानी मिलाकर ओवरहेड टैंकों में छिड़काव करने से लार्वा को नियंत्रित किया जा सकता है।
* 150 ग्राम एसीएम पाउडर को 10 लीटर में मिलाकर छिड़काव करें। घर की बाहरी दीवारों पर पानी की मात्रा बड़े मच्छरों को दूर भगा सकती है।
* घर के अंदर दीवारों पर 19 लीटर मिट्टी के तेल में 1 लीटर पाइरिथ्रिम रसायन का छिड़काव करने से एडीज मच्छरों से बचा जा सकता है।
* तेल के गोलों को मलेरिया लार्वानाशी तेल में भीगे बर्लेप बैग में भरा जा सकता है और लार्वा को नियंत्रित करने के लिए उच्च सीवेज पानी और तालाबों वाले क्षेत्रों में रखा जा सकता है।
* तालाबों में रसायनों का छिड़काव कर लार्वा को नियंत्रित करने के लिए ड्रोन उपकरण का उपयोग किया जा सकता है।
* फ्लोटिंग ट्रैश कलेक्टर (एफटीसी) मिशन का उपयोग करके तालाबों से घोड़ों के खुरों को हटाने से मच्छरों के लार्वा को रोका जा सकता है।

ट्रैफिक पुलिस रात 12 बजे से 3 बजे के बीच शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की करेगी जांच

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शराबी चालकों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने नई पहल शुरू की है। हैदराबाद शहर की यातायात पुलिस अब आधी रात से 3 बजे के बीच जांच कर रही है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) जी सुधीर बाबू ने कहा कि देर रात सड़क दुर्घटनाओं के मामलों के बाद, यातायात पुलिस थानों को रात 12 बजे से 3 बजे के बीच लगातार चेकिंग करने का निर्देश दिया गया था। विशेष टीमें उन हॉट स्पॉट की पहचान कर रही हैं, जिनमें सड़क दुर्घटनाओं का इतिहास है, विशेष रूप से शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच की जा रही है। विशेष टीमों का नेतृत्व एक निरीक्षक या एक उप-निरीक्षक करते हैं। पकड़े गए सभी लोगों पर मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है। संदेश स्पष्ट है, ट्रैफिक पुलिस चौबीसों घंटे सतर्क है और लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि अगर वे आधी रात के बाद बाहर निकलते हैं और गाड़ी चलाते हैं तो वे बच सकते हैं। ट्रैफिक पुलिस ने शहर में कई हॉट स्पॉट की पहचान की है जहां होटल, बार और पब होने के कारण शराब पीकर वाहन चलाने वालों की भारी भीड़ रहती है। शराब पीकर गाड़ी चलाने की जाँच की पूरी कवायद की वीडियोग्राफी की जाती है ताकि पकड़े गए लोगों के आरोपों का जवाब दिया जा सके। कुछ मामलों में, लोगों को यातायात पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार करते हुए पकड़ा गया है। हमने उन्हें स्थानीय कानून और व्यवस्था पुलिस थानों में उचित मामलों के तहत बुक करने में कामयाबी हासिल की है। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने इस साल अब तक 13,431 लोगों को नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पकड़ा और 1317 लोगों को जेल भेजा गया और 243 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। अदालत के आदेश के बाद सड़क परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों ने 53 लोगों के लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिए। शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले व्यक्तियों पर कुल 3,21,39,060 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पकड़े गए लोगों को गोशामहल और बेगमपेट में यातायात प्रशिक्षण संस्थान में परामर्श कार्यक्रम में भाग लेना होता है।

डीसीएम के पलटने से चार की मौत, दो घायल

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह रंगारेड्डी जिले के आदिबाटला में एक डीसीएम लॉरी के पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, पीड़ित आदिबाटला के तुर्कयामजल रोड पर एक डीसीएम में सवार हो रहे थे, जब सीमेंट से लदी एक तेज रफ्तार लॉरी ने डीसीएमको पीछे से टक्कर मार दी। चार लोग जो कथित तौर पर दिहाड़ी मजदूर थे, गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को मोर्चरी में रखवा दिया। घायलों को अस्पताल भेजा जाता है। मामला दर्ज है।

बंडी संजय ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज बीआरएस सरकार पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि केसीआर सरकार समाज के सभी वर्गों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि क्या अनिवार्य प्रवेश काउंसलिंग के बिना इंजीनियरिंग में प्रवेश लेने का व्यवसाय किया जाएगा? निजी विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त किए बिना 4,000 छात्रों को गुरु नानक और श्रीनिधि कॉलेजों में प्रवेश कैसे दिया जा सकता है? केसीआर सरकार पैसे के लिए दो निजी विश्वविद्यालयों के प्रबंधन को खुद को बेचने के बाद निर्दोष छात्रों के जीवन को नष्ट कर रही थी। कुछ पुलिसकर्मी, जिन्होंने खुद को पदोन्नति के लिए बेच दिया था, अब आंदोलनकारी नेताओं को समर्थन देने के लिए एबीवीपी नेताओं को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि जब एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद (टीएससीएचई) के कार्यालय के सामने धरना दिया तो उसे क्या समस्या थी? उन्होंने आरोप लगाया कि एबीपीवी राज्य सचिव झांसी के खिलाफ थर्ड डिग्री की सजा का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने एसीपी समेत पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

जीएचएमसी समर कोचिंग कैंप में उत्साह से भाग ले रहे है छात्र

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी समर कोचिंग कैंप के तहत, छात्रों को छह क्षेत्रों में 915 केंद्रों पर 44 खेल विषयों में प्रशिक्षण मिल रहा है। खैरताबाद अंचल विजय क्रीड़ा मैदान, खैरताबाद वार्ड कार्यालय, रहीमपुरा खेल मैदान आदि खेल परिसर में आयोजित वॉलीबॉल प्रशिक्षण में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

जीएचएमसी समर कोचिंग कैंप के तहत इंटर समर कोचिंग कैंप सेंटर 15 मई से 19 मई तक 16 खेलों के साथ पांच दिनों तक टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, क्रिकेट, शतरंज, कैरम, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, हॉकी, कबड्डी, रोलर स्केटिंग, शापक टकरा, टेबल टेनिस, टेनिस, टेनी काइट और वॉलीबॉल में इंटर टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे है।

ई-बसें शुरू करने में टीएसआरटीसी देश में अग्रणी : पुव्वाड़ा

परिवहन मंत्री ने ई-गरुड़ एसी बसों का शुभारम्भ किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार ने कहा कि तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम यात्रियों की सुविधा के लिए ईको-फ्रेंडली एसी बसें उपलब्ध करा रहा है और ई-बसें शुरू करने में टीएसआरटीसी देश में अग्रणी रही है।

उन्होंने मंगलवार शाम मियांपुर, हैदराबाद में टीएसआरटीसी अध्यक्ष व विधायक बजीरेड्डी गोवर्धन, वीसी एंड एमडी वी.सी. सज्जनार के साथ इस नई बस में कुछ दूरी तय की और उसमें सुविधाओं का जायजा लिया। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि घनी आबादी वाले शहरों में जीवाश्म ईंधन के उपयोग के कारण पर्यावरण प्रदूषण कम हो रहा है। उन्होंने सराहना की कि टीएसआरटीसी ने पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन प्रदान करने के लिए तेलंगाना राज्य इलेक्ट्रिक वाहन नीति के अनुसार ई-गरुड़ बसें प्रदान की हैं। उन्होंने इस बात को याद दिलाया कि टीएसआरटीसी ने हाल के दिनों में कुल 760 सुपर लग्जरी और एसी स्लीपर बसें उपलब्ध कराई हैं और कहा कि नई बसों के आने से फिर से 10 हजार बसें पहुंचना शुभ है।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों को यात्रियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए बेहतर परिवहन सेवाएं प्रदान करने के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं। संगठन के अध्यक्ष विधायक बाजीरेड्डी गोवर्धन ने कहा कि हैदराबाद शहर से प्रतिदिन 50 हजार लोग विजयवाड़ा और राजमंड्री की यात्रा कर रहे हैं और वे विजयवाड़ा के लिए ई-गरुड़ बसें चला रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि पिछले डेढ़ साल से संगठन में कई अच्छे बदलाव लाए गए हैं और भविष्य में 2000 बसें आने वाली हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आधुनिक सुविधाओं से लैस इन गरुड़ बसों को यात्री भी पसंद करेंगे।

कंपनी वीसी एंड एमडी वी.सी. सज्जनार ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है। पहली बार टीएसआरटीसी इंटर सिटी इलेक्ट्रिक एसी बसों का संचालन करेगा। आने वाले दिनों में अधिक इलेक्ट्रिक एसी बसें उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर सेरीलिंगमपल्ली के विधायक अरिकापुदी गांधी, टीएसआरटीसी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीवीओ) डॉ. रविंदर, संयुक्त निदेशक डॉ. संग्राम सिंह पाटिल, ईडी पुरुषोत्तम, मुनिशेखर, कंपनी अधिकारी कृष्णकांत, रघुनाथ राव, विजय कुमार, रंगारेड्डी, हैदराबाद, सिकंदराबाद आरएम श्रीधर, वरप्रसाद , वेंकन्ना आदि उपस्थित रहे।

फर्जी चालान मामले में 17 गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वाणिज्यिक कर कार्यालय बोधन में 2012 से आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के एक मामले में सिम्हाद्री लक्ष्मी शिवराज, उनके बेटे सिम्हाद्री वेंकट सुनील और उनके कर्मचारियों ने सक्रिय मिलीभगत से साजिश रची वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों ने वैट दाताओं द्वारा किए गए भुगतानों के लिए फर्जी चालान बनाए।

इतना ही नहीं वैटिस पोर्टल में गलत प्रविष्टियां कीं और सरकारी खजाने को 231,22,76,967 रुपये का नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट के आधार पर बोधन टाउन थाने के एसएचओ ने सीआरपीसी में मामला दर्ज कर लिया था। बाद में मामला सीआईडी को स्थानांतरित कर दिया गया था।

भाजपा पार्षदों ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

निगम की आम बैठक जल्द बुलाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के जीएचएमसी पार्षदों ने आज राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन से मुलाकात की और उनसे जल्द से जल्द निगम की आम बैठक बुलाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। अपने प्रतिनिधित्व में, उन्होंने निगम की हाल की आम सभा की बैठक में हुए घटनाक्रम के बारे में बताया।

बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते पार्षदों ने कहा कि उनके अनुरोध पर उन्हें राज्यपाल से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर इस मुद्दे को हल करने का वादा किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निगम के अधिकारी विभिन्न सार्वजनिक समस्याओं को उठाने की अनुमति देने के लिए नियमित अंतराल पर आम सभा की बैठक नहीं कर रहे थे। उनका आरोप है कि हाल ही में आम सभा की बैठक के दौरान निगम के अधिकारियों ने पार्षदों का अपमान किया था। हाल ही में आम सभा की बैठक में जीएचएमसी के अधिकारियों ने बैठक का बहिष्कार किया था। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि एचएमडब्ल्यू एंड एसबी कार्यालय के सामने आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा पार्षदों ने न केवल उनके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया बल्कि उनके सार्वजनिक कार्यों में भी बाधा डाली। भाजपा पार्षदों ने निगम अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर आमसभा की कार्यवाही ठप कर दी। जैसे-जैसे हंगामे का सिलसिला जारी रहा, जीएचएमसी की महापौर जी. विजयलक्ष्मी ने बैठक स्थगित कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पार्षद जानबूझ कर बैठक की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं क्योंकि वे नहीं चाहते कि बैठक स्थगित करने से पहले वे जनता की समस्याओं पर चर्चा करें। उन्होंने निगम के अधिकारियों के प्रति भाजपा पार्षदों के रवैये की भी निंदा की।

103 किलो गांजे के साथ छह गिरफ्तार

नलगोंडा, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केत्तेपल्ली पुलिस ने एक महिला सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 10 लाख रुपये मूल्य का 103 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार व्यक्तियों में ओडिशा के अशोक, अभिजीत, फनी, शिका बिस्वाल और धनंजय बिस्वाल और मध्य प्रदेश के जीवन सिंह यादव शामिल है। दो आरोपी विनय और विवेक फरार हैं। पुलिस अधीक्षक के अपूर्व राव ने कहा कि टास्क फोर्स और केथेपल्ली पुलिस ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 पर कोरलपहाड़ टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग की। पुलिस को देखकर आठ लोग बस से उतर गए और भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने पीछा किया। उनमें से छह को पकड़ने में कामयाब रहे।

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह को लेकर कई कार्यक्रम

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 7 वें संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह (15 से 21 मई) में बागंगा ट्रैफिक ट्रेनिंग सेंटर बेगमपेट ने एसीपी ट्रैफिक ट्रेनिंग जी शंकर राजू के मार्गदर्शन में कई गतिविधियों का आयोजन किया। कौशल और ज्ञान केंद्र, बेगमपेट के लिए तेलंगाना अकादमी में आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो के माध्यम से कर्मचारियों को यातायात सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया।

साथ ही हीरो ट्रैफिक पार्क में नारायण महाविद्यालय के बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा पर चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इन आयोजनों में मौजूद ट्रैफिक इंस्पेक्टर जी नागराजू ने वैश्विक सड़क सुरक्षा के उद्देश्यों के बारे में बताया और सुझाव दिया कि साइकिल व सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए और यदि यातायात नियमों का पालन किया जाता है, तो दूसरों का पालन किया जा सकता है। इन कार्यक्रमों में आईटी एंड ई प्रबंधक सतीश, हीरो पार्क प्रशासक विद्यालय के प्राचार्य, डब्ल्यूएचसी वीरम्मा और यातायात प्रशिक्षण सुमन ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं. सी/सी/इ-आक्शन्स कैटलाग/एससी/2022-23
दि.16.05.2023

PUB/0517

कृते भारत के राष्ट्रपति, भारत संघ के लिए और उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे व्दारा कमर्शियल एर्निंग कांट्राक्ट्स तथा एनएफआर कान्ट्राक्ट्स के लिए ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है,जिसे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in/ पर अधिसूचित किया गया है।

श्रेणी	सूची सं.	नीलामी शुरु तिथि	नीलामी बंद तिथि	कार्य विवरण
पार्सल्स	एससी-पार्सल्स-623	18-05-2023 11.00 बजे	18-05-2023 12.20 बजे	निम्नानुसार ट्रेन नं. के 06 एसएलआर 17663-एसएलआर-आर1-टीडीयु-पीबीएन 12720-एसएलआर-एफ1-एचवायबी-जेपी 12285-एसएलआर-एफ1-एससी-एनजेडएम 12437एसएलआर-एफ1-एससी-एनजेडएम 22850-एसएलआर-एफ1-एससी-एसएचएम 17663-एसएलआर-एफ1-टीडीयु-पीबीएन
	एससी पार्सल्स 723	22-05-2023 11.00 बजे	22-05-2023 12.30 बजे	निम्नानुसार ट्रेन नं. के 04 एसएलआर 22204-एसएलआर-एफ1-एससी-वीएसकेपी 17230-एसएलआर-एफ1-एएसी-टीवीसी 12220-एसएलआर-एफ1-एससी-एलटीटी 17058-एसएलआर-एफ1-एससी-सीएसएमटी निम्नानुसार ट्रेन नं. के 03 वीपी 22718-22717-वीपी-1-एससी-आरजेटी 12791-12792-वीपी-1-एससी-डीएनआर 12774-12773-वीपी-1-एससी-एसएचएम
विज्ञापन	एससी एडीवीटी 2023-03	22-05-23 11.00 बजे	22-05-23 12.50	हैदराबाद तथा महबूबाबाद स्टेशन पर नान-डिजीटल विज्ञापन या एडवर्टाइजमेंट की व्यवस्था । हैदराबाद, लिंगमपल्ली,बेगमपेट, वरंगल,काजीपेट, खम्मम व मंचेरियाल स्टेशनों पर हेल्थ कियोस्क का प्रावधान।
केटरिंग	एससी-सीएटीजी -015	22-05-23 12.00 बजे	22-05-23 14.00 बजे	खानपान ठेके या केटरिंग कांट्राक्ट्स हेतु बोलीदाताओं को आमंत्रित किया गया है-पोटकापल्ली, घटकेसर, धारूर, जम्मीकुंटा पर जनरल मायनर युनिट्स(जीएमयु) तथा खैरताबाद, दोर्नकल, शंकरपल्ली, लिंगमपल्ली, रेक्नी रोड एवं नावांद्री स्टेशनों पर स्पेशल मायनर युनिट्स(एसएमयु) की व्यवस्था।
पार्किंग	एससी-पार्किंग 6-23	22-05-23 13.00	22-05-23 13.40	छह वर्ष की अवधि के लिए चंदाननगर तथा हायटेक सिटी स्टेशनों पर पार्किंग ठेके के लिए बोलीदाताओं को आमंत्रित किया गया है।

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदार तत्संबंधित पर ध्यान दें एवं ई-नीलामी सूचना से जुडे विस्तृत विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट देखें। पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A0731 वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

शिक्षकों की भर्ती होने तक आंदोलन जारी रहेगा : आर. कृष्णैया

बेरोजगार युवाओं ने शिक्षा आयुक्त कार्यालय का घेराव किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार से तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के 44,000 रिक्त पदों को तुरंत भरने के लिए एक अधिसूचना जारी करने की मांग करते हुए, बेरोजगार उम्मीदवारों के स्कोर ने आज यहां शिक्षा विभाग आयुक्त के कार्यालय पर धावा बोल दिया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व तेलंगाना जैक की अध्यक्ष नीला वेंकटेश और गुज्जा कृष्णा ने किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष आर कृष्णैया ने शिरकत की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि वे तब तक अपना आंदोलन जारी रखेंगे जब तक कि राज्य सरकार द्वारा शिक्षक पदों को भर नहीं दिया जाता। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी स्कूलों में 24,000 शिक्षक पद भरे जाने चाहिए। इसी तरह सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों के 4900, मॉडल स्कूलों में 2000 और कस्तूरबा स्कूलों में शिक्षकों के 1500 पद खाली पड़े हैं। इसके अलावा सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षक के 4 हजार और पीईटी के 10 हजार पद सृजित किए गए हैं। इसी क्रम में कला, शिल्प और ड्राइंग के 5,000 पद, लाइब्रेरियन के 3,000 पद, कनिष्ठ सहायक के 4,000 पद और परिचारक के 10,000 पद हैं। यदि इतनी बड़ी संख्या में रिक्तियां हैं, तो सरकार इसे भरे बिना छात्रों के भविष्य के साथ-साथ बेरोजगारों के जीवन के साथ खिलवाड़ करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऊंची जाति के बच्चे जिस सरकारी स्कूल में एससी, एसटी, बीसी परिवारों के बच्चे पढ़ रहे हैं, वहां शिक्षकों की नियुक्ति के लिए समस्या पैदा कर कमजोर वर्ग के छात्रों के विकास में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर अंशकालिक शिक्षक, अतिथि शिक्षक, प्रति घंटा आधारित शिक्षक, शिक्षा स्वयंसेवक, संविदा शिक्षक आदि विभिन्न नामों पर वर्षों से अस्थायी शिक्षक नियुक्त कर शिक्षा व्यवस्था को बिगाड़ने का भी आरोप लगाया। कृष्णय्या ने कहा कि राज्य के लोगों की धारणा है कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने आलोचना की कि यद्यपि विभिन्न सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के हजारों पद खाली पड़े है।

किशन ने युवाओं से केंद्र द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का उपयोग करने का आह्वान किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज युवाओं से केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का उपयोग करने और अमृत काल के बीच देश के विकास का हिस्सा बनने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे कहा कि वे अपने माता-पिता को न भूलें, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर नौकरी पाने में अपना सहयोग दिया। वह शहर में आयोजित रोजगार मेला में केंद्र सरकार के नवनियुक्त नौकरीधारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। मेले का आयोजन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आभासी मोड के माध्यम से देश भर के 71,000 व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के लिए किया गया था। रेड्डी ने सिकंदराबाद स्थित स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और व्यक्तिगत रूप से नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर बोलते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि पीएम ने अगले दस महीनों में 10 लाख नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है और कहा कि वह अब तक 3.6 लाख नौकरियां भर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मोदी हर महीने न केवल रोज़गार मेले आयोजित कर रहे हैं, बल्कि इसमें भाग भी ले रहे हैं, यह देखते हुए कि पीएम ने रिक्तियों को देखते हुए केंद्र सरकार की सभी नौकरियों को भरने का निर्णय लिया है। उन्होंने बीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य के शासक मामले दर्ज कर भर्ती प्रक्रिया में देरी कर रहे हैं और हाल ही में टीएसपीएससी की कुछ परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद भर्ती में देरी का हवाला दिया।

सब्जियों के दामों में आने लगी तेजी

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। गर्मी का सीजन शुरू होते ही स्थानीय सब्जी मंडियों में गर्मी के सीजन की सब्जियां जैसे तोरई, लौकी, कद्दू, भिंडी, परवल, करेला, लहसुन और नींबू के दामों में हो रही बढ़ोतरी ने आम लोगों का रसोई बजट बिगाड़ दिया है। जी हां, बढ़ती गर्मी का असर खासतौर से नींबू पर देखा जा सकता है। लखनऊ में फुटकर में नींबू का रेट 150 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुका है। लहसुन के दाम भी 100 से 120 रुपये किलो हैं। वहीं, तोरई 50 रुपये, परवल व करेला के दाम 60 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मार्केट में हैं। गोभी और आलू को छोड़कर ज्यादातर साब्जियों के दामों में इजाफा देखने को मिला है। मंडी के व्यापारियों के अनुसार, गर्मी सीजन की शुरुआत के कारण कुछ सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है तो कुछ के दामों में कमी भी आई है। मंडी में सब्जियों की आवक सामान्य बनी हुई है। व्यापारियों के मुताबिक, ताजा सब्जियां मंडियों में अच्छे दामों में बिक रही हैं। किसान सीधे खेत से सब्जियों को मंडियों में ले आते हैं। वहीं, दूसरी तरफ गर्मी बढ़ने के कारण कुछ सब्जियां समय पर मंडी में नहीं पहुंच पाती हैं और वो रास्ते में ही सूख जाती हैं, जिससे दाम कम मिल पाते हैं। अगर बात करें ऑफ सीजन सब्जियों की तो ऐसी सब्जियों के दाम हमेशा अधिक ही रहते हैं। इसका कारण एक तो इन्हें लगाने में मेहनत और पैसा ज्यादा लगता है। वहीं, दूसरी तरफ इनकी डिमांड अधिक होती है। इसके कारण इनके दाम अधिक होते हैं।

आईपीएस अधिकारी दीपक रतन की हार्ट अटैक से मौत, सीआरपीएफ में आईजी पद पर थे तैनात

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। होनी को कोई नहीं टाल सकता है। लिहाजा उसके सामने यूपी कैडर 1997 बैच के दबंग अफसर दीपक रतन भी हार गए। दबंग, हंसमुख, मिलनसार और मृदुभाषी दीपक रतन भी खुद को क्रूर काल का ग्रास बनने से महफूज नहीं रख सके, जिनकी बेहद धीमी आवाज को सुनने के लिए खाकी वर्दी और आमजन तरसा करते थे। भोपाल में जन्मे और ग्रेजुएशन में कंप्यूटर साइंस के छात्र रहे दीपक रतन से पहली नजर में उनसे मिलने पर, शायद जमाने में कोई नहीं पहचान पाता था कि यह कोई आईपीएस अफसर होंगे। वे दबंग आईपीएस अफसर, जिसकी खामोशी भी अपराधियों में खौफ पैदा कर देती थी। इन दिनों वे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ में महानिरीक्षक के पद पर (डेप्यूटेशन) पर नियुक्त थे। सोमवार को दिल का दौरा पड़ने से दीपक रतन का निधन हो गया। 50 साल के युवा और जोश से भरे-पूरे दीपक रतन ने दिल्ली के मैक्स अस्पताल (साकेत) में अंतिम सांस ली। उन्हें अचानक ही सीने में उठे दर्द के बाद अस्पताल ले जाया गया था। दीपक रतन के आकस्मिक निधन से यूपी पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी दो-दो महमकों को धक्का पहुंचा है।

शिवलिंग ही नहीं

पूरे ज्ञानवापी परिसर के एएसआई से सर्वे की याचिका मंजूर, 22 को होगी सुनवाई

वाराणसी, 16 मई (एजेंसियां)। वाराणसी के बहुचर्चित ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग ही नहीं, बल्कि पूरे विवादित स्थल का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से वैज्ञानिक पद्धति से जांच कराने की याचिका को जिला जज की अदालत ने मंजूर कर लिया है। मामले में कोर्ट ने अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी को आपत्ति दाखिला करने के लिए 19 मई तक का समय दिया गया है। मसाजिद कमेटी को आवेदन की कॉपी दी गई। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 22 मई की तिथि तय की। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने छह याचिकाकर्ताओं की तरफ से सर्वे की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि सनातन हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले सभी लोग यह चाहते हैं कि हमारे आराध्य आदि विश्वेश्वर से जुड़ा ज्ञानवापी का सच सामने आए। सबको यह मालूम होना चाहिए कि ज्ञानवापी में आदि विश्वेश्वर का मंदिर कब बना था? कहा कि इसके लिए अब हम लोगों ने अदालत से पूरे विवादित स्थल की कार्बन डेटिंग और ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से सर्वे कराने की मांग की है। अधिवक्ता ने कहा कि अनादि काल से हमारी आस्था के केंद्र रहे हमारे धर्मस्थलों को विदेशी आक्रांताओं ने तलवार के बल पर उजाड़ा था।

ज्ञानवापी प्रकरण में इन सवालों के जवाब मिलने जरूरी

अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि देश की जनता को ज्ञानवापी से जुड़े इन सवालों के जवाब मिलने जरूरी हैं। ज्ञानवापी में मिला शिवलिंग कितना प्राचीन है? शिवलिंग स्वयंभू है या कहीं और से लाकर उसकी प्राण प्रतिष्ठा की गई थी? विवादित स्थल की वास्तविकता क्या है? विवादित स्थल के नीचे जमीन में क्या सच दबा हुआ है? मंदिर को ध्वस्त कर उसके ऊपर तीन कथित गुंबद कब बनाए गए? तीनों कथित गुंबद कितने पुराने हैं?

इनकी तरफ से दाखिल हुई याचिका

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता के मुताबिक, याचिका राम प्रसाद सिंह, महंत शिव प्रसाद पांडेय, लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक की ओर से दाखिल की जाएगी। चारों महिलाएं पहले से ही ज्ञानवापी के मां श्रृंगार गौरी केस की वादिनी हैं।

युवक के साथ जा रही युवती का हटाया नकाब, केस दर्ज

मुजफ्फरनगर, 16 मई (एजेंसियां)। थाना नई मंडी क्षेत्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें बाइक से एक युवक और युवती जा रहे हैं। इस दौरान उनको रास्ते में रोककर अज्ञात लोगों ने अभद्रता की। साथ ही उन्होंने जबरदस्ती युवती के चेहरे से नकाब हटाया। बता दें कि वायरल वीडियो के आधार पर स्थानीय पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस अज्ञात लोगों की तलाश कर रही है। यह मामला दो विशेष संप्रदाय से जुड़ा हुआ है। इस मामले में जानकारी देते हुए एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापति ने बताया कि एक वीडियो जोकि सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, इसका थाना नई मंडी पुलिस ने संज्ञान लिया है। इसमें एक पुरुष और एक महिला मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी कुछ अज्ञात युवक गाड़ी से उनका पीछा करते हैं और आगे जाकर उनको रोक लेते हैं। अज्ञात युवक युवती के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। युवती के चेहरे से जबरदस्ती नकाब हटाते हैं। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापति ने बताया कि इस मामले में थाने में शिकायत की गई है। साथ ही तहरीर दी गई है।

निकाय चुनाव में बसपा के खराब प्रदर्शन के बाद मायावती ने 18 को बुलाई बैठक

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी को नगरीय निकाय चुनाव में भी बड़ा झटका लगा है। निकाय चुनाव में पार्टी के बेहद खराब प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए बसपा प्रमुख मायावती ने 18 मई को पार्टी के जोनल कोआर्डिनेटर से लेकर जिलाध्यक्षों तक की बैठक बुलाई है। दरअसल, पिछले चुनाव में मुस्लिम मतों के दम पर मेरठ और अलीगढ़ के मेयर के अलावा 29 नगर पालिका परिषद और 45 नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ 627 पार्षद-सदस्य जीतने वाली बसपा का प्रदर्शन अबकी खराब रहा है। अकेले चुनाव मैदान में उतरी बसपा ने अबकी मुस्लिमों पर बड़ा दांव लगाया था। इसके बावजूद पार्टी को पिछली बार से 5.49 प्रतिशत कम वोट मिला है। पिछली बार पार्टी को जहां 14.30 प्रतिशत वोट मिले थे वहीं अबकी 8.81 प्रतिशत ही रह गए हैं। अबकी मेयर तो कोई जीता नहीं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष भी घटकर 16 और नगर पंचायत अध्यक्ष 37 ही रह गए हैं। पार्षद व सदस्य मिलाकर पार्टी के कुल 544 प्रत्याशी ही जीते हैं। लोकसभा चुनाव का सेमी फाइनल माने जाने वाले निकाय चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन को देखते हुए मायावती ने 18 मई को पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। बैठक में जोनल कोआर्डिनेटरों के साथ ही मुख्य मंडल प्रभारी, जिला वामसेफ संयोजक और सभी जिलाध्यक्ष बुलाए गए हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बैठक में हार की समीक्षा करने के साथ ही बसपा प्रमुख लोकसभा चुनाव की तैयारियों के संबंध में पदाधिकारियों को निर्देश देंगी।

विदित हो कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में शून्य पर सिमटने वाली बसपा पिछले विधानसभा चुनाव में भी सिर्फ एक ही सीट जीतने में कामयाब रही थी। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन के चलते पार्टी को 10 सीटों पर सफलता मिली थी। चूंकि अब गठबंधन टूट चुका है इसलिए निकाय चुनाव के नतीजों को देखते हुए अगले लोकसभा चुनाव में अकेले ही बसपा के उतरने पर पार्टी के लिए वर्ष 2014 जैसी स्थिति के फिर रहने की फिलहाल आशंका जताई जाने लगी है।

सीतामढ़ी में 3 फुट के योगेंद्र और 3.5 फुट की पूजा की फिर होगी शादी

सीतामढ़ी, 16 मई (एजेंसियां)। सीतामढ़ी के योगेंद्र और पूजा एक बार फिर चर्चा में है। अपने छोटे कद काठी के लिए योगेंद्र गांव-समाज में हर किसी के लिए एक कौतूहल का विषय बने रहे हैं। योगेंद्र सबसे ज्यादा सुर्खियों में तब आये थे, जब 7 माह पूर्व उनकी शादी हुई थी। काफी प्रयास के बाद योगेंद्र की कद काठी की लड़की मिली थी और उनकी शादी संभव हो सकी थी। मात्र 3 फुट के होने के चलते योगेंद्र की शादी नहीं हो पा रही थी। कोई लड़की वाले उनसे शादी को तैयार ही नहीं हो रहे थे। कहा जाता है कि जोड़ी ऊपर वाले बना कर भेजते हैं। ये बात योगेंद्र की शादी के बाद फिर से सच साबित हुई थी। गौरतलब है कि योगेंद्र खुद 3 फुट के हैं, तो उनकी दुल्हनिया पूजा 3.5 फुट की हैं। ईश्वर को साक्षी मानकर शादी करने वाले योगेंद्र और पूजा सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं, लेकिन इस शादी से उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में अड़चनें पैदा हो रही थी। दरअसल, योगेंद्र की शादी अंतर्जातीय हुई थी। इस कारण उन्हें निबंधन विभाग में शादी करनी है। यहां से शादी का प्रमाण पत्र मिलने के बाद वे सरकारी योजनाओं के लाभ के हकदार हो सकेंगे। इसके लिए उनके द्वारा मैरेज ऑफिस में एक आवेदन दिया गया है। उक्त ऑफिस से उनकी शादी की तिथि 5 जून को निर्धारित की गई है। योगेंद्र ने बताया कि उसे और पूजा को दिव्यांग सहायता राशि के तहत एक-एक लाख रुपये और अंतर्जातीय विवाह योजना के तहत ढ़ाई लाख रूपये मिलना है। उक्त योजनाओं के लाभ के लिए संबंधित विभाग में आवेदन किया, तो विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि अब नियम बदल गया है।

स्मृति ईरानी को राहुल गांधी के खिलाफ क्यों मिला था अमेठी से टिकट? भाजपा नेता ने किया ये बड़ा दावा

अमेठी, 16 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी ने कहा कि उन्हें अमेठी में राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव मैदान में इसलिए नहीं उतारा गया था कि वह महिला हैं, बल्कि पार्टी को लगता था कि केवल वह ही उन्हें हरा सकती हैं। ईरानी की टिप्पणी यह कहे जाने पर आई कि सरकार को महिला रियल एस्टेट डेवलपर्स को त्वरित मंजूरी देने पर विचार करना चाहिए। महिला एवं बाल विकास मंत्री ईरानी ने रियल एस्टेट डेवलपर्स के संगठन 'क्रेडाई' द्वारा आयोजित सम्मेलन में कहा, "मैं इसके बजाय पुरुष डेवलपर्स के साथ प्रतिस्पर्धा करना पसंद करूंगी। मुझे अमेठी इसलिए नहीं भेजा गया था क्योंकि मैं एक महिला हूं। मुझे अमेठी इसलिए भेजा गया क्योंकि मैं एकमात्र व्यक्ति थी जो उस आदमी (राहुल गांधी) को हरा सकती थी।" ईरानी ने 2019 के आम चुनाव में नेहरू-गांधी परिवार के गढ़ अमेठी में राहुल गांधी को लगभग 55,000 मतों के अंतर से हराया था। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में वह राहुल गांधी के सामने एक लाख मतों के अंतर से हार गई गई थीं। इसके अलावा स्मृति ईरानी ने रियल एस्टेट कंपनियों की संस्था क्रेडाई से पहली पीढ़ी की महिला रियल एस्टेट 'डेवलपर' को बढ़ावा देने को कहा। यहां क्रेडाई महिला एवं युवा नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए ईरानी ने बिल्डरों से कहा कि वे निर्माण गुणवत्ता से समझौता किए बिना रियल एस्टेट परियोजनाओं को सस्ता रखने पर ध्यान दें। उन्होंने नवनिर्वाचित क्रेडाई राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी से पूछा, ''आप क्रेडाई या गैर क्रेडाई की कितनी महिला डेवलपर को जानते हैं। आप अधिक से अधिक महिला डेवलपर को कारोबार में लाने के लिए क्रेडाई के रूप में क्या कर रहे हैं।' वर्ष 2023 25 की अवधि के लिए क्रेडाई के अध्यक्ष चुने गए बोमन ईरानी से उन्होंने कहा कि अगर आप अपने कार्यकाल में देश को 100 नई महिला डेवलपर दे सकते हैं।।।तो आपका कार्यकाल सफल रहेगा।''मंत्री ने क्रेडाई से युवा महिलाओं सहित युवाओं को पहली पीढ़ी का रियल एस्टेट 'डेवलपर' बनाने में मदद करने को कहा। इस कार्यक्रम में क्रेडाई के अध्यक्ष बोमन ईरानी ने विकास के लिए संगठन के दृष्टिकोण को साझा किया।

चोरी के बाद महंगी शराब पीकर बेडरूम में सो गया चोर उठते ही घरवालों ने दबोचा

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक अजीबोगरीब वाक्या हुआ। यहां एक घर में चोरी करने आया चोर महंगी शराब देखकर खुद को कंट्रोल नहीं कर पाया और पी गया। इसके बाद नशे में टल्ली चोर बेडरूम में सो गया। घर वाले एक शादी समारोह से वापस लौटे तो देखा कि एक शख्स बेडरूम में सो रहा है। फिर चोर को हवालात में सोने के लिए भेज दिया गया। दरअसल, बिहार के छपरा के रहने वाले शरवानंद सेना से नायक सूबेदार के पद से रिटायर हुए है और लखनऊ के कैंट थाना क्षेत्र में निर्मला की कटारी भाग में अपने परिवार के साथ रहते हैं। घटना के दिन शरवानंद अपने रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होने गए थे। शादी से वापस लौट कर ताला खोला तो देखा कि गेट की ऊपर हिस्से की क्रीम कटी हुई है। घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ है। जैसे ही बेडरूम में पहुंचे तो देखा कि एक युवक आराम से सो रहा है और वहीं पर शराब की खाली बोतलें भी पड़ी है।

सपा विधायक इरफान सोलंकी, मुख्तार बाबा और हाजी वसी पर कसेगा शिकंजा, पुलिस ने की ये तैयारी

कानपुर, 16 मई (एजेंसियां)। यूपी निकाय चुनाव के नतीजे आने के बाद अब एक बार फिर से प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। चुनाव समाप्ति के बाद अब समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी कानपुर हिंसा के आरोपी मुख्तार बाबा और हाजी वसी पर अब पुलिस प्रशासन शिकंजा कसने की तैयारी में जुट गया है। जल्द ही इनकी संपत्ति को सीज करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। पिछले कई महीनों से इन तीनों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई की जा रही है। सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी दोनों एक महिला का प्लॉट कब्जाने के लिए उसके घर में आग लगाने के मामले में जेल में बंद हैं। सपा विधायक के खिलाफ 8 नवंबर 2022 के बाद से अब तक 8 केस

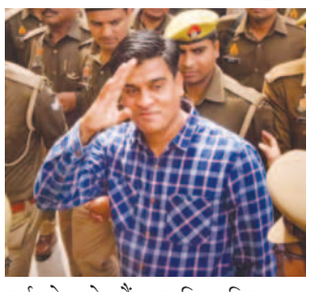

दर्ज हो चुके हैं, जबकि पुलिस अब तक 7 मामलों में चार्जशीट लगा चुकी है। यहीं नहीं उन पर गैंगस्टर वाले मामले में भी कार्रवाई चल रही है और अब जल्द ही उनकी संपत्ति को सीज किए जाने की तैयारी की जा रही है।

संपति जब्त करने की तैयारी शुरू

सपा विधायक इरफान सोलंकी के अलावा कानपुर नई सड़क हिंसा मामले में आरोपी बाबा बिरयानी के मालिक मुख्तार बाबा और बिल्डर हाजी वसी पर भी गैंगस्टर का मुकदमा चल रहा है। मुख्तार बाबा पर पिछले साल 3 जून को नई सड़क पर हुई हिंसा के लिए उन्होंने ही पैसे मुहैया कराए थे, जिसके बाद यहां पर जबरदस्त हिंसा हुई थी। पुलिस ने अब तक मुख्तार बाबा की कई संपत्तियों को चिन्हित किया है जिनकी कीमत करोड़ों रुपयों में बताई जा रही है। इनमें मुख्तार बाबा की उन्नाव में जमीन, जाजमऊ में प्लाटिंग, बेकनगंज व चमनगंज में अपार्टमेंट होने का पता चला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक चुनाव खत्म होने के बाद अब इरफान सोलंकी, मुख्तार बाबा और हाजी वसी की संपत्तियों के जब्तीकरण की कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके लिए इन तीनों की संपत्तियों को चिन्हित किया जा चुका है।

नीतीश कुमार पर फिर गरमाए माझी, कहा गलत कर रहे हैं मेरे साथ, राजनीति में कसम की क्या कीमत

पटना, 16 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जहां एक ओर पुरे देश में घूम-घूम कर विपक्षी एकता को जोड़ने में लगे हैं, वहीं दूसरी तरफ हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक और पूर्व सीएम जीतन राम माझी ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा है कि नीतीश कुमार उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर रहे हैं। यह बात उन्होंने राजगीर के कन्वेंशन हॉल में हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय परिषद सम्मेलन में कही। जीतन राम मांझी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनकी पार्टी के साथ अच्छा नहीं कर रहे हैं। उनके साथ कमी कर दी गई है जो सही नहीं है। उन्होंने इस बात को विस्तार से बताते हुए कहा कि पहले उनके पास दो विभाग थे, लेकिन अब उनसे एक विभाग वापस ले लिया। इसलिए हम मांग करते हैं कि हमें हमारा विभाग लौटा दिया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हमने नीतीश कुमार के साथ रहने की कसम जरुर खाई है, लेकिन राजनीति में कोई कसम नहीं होती है। जीतन राम मांझी का कहना है कि महागठबंधन में समन्वय समिति होनी चाहिए। बिना कमेटी नहीं होने की वजह से निर्णय गलत हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों की नियुक्ति के संबंध में कहा कि शिक्षकों के साथ भी गलत हुआ है। उन्होंने कहा कि बीएड, एसटीईटी, टीईटी,एमएड पास अभ्यर्थी की नियुक्ति तो बिना परीक्षा के होनी चाहिए थी। ऐसे अभ्यर्थियों की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। हम गठबंधन में हैं इसलिए चुप हैं। जीतन राम मांझी ने सरकार की शिक्षा नीति पर भी जमकर बोला। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति के बारे में सीएम नीतीश कुमार कह रहे हैं कि सबकी राय के बाद यह फैसला लिया गया है, जबकि यह पूरी तरह गलत है। हमलोगों से कोई राय नहीं ली गई है। जीतनराम मांझी ने वित्त रहित शिक्षकों को वित्त सहित शिक्षकों की श्रेणी में लाने को कहा। उन्होंने कहा कि बिहार के सरकारी स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की भारी कमी है। जबकि प्राइवेट स्कूलों की स्थिति काफी अच्छी है। इसलिए मेरा कहना है कि जिन जिन प्राइवेट विद्यालयों की स्थिति दुरुस्त और बेहतर है, सरकार उन विद्यालयों को सरकारीकृत कर दे।

आरजेडी विधायक किरण देवी के ठिकानों पर सीबीआई का छापा, लालू यादव का करीबी है परिवार

आरा, 16 मई (एजेंसियां)। बिहार से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां आरा में राजद विधायक के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी चल रही है। विधायक किरण देवी के पति अरुण यादव बड़े बालू कारोबारी हैं। विधायक किरण देवी लालू प्रसाद के करीबी और पूर्व विधायक अरुण यादव की पत्नी हैं। छापेमारी की कार्रवाई भोजपुर के अंगियांव स्थित आवास पर चल रही है। सीबीआई की टीम भोजपुर के अगियांव स्थित किरण देवी के आवास पर छापेमारी के लिए पहुंची है। आरजेडी विधायक किरण देवी लालू परिवार के बेहद करीबी हैं। जानकारी के मुताबिक विधायक किरण देवी के कई ठिकानों पर इस वक्त सीबीआई की टीम की छापेमारी चल रही है। आपको बता दें कि किरण देवी पहली बार विधायक बनी हैं। वह आरजेडी के पूर्व विधायक और बाहुबली नेता अरुण यादव की पत्नी हैं, जिन्हें पिछले चुनाव में पहली बार आरजेडी ने टिकट दिया था। अंगियांव में अरुण यादव का आलिशान बंगला है, जहां सीबीआई की टीम पहुंची है। अरुण यादव बालू के भी बड़े कारोबारी हैं। आरजेडी विधायक किरण देवी और उनके पति बालू कारोबारी, पूर्व विधायक अरुण यादव लालू परिवार का बेहद करीबी रहा है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह ही सीबीआई की टीम किरण देवी के घर पहुंच गई। छापेमारी की कार्रवाई चल रही है।

निकाय चुनाव में बीजेपी से बगावत करने वालों के खिलाफ होगा एक्शन, जिलाध्यक्षों से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव में बीजेपी ने जबरदस्त जीत हासिल कर विरोधियों को बुरी तरह परास्त कर दिया है। निकाय चुनाव में जीत हासिल करने के बाद अब उनकी बारी है जिन्होंने पार्टी के साथ बगावत की थी। बीजेपी अब ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी कर रही है। इसके लिए यूपी बीजेपी ने अब प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों से निकाय चुनाव की रिपोर्ट मांगी हैं। बीजेपी ने निकाय चुनाव को लेकर सभी 98 जिलाअध्यक्षों से चुनाव की रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट में जिला अध्यक्षों से पूछा गया है कि निकाय चुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों की जीत के प्रमुख आधार क्या था और अगर किसी प्रत्याशी की हार हुई है तो उसकी वजह क्या थी। निकाय चुनाव के नतीजों को लेकर जिला अध्यक्ष जो रिपोर्ट बनाकर भेजेंगे उसका आंकलन करने के बाद

आगे शीर्ष नेतृत्व कार्रवाई करेगा। निकाय चुनावों में भाजपा ने 17 नगर निगम में महापौर 89 नगर पालिका परिषद और 191 नगर पंचायत में अध्यक्ष पद का चुनाव जीता है। साथ ही 813 पार्षद, नगर पालिकाओं में 1360 और नगर पंचायत में 1403 सभासद बीजेपी के टिकट पर जीत कर आये हैं। जिन भी सीटों पर सांसद, विधायक या पार्टी पदाधिकारियों के भीतरघात से पार्टी को नुक़सान हुआ है इस रिपोर्ट में उसका भी आकंलन किया जाएगा। जिसके बाद ऐसे नेताओं पर कार्रवाई की जा सकती है। पार्टी को हराने में सक्रिय रहे नेताओ के खिलाफ नोटिस देने, निलंबित करने या निष्कासित करने की करवाई हो सकती है। आपको बता दें कि यूपी निकाय चुनाव में बीजेपी में टिकट न मिलने या फिर टिकट कट जाने पर बड़े पैमाने पर विरोध देखने को मिला था। जिसके बाद उन्होंने निर्दलीय मैदान में उतरने का एलान कर दिया था तो कई नेता बीजेपी के विरोध में दूसरे दलों को प्रत्याशियों का समर्थन करने लगे थे। पार्टी में हुई बगावत को देखते हुए स्थानीय सांसद, विधायक और तमाम पदाधिकारियों को ऐसे नेताओं को समझाने की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसके बाद कुछ माने तो कुछ अपनी बात पर ही अड़े रहे, जिसकी वजह से कई सीटों पर बीजेपी को नुकसान भी हुआ है। यही वजह है कि पार्टी अब ऐसे नेताओं का बख्शने के मूड में नहीं है।

शाइस्ता व गुड्डू बमबाज के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी, मुंबई में छुपे होने की आशंका

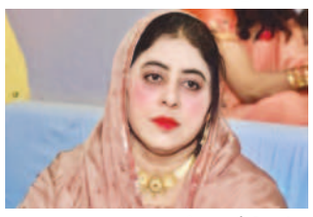

प्रयागराज, 16 मई (एजेंसियां)। उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या में आरोपित 50 हजार रुपये की इनामी अतीक की बीवी शाइस्ता परवीन, शूटर साबिर, बमबाज गुड्डू मुस्लिम के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी हो गया है। पुलिस को इनके विदेश भागने की आशंका है। नोटिस के बाद देश के सभी एयरपोर्ट पर निगरानी बढ़ा दी गई है। फरार आरोपितों के बारे में जानकारी के लिए दूसरी एजेंसियों की मदद ली जा रही है। धूमनगंज के जयंतीपुर सुलेम सराय में 24 फरवरी की शाम उमेश पाल और उनके दो सुरक्षाकर्मियों की गोली और बम मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश पाल की पत्नी ने अतीक की बीवी शाइस्ता सहित कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है अतीक के बेटे असद समेत फरार शूटरों पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस, एसटीएफ की मुठभेड़ में असद, शूटर गुलाम, अरबाज और उस्मान चौधरी ढेर हो चुके हैं। बमबाज गुड्डू मुस्लिम और साबिर का कुछ पता नहीं चल सका है। शाइस्ता भी फरार है। पुलिस का कहना है कि इन सभी के विदेश भागने की आशंका जताई गई है। पिछले कई दिनों से शाइस्ता के मुंबई में होने की जानकारी मिल रही है। इसी आधार पर शाइस्ता व साबिर, गुड्डू के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस की ओर से नोटिस जारी की गई है, ताकि कोई भी आरोपित देश छोड़कर बाहर न भाग सके।

कौन है केपी गोसावी? जिसने आर्यन खान ड्रग्स केस में बनाया 25 करोड़ रुपये वसूलने का प्लान

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। आर्यन खान ड्रग्स केस में एक के बाद एक नई परतें खुलती जा रही हैं। इस केस में केपी गोस्वामी का नाम सामने आया था, जिसे कॉर्डेलिया क्रूज शिप ड्रग केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से शामिल किया गया था। अब इस बात का खुलासा हुआ है कि एनसीबी ऑफिसर समीर वानखेड़े के साथ ही केपी गोसावी ने आर्यन खान के परिवार से 25 करोड़ रुपये की जबरन वसूली करने की योजना बनाई थी। दरअसल, केपी गोस्वामी ने एनसीबी ऑफिस में आर्यन खान के साथ सेल्फी ली थी जो बाद में वायरल हो गई थी। केपी गोसावी ने एसआईटी को दिए अपने बयान में बताया कि ये

सेल्फी उसने इसलिए ली थी, ताकि वो अपने दोस्तों को ये फोटो दिखा सके। वहीं सीबीआई ने एफआईआर में यह दावा किया है कि 'स्वतंत्र गवाह' केपी गोस्वामी ने आर्यन खान के परिवार से ड्रग्स केस में 25 करोड़ रुपये वसूलने की योजना बनाई थी।

आर्यन खान से 25 करोड़ रुपये वसूलने की रची थी साजिश

सीबीआई ने एफआईआर में ये आरोप लगाया है कि केपी गोस्वामी ने अपने एक साथी सनविले डिसूजा और अन्य लोगों के साथ मिलकर आर्यन खान के परिवार से धमकी देकर 25 करोड़ रुपये की राशि वसूलने की साजिश रची गई थी। एफआईआर के मुताबिक, केपी गोसावी ने आर्यन को छोड़ने के लिए 25 करोड़ से 18 करोड़ रुपये कर दिए थे और यहां तक कि 50 लाख रुपये की टोकन राशि लेकर पैसों का एक हिस्सा वापस दे दिया था।

समीर वानखेड़े भी हैं सीबीआई की रडार पर

सीबीआई ने आर्यन खान ड्रग्स केस से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुंबई एनसीबी के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े और तीन अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिसमें केपी गोसावी का नाम भी शामिल है। 25 करोड़ रुपये की जबरन वसूली में केपी गोस्वामी, समीर वानखेड़े और सनविले डिसूजा का नाम शामिल है, जिसकी जांच सीबीआई लगातार कर रही है।

मेट्रो में स्टंट और अश्लील हरकतें करने वालों की खैर नहीं, सादे कपड़ों में 100 पुलिस वाले होंगे तैनात

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। दिल्ली मेट्रो के अंदर स्टंट और अश्लील हरकतें करने वालों पर नकेल कसने के लिए दिल्ली पुलिस अब अपने 100 से अधिक कर्मियों को सादे कपड़ों में पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर डिब्बों के अंदर तैनात करेगी। अधिकारियों ने कहा कि डीएमआरसी और सीआईएसएफ के अधिकारियों के साथ ये पुलिस कर्मी अपराधियों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई करेंगे। दरअसल, कुछ लोग मेट्रो में स्टंटबाजी, डांस और बेहद शर्मनाक अश्लील हरकतें करने लगते हैं। ऐसे अनेक वीडियो भी वायरल हो चुके हैं। कई लोग यूट्यूब के लिए या शॉर्ट फिल्म आदि के उद्देश्य से मेट्रो में वीडियो बनाने लगते हैं।

दिल्ली-एनसीआर के मौसम में अचानक बदलाव, आसमान में पसरी धूल की चादर

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। दिल्ली- एनसीआर में में पड़ रही गर्मी के बीच मंगलवार सुबह मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में धूलभरी हवाएं चली और पूरे आसमान में धूल की चादर दिखाई दी। धूल की वजह से विजिबिलिटी भी कम रही। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सुबह से धूल की चादर छाई हुई है। कल रात से ही तेज हवाएं चल रही हैं। जिसके चलते आसमान में धूल की चादर देखी जा रही है। इससे आईजीआई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी 1100 मीटर तक कम हो गई है। पिछले पांच दिनों से लोगों को भयंकर गर्मी का सामना करना पड़ा रहा था। इस दौरान कई इलाकों में ज्यादातर तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। मौसम विभाग का कहना है कि आज और कल दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। लेकिन इससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। सोमवार को अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह से ही तेज धूप से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग ने मंगलवार को हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है। हालांकि, बारिश होने के बावजूद भी दिल्ली वासियों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री व न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं, बुधवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ ही हल्की बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 42 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को नजफगढ़ इलाका सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया, जहां अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री रहा। वहीं, नरेला इलाका का अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नर्मदापुरम से भोपाल जा रही बस पलटी:25 यात्री घायल, 6 गंभीर

नर्मदापुरम, 16 मई (एजेंसियां)। नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर मंगलवार सुबह 7 बजे बस पलटने से करीब 25 यात्री घायल हो गए। 6 यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। शिवहरे ट्रैवल्स की बस पिपरिया से भोपाल जा रही थी। करणपुर गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे की वजह स्पष्ट नहीं है। किसी का कहना है कि स्टीयरिंग फेल होने से बस पलटी है, तो कोई कह रहा है कि ड्राइवर बस ड्राइव करते समय मोबाइल पर बात कर रहा था। बस मंगलवार सुबह 6.30 बजे पिपरिया से भोपाल के लिए रवाना हुई। करणपुर गांव के पास बस पलट गई। कुछ यात्री खुद बाहर निकल आए, कुछ अंदर बस में फंस गए। सोहागपुर थाना से पुलिस, राहगीर और ग्रामीणों ने घायलों को बाहर निकाला। मौके पर एसडीओपी मदन मोहन समर और थाना प्रभारी प्रवीण कुमार चौहान भी पहुंचे।

ग्रेटर नोएडा : आठवीं क्लास के 15 वर्षीय स्टूडेंट को खेलते-खेलते आया हार्ट अटैक, मौत

ग्रेटर नोएडा, 16 मई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला आठवीं कक्षा का 15 वर्षीय छात्र खेलते समय अचानक गश खाकर गिर गया। इसके बाद टीचर उसे एक निजी अस्पताल में गए, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार डॉक्टर ने मौत की वजह कार्डियक अटैक बताया है। पुलिस ने छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारीके अनुसार ग्रेटर नोएडा के जलपुरा गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में 8वीं के छात्र रोहित सिंह की हार्ड अटैक से मौत हो गई। शुरुआती पुलिस की जांच में यह निकल कर आया है कि बच्चे की मौत हृदयाघात की वजह से हुई है। मृतक छात्र रोहित सिंह की उम्र 15 वर्ष है।

मिली जानकारी के मुताबिक छात्र रोहित सिंह आठवीं क्लास में पढ़ता था। बताया जा रहा है कि जलपुरा निवासी रोहित सोमवार को स्कूल में खेलते वक्त गिरकर बेहोश हो गया था। स्कूल के टीचरों ने कुछ देर बच्चे के हाथ पैर दबाया और पानी भी पिलाया लेकिन बच्चा होश में नहीं आया, जिसके बाद परिजनों को सूचित करते हुए शिक्षकों से पास के निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्कूल की प्रधानाचार्य नूतन सक्सेना ने बताया कि स्कूल की छुट्टी के बाद गेट से कुछ दूरी पर ही छात्र रोहित गश खाकर अचानक गिर गया था। इसके तुरंत उसके पिता भालू सिंह को सूचना दी गई और उसे ओआरएस का घोल पिलाया गया। उसकी मां शारदा और अन्य परिजन भी मौके पर पहुंच गए, जबकि उसके पिता चंडीगढ़ गए हुए थे। उसके बाद छात्र को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची ईकोटेक थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अंबाह से पूर्व विधायक सत्य प्रकाश सखबार भाजपा में शामिल, बोले- कांग्रेस में ना संगठन है ना नेतृत्व

भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इससे पहले नेताओं का एक पार्टी से दूसरी पार्टी में आने-जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। मंगलवार को मुरैना के अंबाह से बीएसपी से पूर्व विधायक रहे और वर्तमान कांग्रेस नेता सत्य प्रकाश सखबार ने भाजपा की सदस्यता ली। पूर्व मुख्यमंत्री स्व। कैलाश जोशी के बेटे दीपक जोशी के कांग्रेस में शामिल होने के बाद अब भाजपा ने भी चंबल में पार्टी को बड़ा झटका दिया है। मुरैना की अंबाह विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी से विधायक रहे और वर्तमान में कांग्रेस नेता सत्य प्रकाश सखबार ने भाजपा की सदस्यता ली। भाजपा मुख्यालय में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की मौजूदगी में सत्य प्रकाश सखबार ने सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने के बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सखबार ने कहा कि कांग्रेस में ना तो नेतृत्व है ना ही संगठन है। कांग्रेस गुटबाजी में बटी हुई पार्टी है। उन्होंने कहा कि यह बात उनको पहले से पता थी, लेकिन राज्यसभा सांसद विवेक तंखा के कहने पर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

खैरी-लानाचेता मार्ग पर गहरी खाई में गिरी कार, चार की मौत

शिमला, 16 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में मंगलवार को एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे खैरी-लानाचेता मार्ग में पबौर के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में कमल राज(40), जीवन सिंह (63) व उसकी पत्नी सुमा देवी (54) निवासी गांव फग्गू दाहन (राजगढ़) व रेखा (25) निवासी थनोगा राजगढ़ शामिल हैं।

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में ड्रग्स का सेवन करने वालों पर करेंगे कार्रवाई : केरल पुलिस

कोच्चि, 16 मई (एजेंसियां)। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के प्रमुख स्टेक हॉल्डर्स द्वारा इंडस्ट्री में ड्रग्स के बढ़ते इस्तेमाल पर गहरी चिंता व्यक्त करने के बाद, केरल पुलिस ने कानून तोड़ने वालों के खिलाफ मजबूती से कार्रवाई करने का फैसला किया है। कोच्चि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री का मुख्यालय है। कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त के। सेथुरमन ने कहाः हम जानते हैं कि इंडस्ट्री में कौन लोग हैं जो इसमें हैं और समस्या यह है कि हम जाकर उन्हें हिरासत में नहीं ले सकते। यह तब किया जा सकता है जब वे इसका इस्तेमाल करते हैं या इसके कब्जे में होते हैं। आम तौर पर, उन्हें इनकी आपूर्ति उनके करीबी सहयोगियों द्वारा की जाती है। आज नहीं तो कल हम ऐसा करने वालों को कानून के कटघरे में लाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग इंडस्ट्री में मायने रखते हैं, वे सभी इस खतरे को जड़ से खत्म करने के लिए उनके साथ हैं। सेथुरमन ने कहा, इंडस्ट्री में मौजूदा दिग्गज ड्रग्स का उपयोग करके इस स्तर तक नहीं पहुंचे। हम इंडस्ट्री को साफ करेंगे और शैडो पुलिस अपना काम कर रही है और वह शूटिंग लोकेशन पर है। पिछले महीने, कुछ टॉप मलयालम फिल्म बॉडीज ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि इंडस्ट्री में ड्रग्स का इस्तेमाल काफी बढ़ा है और वे उचित जांच के लिए राज्य सरकार से संपर्क करेंगे। संस्कृति और फिल्म राज्य मंत्री साजी चेरियन ने तत्काल प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार गंभीरता से मुद्दों पर गौर करेगी और इस खतरे पर चर्चा करने के लिए फिल्म इंडस्ट्री के सभी स्टेक हॉल्डर्स को आमंत्रित कर एक सम्मेलन आयोजित करेगी।

एक करोड़ से ज्यादा की रिश्वत लेने के आरोप में आईएएस अधिकारी गिरफ्तार

दिल्ली के हरियाणा भवन में कर रहे थे सर्विस

गुरुग्राम, 16 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम से एक आईएएस अधिकारी धर्मेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारी फरीदाबाद पुलिस ने की है। अधिकारी पर आरोप है कि सोनीपत में निगम कमिश्नर रहते हुए उन्होंने रिश्वत ली थी। धर्मेंद्र सिंह पर एक करोड़ 10 लाख रुपए की रिश्वत लेने का आरोप लगा है। फरीदाबाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। गिरफ्तारी से पहले आईएएस धर्मेंद्र सिंह दिल्ली के हरियाणा भवन में नियुक्त थे।

भ्रष्टाचार के एक मामले में गुरुग्राम से ये गिरफ्तारी सोमवार को की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अधिकारी की पहचान धर्मेंद्र सिंह के रूप में हुई है, जो हरियाणा भवन, दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर के रूप में तैनात हैं। अधिकारियों ने कहा कि सिंह को एसआईटी और फरीदाबाद पुलिस के एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि सिंह ने मंजूरी के लिए अवैध रूप से एक टेंडर की राशि 55 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 87 करोड़ रुपये कर दी थी। अधिकारियों ने कहा कि इसके अलावा, जब सिंह नगर निगम, सोनीपत के आयुक्त थे, तब उन्होंने एक ठेकेदार से 1.11 करोड़ रुपये की रिश्वत ली थी।

शास्त्री पार्क इलाके में पीसीआर टीम पर हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में झगड़े की सूचना पर पहुंचे पीसीआर स्टाफ पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया और पीसीआर वैन में तोड़फोड़ की। हमले में तीन सब-इंस्पेक्टर घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर हमले में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

मुस्लिम युवकों ने शिवलिंग पर चादर चढ़ाने की कोशिश की

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दिए एसआईटी जांच के आदेश

नासिक, 16 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक स्थित त्रिंबकेश्वर मंदिर में मुस्लिम समुदाय के समूह का घुसकर शिवलिंग पर चादर चढ़ाने की कोशिश को सुरक्षा गार्ड्स ने विफल कर दिया था। वहीं, इस घटना को गंभीरता से लेते हुए डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने एसआईटी जांच के आदेश दे दिए हैं। आरोप है कि 10 से 12 की संख्या में मुस्लिम युवकों ने मंदिर में घुसने का प्रयास किया था। सिक्योरिटी गार्ड ने अंदर जाने से मना किया तो मंदिर के दूसरे दरवाजे की दीवार के ऊपर चढ़कर मंदिर के अंदर चले गए। इन्होंने त्रंबकेश्वर की भिंडी के ऊपर हरा कपड़ा चढ़ाने और फूलों की चादर चढ़ाने का प्रयास किया लेकिन सिक्योरिटी गार्ड्स ने इन्हें रोक लिया। वहीं, इस घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल पैदा हो गया है।

डिप्टी सीएम ने कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए

वहीं मामले में गृहमंत्री देवेंद्र फडवीस ने एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इस पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी स्थापित कर आईजी लेवल के अधिकारी की नियुक्ति की गई है। इस जांच को लेकर संत समाज ने देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त किया है।

हिंदू संगठनों ने घटना का कड़ा विरोध किया

देवेंद्र फडणवीस के आदेश के बाद नाशिक ग्रामीण के एसपी शाहजी उमा त्र्यंबकेश्वर मंदिर के लिए रवाना हो गए हैं। वहीं, नासिक के हिंदू संगठनों ने घटना का कड़ा विरोध किया और घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक 4 से 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

सूत्रों का दावा है कि एसआईटी न केवल इस साल की घटना की जांच करेगी बल्कि पिछले साल की घटना की भी जांच होगी जिसमें भीड़ ने मुख्य प्रवेश द्वार से त्र्यंबकेश्वर मंदिर परिसर में प्रवेश किया था।

कमलनाथ का बड़ा आरोप

शिवराज सिर्फ मुख्यमंत्री नहीं, शिलान्यास मंत्री, झूठ की मशीन हो गए हैं

सिंगरौली/भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान सिर्फ मुख्यमंत्री नहीं रह गए हैं, वह तो शिलान्यास मंत्री, घोषणा मशीन और झूठ बोलने की मशीन हो गए हैं। आखिरी पांच-सात महीनों में इन्हें बहनें, किसान और कर्मचारी याद आ रहे हैं। इन्हें लगता कि किसी भी तरह का प्रलोभन देकर जनता को गुमराह किया जाए। सिंगरौली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कमलनाथ ने कहा कि सिंगरौली में 25 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी जीत रही है। प्रदेश में 18 साल के शासन में भाजपा ने पूरे प्रदेश का सत्यानाश किया है। हमारी कृषि व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, नर्सिंग व्यवस्था और नदियों का सत्यानाश किया है। जहां देखो वहां सत्यानाश किया है। यह आज हमारे प्रदेश की तस्वीर बन गई है। सिंगरौली हमारी ऊर्जा की राजधानी मानी जाती है। जितना राजस्व सिंगरौली मध्य प्रदेश को देता है, क्या उस अनुपात में सिंगरौली के विकास के लिए राशि भाजपा के शासनकाल में दी गई? यह आज बड़ा प्रश्न है कमलनाथ ने कर्नाटक चुनावों के नतीजों को लेकर भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भाजपा ने बजरंग बली से लेकर पुलिस, पैसा, प्रशासन सबका उपयोग किया गया। मोदी जी ने ऐसे चुनाव लड़ा जैसे वह स्वयं मुख्यमंत्री बनने जा रहे हो। फिर भी नतीजा यह हुआ कि उन्हें कांग्रेस की आधी सीटें भी प्राप्त नहीं हो पाई। यह तस्वीर आज हमारे सामने है। कमलनाथ ने कहा कि भाजपा अक्सर जनता को गुमराह करने और ध्यान मोड़ने में सफल हो जाती है। उदाहरण के तौर पर 2014 में मोदी जी दो करोड़ रोजगार की बातें करते थे। किसानों की आमदनी दोगुनी करने की बात करते थे। 2019 में उन्होंने इनमें से कोई भी बात नहीं की। 2019 में बोले कि राष्ट्रवाद, पाकिस्तान सर्जिकल स्ट्राइक... अब पता नहीं 2024 में कौन-सी बात करेंगे। कमलनाथ ने स्वीकार किया कि कांग्रेस का संगठन प्रदेश में कमजोर था।

चाकू की नोंक पर करता था गलत काम, लड़कियों के अंडर गारमेंट्स लेकर भाग जाता था मनचला

इंदौर, 16 मई (एजेंसियां)। बदमाश ने मचाया बवाल,महिलाओ बच्चियो को कर रहा परेशान प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के विजय नगर में स्थित कॉलोनी से हाल ही में हैरान कर देने वाला मामला निकलकर सामने आया था, जहां एक कॉलोनी में बदमाश के आतंक से रहवासी परेशान नजर आ रहे थे। दरअसल, गर्मी के दिनों में घर के बाहर और छत पर सो रही महिलाओं और लड़कियों के साथ सिरफिरा गलत हरकत करता था और फिर अंडर गारमेंट्स लेकर भाग जाता था, लगातार इस तरह के मामले जब सामने आने लगे तो रहवासियों ने कॉलोनी के सीसीटीवी फुटेज चेक किए, जिसमें सिरफिरा नजर आया। वहीं रहवासियों ने यह सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपे, जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। महिलाओं ने पुलिस को बताया कि, सिरफिरा दीवार कूदकर घरों में घुस जाता था, जहां गर्मी के दिनों में घर के बाहर और छत पर सो रही महिलाओं का गला दबाता था, और फिर चाकू की नोंक पर अश्लील हरकत करके भाग जाता था। महिलाएं कुछ समझ पाती इससे पहले ही वह गलत हरकत करके भाग जाता था। इतना ही नहीं सिरफिरा चाकू से महिलाओं और लड़कियों के अंडर गारमेंट्स फाड़कर साथ ले जाता था। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही पुलिस अलग-अलग स्थानों पर सिरफिरे को खोजने का प्रयास कर रही थी, लेकिन सिरफिरा इतना शातिर था की वह पुलिस के पहुंचने से पहले ही भाग जाता था, आखिरकार पुलिस ने लंबी चली तलाश के बाद सिरफिरे को गिरफ्तार कर लिया है। इंदौर के स्कीम नंबर 78 में रात में घूमने वाले और दहशत फैलाने वाले बदमाश को पुलिस में सीसीटीवी कैमरे के आधार पर ट्रेस कर हिरासत में लिया है,

खालिस्तानी आतंकवादी हवारा,राजोआना, भ्योरा भुल्लर को रिहाई नहीं फांसी दी जाए: वीरेश शांडिल्य

अंबाला, 16 मई (एजेंसियां)। बब्बर खालसा आतंकवादी संगठन के प्रमुख व तथाकथित जत्थेदार जगतार सिंह हवारा, बलवंत सिंह राजोआना,देवेन्द्रपाल भुल्लर,परमजीत सिंह भ्योरा,जगतार तारा समेत अन्य आतंकियों के खिलाफ एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य के नेतृत्व में फ्रंट के सैकड़ों सदस्यों ने अम्बाला-मोहाली सीमा पर प्रदर्शन किया। आतंकवादी जगतार सिंह हवारा व बेअंत सिंह के हत्यारों सहित दिल्ली में बम ब्लास्ट करने वाले देवेन्द्रपाल भुल्लर के खिलाफ जमकर मुर्दाबाद के नारे लगाए। डा. शांडिल्य ने कहा कि इन तमाम आतंकवादियों को रिहा करने की बात कहने वालों को राष्ट्रद्रोह के केस में गिरफ्तार किया जाए। बब्बर खालसा के आतंकवादियों ने गुरु के सच्चे सिख व पंजाब को रंगला पंजाब बनाने वाले बेअंत सिंह को बम से उड़ाया था । शांडिल्य ने कहा हवारा, भ्योरा,राजोआना,तारा,भुल्लर किसी दया के हक़दार नहीं है। इनका जिन्दा रहना देश व समाज के लिए खतरा है। जो आतंकवादी मुख्यमंत्री की हत्या के बाद बुडैल जेल में 90 फूट की सुरंग खोदकर भाग सकते है, उन्हें जिन्दा रखना देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा है। आतंकवादी जगतार सिंह हवारा, आतंकवादी बलवंत सिंह राजोआना,देवेन्द्रपाल भुल्लर,परमजीत सिंह भ्योरा,जगतार तारा, जरनल शुभेग सिंह,अमरीक सिंह,इंदिरा गाँधी के कातिल आतंकवादी सतवंत सिंह व बेअंत सिंह के पुतले जलाकर खालिस्तान के खिलाफ एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने एलान-ए-जंग की घोषणा की । एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के सैंकड़ो सदस्यों ने भारतीय तिरंगे उठाये हुए थे और भारत माता के चित्र सहित भगत सिंह,राजगुरु,सुखदेव,उधम सिंह,सुभाष चन्द्र आजाद,रामप्रसाद बिस्मिल,खुदीराम बोस, मदन लाल ढींगरा के चित्रों सहित शहीद मुख्यमंत्री बेअंत सिंह, शहीद जरनल अरुण वैद्य, पंजाब के सुपरकोप केपीएस गिल के चित्र उठाए हुए थे । शांडिल्य ने कहा कि वह गृह मंत्रालय 28 अप्रैल 2023 को ज्ञापन सौंप कर आयें थे कि आतंकियों की रिहाई करने वाले कौमी इंसाफ मोर्चा को हटाया जाए और उन्हें देशद्रोह में गिरफ्तार किया जाये और सरकारी रोड से दो किलोमीटर तक कब्जा हटवाया जाएँ । उन्होंने कहा एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया जल्द पंजाब के मुख्यमंत्री एवं पंजाब के राज्यपाल को ज्ञापन देकर कौमी इंसाफ मोर्चा को उखाड़ने व मोर्चा में बैठे कट्टरपंथियों को राष्ट्रद्रोह में गिरफ्तार करने की मांग करेगी।

केरल में सुरक्षित नहीं डॉक्टर्स, वंदना दास की हत्या के बाद अब मेडिकल स्टाफ पर हुआ हमला

कोच्चि, 16 मई (एजेंसियां)। कोच्चि के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक मरीज ने स्टाफ पर हमला करने की कोशिश की। कलामसेरी पुलिस ने 24 वर्षीय आरोपी डोयल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी एडापल्ली में वट्टेकुन्नम का रहने वाला है और 15 मई की रात एक सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अपना इलाज कराने के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज आया था। अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार, अस्पताल आने के बाद से ही वह अजीब तरीके से व्यवहार कर रहा था। शख्स ने डॉक्टर के साथ मारपीट करने की कोशिश भी की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे डॉयल के एक कथित वीडियो में उन्हें डॉक्टर और अस्पताल के अन्य कर्मचारियों से बहस करते और धमकाते देखा जा सकता है। आरोपी के साथ आए कुछ लोगों ने उसे शांत करने की भी कोशिश की, लेकिन वह स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करता रहा। बाद में उस व्यक्ति को अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा और कलामसेरी पुलिस को सूचित किया। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद भी आरोपी डॉक्टर को धमकाते हुए नजर आ रहा है और कह रहा है कि उसे सबका चेहरा अच्छे से याद है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी पर भारतीय दंड संहिता और अस्पताल सुरक्षा कानून की विभिन्न धाराएं लगाई गई

हैं। अधिकारी ने कहा, 'उनकी गिरफ्तारी आईपीसी की धारा 332, 294 (बी) (अपमानजनक शब्दों का उपयोग करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के अलावा अस्पताल सुरक्षा अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज की गई है। उसे आज अदालत में पेश किया जाएगा।' यह घटना कोल्लम जिले के एक अस्पताल में एक महिला डॉक्टर की एक मरीज द्वारा बेरहमी से चाकू मारकर हत्या करने के कुछ दिनों बाद हुई है। कोट्टायम जिले के कडुथुरुथी क्षेत्र की मूल निवासी और अजीजिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हाउस सर्जन डॉ। वंदना दास अपने ट्रेनिंग के दौरान कोट्टारक्कारा तालुक अस्पताल में काम कर रही थीं। उसी दौरान एक मरीज ने उन पर कई बार चाकू से हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। हमले के कुछ दिनों बाद, राज्य भर के विभिन्न अस्पतालों में स्वास्थ्य पेशेवरों, ट्रेनर, छात्रों और हाउस सर्जनों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किए थे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 17 मई- 2023

रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

अब तक तो भारत रक्षा उपकरणों, प्रणालियों और पुर्जों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर था लेकिन अब आयात को विराम लगाते हुए घरेलू स्तर पर बनी वस्तुओं की खरीद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने चौथी सूची जारी की है, जिसमें नौ सौ अट्ठाईस उप-प्रणालियों और पुर्जों को चिह्नित किया गया है। इस तरह ढाई हजार वस्तुओं की खरीद अब घरेलू स्तर पर ही करने का संकल्प लिया गया है। सबसे खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर पुर्जों और उप-प्रणालियों का निर्माण घरेलू स्तर पर ही किया जा रहा है। इसके साथ ही आने वाले कुछ वर्षों में करीब बारह सौ वस्तुओं को निर्मित और विकसित करने की योजना बनाई गई है। भारत आयुध सामग्री का बड़ा आयातक देश है, इस तरह उसे अपने बजट का काफी बड़ा हिस्सा रक्षा उपकरणों, प्रणालियों आदि को खरीदने पर खर्च करना पड़ता है। हालात ऐसे हो गए हैं कि छोटे-छोटे पुर्जों के लिए भी दूसरे देशों का मुंह ताकना पड़ता है। ऐसे में अगर उनका निर्माण और उनकी खरीद घरेलू स्तर पर ही की जाती है, तो सोचा जा सकता है कि इसके कितने लाभ होने वाले हैं। सबसे खास बात तो यह है कि रक्षा सौदों में बिचौलियों पर निर्भरता खत्म हो जाएगी और विदेशी मुद्रा की बचत होगी अलग से। जैसे-जैसे आयात घटेगा वैसे-वैसे व्यापारिक घाटे का अंतर भी काफी कम होता जाएगा। पिछले साल थोड़े वक्त के लिए ही कुछ वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने से व्यापारिक घाटा पाटने में काफी मदद मिली थी। सबसे अहम बात कि केंद्र सरकार ने रक्षा उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भर बनने की घोषणा कई साल पहले कर दी थी, जो अब जाकर फलीभूत हो रहा है। रक्षा सामग्री के निर्माण में आत्मनिर्भर बनने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ को सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसका सकारात्मक सुफल अब दिखने लगा है। अपने यहां के बने लडाकू विमान विदेशी लड़ाकू विमानों से किसी भी मायने में कम नहीं हैं। देखा जाए तो प्रतिस्पर्धा में तो अपने विमान बीस ही पड रहे हैं। इसी तरह उपकरणों और रक्षा प्रणालियों के मामले में भी गति आई है। जाहिर है इससे दूसरे देशों से महंगे दामों पर रक्षा उपकरणों की खरीद की बाध्यता काफी हद तक कम हुई है। हालांकि आज जिस तरह रक्षा उपकरणों में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है, उसमें रूस, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका जैसे देशों से रक्षा सामग्री की खरीद के लिए निर्भर रहना पड़ता है। अब जैसे-जैसे हमारे यहां ऐसे लड़ाकू विमानों और रक्षा उपकरणों का निर्माण बढ़ेगा, वैसे-वैसे न सिर्फ दूसरे देशों पर निर्भरता कम होगी, बल्कि भारत भी रक्षा सामग्री का बड़ा निर्यातक देश बन सकेगा। कुछ देश तो अभी से भारतीय लड़ाकू विमानों और कुछ रक्षा उपकरणों की खरीद में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। देखा जाए तो घरेलू स्तर पर बनने वाले पुर्जों और रक्षा प्रणालियों को इससे काफी बल मिल रहा है। अब तो वह जमाना लद गया जब छोटे-छोटे पुर्जों के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था। ऐसे में पुर्जों ने न आने तक खराब उपकरण बेकार पड़े रहते थे। खुशी की बात है कि अब उनकी मरम्मत के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हालांकि रक्षा उपकरणों का उत्पादन और खरीद संवेदनशील मामला होता है। इसकी तकनीक और प्रणालियां गोपनीय ढंग से ही बनाई जाती हैं, इसलिए दूसरी वस्तुओं की तरह इसके उत्पादन का रास्ता नहीं खोला जा सकता। फिर कई बार रक्षा उपकरणों की तकनीक दुश्मन देश को बेचने की शिकायतें भी आती हैं, इसलिए डीआरडीओ की सुरक्षा को भी चाकचौबंद रखना एक बड़ी चुनौती है। मगर घरेलू स्तर पर जिन छोटे कल-पुर्जों और उप-प्रणालियों को प्रोत्साहन देने का संकल्प लिया गया है, उसमें इस तरह का खतरा नहीं होता। उनमें से बहुत सारी चीजें पहले से हमारे यहां बन रही हैं। अब सेना के लिए उनकी खरीद को मंजूरी मिल जाने से निस्संदेह उनके उत्पाद में न केवल वृद्धि होगी, बल्कि उनकी तकनीक भी उन्नत होती जाएगी। इसके साथ ही देश के युवाओं को बडे स्तर पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकेंगे।

कर्नाटक के चुनाव परिणामों पर छलक उठा दर्द

जब जब भाजपा पार्टी पर मुसीबत दिखाई देती हैं, पार्टी का कर्मठ कार्यकर्ता अपनी जान की बाज़ी लगाकर पार्टी को संकट से उबारने में जुट जाता है। लेकिन जब कार्यकर्ताओं पर कोई तकलीफ़ आन दिखाई देती है तब भाजपा का शीर्ष नेतृत्व आनन फ़ानन में अपना पल्ला झाड़कर अलग खड़ा दिखाई देता है।

चाहे शनूपुर शर्मा हो या तेलंगाना से भाजपा के विधायक राजा सिंह, कर्नाटक में भाजपा को सत्तासीन करने वाले येदियुरप्पा हों या भाजपा के आर्थिक सहयोगी बेल्लारी के खनन व्यापारी जनार्दन रेड्डी, पार्टी के लिए अपना पराया कोई नही। शीर्ष नेतृत्व को अपने कार्यकर्ताओं कि मुसीबत के समय पड़नेवाली आवश्यकताओं से ज़्यादा अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि की फ़िक्र सताने लगती है। मैं अपनी यौवनावस्था से यानि लगभग ५४ वर्षों से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, जनसंघ, हिन्दू रक्षा समिति, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, और आज की भाजपा के माध्यम से सनातन का ध्वज बुलंद करने में तन मन धन से जुटा हुआ हूं। 1992 में अयोध्या में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा आह्वानित कारसेवा में मैंने संयुक्त आन्ध्रप्रदेश से विहिप के सम्पर्क प्रमुख होने के नाते भाग्यनगर से जाने वाले 734 कारसेवकों के साथ वाहिनी प्रमुख की हैसियत से भाग लिया।

38 वर्षीय उम्र व पत्नी रहित जीवन में दो मासूम बच्चों को छोड़कर माता पिता की वरिष्ठ संतान उनकी नम आँखों के बावजूद अयोध्या में 6 दिसम्बर 1992 को आत्म बलिदानी जत्थे का नेतृत्व करते हुए नापाक बाबरी ढाँचे को ध्वस्त करने हेतु गुम्बद पर चढ़कर तोड़नेवाले 6-7 प्रथम कारसेवकों में शामिल होकर मैं गर्व महसूस कर रहा था।

भाग्यनगर लौटने के पश्चात निश्चित ही मैं मलेच्छों के निशाने पर था और परिणामस्वरूप मुझ पर जानलेवा हमला हुआ भी, परमात्मा कि कृपा से मेरी जान तो बच गई लेकिन बहुत दुख के साथ लिख रहा हूँ कि 15 दिन अस्पताल में इलाज के दौरान मेरी कुशलक्षेम जानने के लिए आनेवाले सैकड़ों लोगों में मेरे परिजनों, रिश्तेदारों व सामाजिक मित्रों के सिवाय, विश्व हिन्दू परिषद की ओर से कोई भी पदाधिकारी न तो अस्पताल आया और ना ही मुझ पर हुए क़ातिलाना हमले के विरोध में पुलिस अधिकारियों के समक्ष कोई शिकायत पत्र दिया।

मैंने अपना केस स्वयं लड़ा और इस्लामिक कट्टरपंथियों को प्राप्त मज़बूत सियासी समर्थन के कारण मै दोषियों को सजा दिला पाने में विफल रहा।

बहुत से दर्द सीने में दफ़न हैं, किस किस कि बात कहें कितनी बातें कहें और किससे कहें, 70 वर्ष की उम्र हो गई है लेकिन आज भी हिन्दू हित के लिए सदैव तत्पर रहता हूँ।

उपरोक्त कथानक में मेरी किसी से कोई शिकायत नहीं है बल्कि कर्नाटक में हुईं शर्मनाक हार पर छलक उठी भावनाओं के अश्क़ हैं।

-रमेश कुमार अग्रवाल

क्या आदिवासी समाज भाजपा से नाराज है?

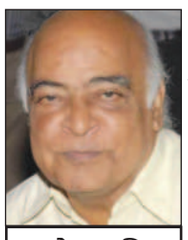

अशोक भाटिया

क्या आदिवासी समाज भारतीय जनता पार्टी से नाराज है? यह सवाल कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों को देख कर उत्पन्न होता है । कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा ने एक युवा आदिवासी नेता को इस समुदाय में जड़ें जमाने की कोशिश में खूब प्रचार-प्रसारित किया था। पार्टी के पोस्टरों से लेकर उन्हें सत्ता में वापसी आने पर उपमुख्यमंत्री बनाने की कवायद की गई थी। 46 वर्षीय आदिवासी नेता सांसद बी श्रीरामुलु को एक प्रयोग के तौर पर भाजपा ने चुनावी मंच में इस्तेमाल किया। लेकिन चुनाव के नतीजे बताते है कि आदिवासी समुदाय का वोट भाजपा के पक्ष में दिखाई नहीं दिया। लेकिन सत्ता में वापसी न आने पर श्रीरामुलु के लिए बनी भाजपा की बड़ी प्लानिंग फैल हो गई। आपको बता दें कर्नाटक में आदिवासी समुदाय का वोट बैंक करीब 35 सीटों पर असर डालता है। जिसमें से 15 सीटों खुद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित है। भाजपा इस बार एसटी वर्ग के लिए आरक्षित 15 सीटों में से एक भी सीट नहीं जीती। 14 पर कांग्रेस और 1 पर जेडीएस ने जीत हासिल की है। इस नतीजे से ये आसानी से कहा जा सकता है कि आदिवासी वोट बैंक भाजपा ने नाराज है। कर्नाटक के चुनावी नतीजों पर गौर करें तो पता चलता है कि राज्य में एसटी और एससी समुदाय ने भाजपा को ठुकरा कर कांग्रेस के हाथ का साथ दिया है। विशेष तौर आदिवासी सीटों पर कांग्रेस की लहर चली है। भाजपा ने आदिवासी वोट को अपने पाले में करने के लिए पिछले साल अक्टूबर में एसटी आरक्षण को 3 फीसदी से 7 फीसदी बढ़ोतरी करने की घोषणा की थी। लोग राजनीतिक दलों की इस चालाकी को अब समझने लगे हैं कि कोटा बढ़ाने की घोषणा तो पार्टियां कर देती है। लेकिन मामला कोर्ट में जाकर अटक जाता है। वैसे कर्नाटक का असर इस साल के अंत में होने वाले 5 राज्यों में भी देखने को मिल सकता है। इनमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना, और मेघालय है। इनमें तीन प्रमुख राज्य मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में तो आदिवासी समुदाय सत्ता तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाता है। सबसे पहले आज बात करते है छत्तीसगढ़ की । सबसे पहले यहाँ इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं । इस चुनाव को लेकर भाजपा कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दल अभी से ही तैयारियों में जुट गई है। खासकर आदिवासी सीटों में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी के नेता ज्यादा फोकस कर रहे है। दरअसल आदिवासी समाज के द्वारा बस्तर संभाग के 11 विधानसभा सीटों में चुनाव लड़ने की सुगबुगाहट को देखते हुए आदिवासी वोटरों को भाजपा कांग्रेस अभी से रिझाने में जुट गई है। हाल ही में हुए भानुप्रतापपुर उपचुनाव में सर्व आदिवासी समाज के प्रत्याशी अकबर कोर्राम को 23 हजार वोट मिले के बाद। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों को आदिवासी क्षेत्रों में वोटरों को साधना हैं। इधर बस्तर के राजनीतिककारो का मानना है कि सर्व आदिवासी समाज अगर इस विधानसभा चुनाव में पूरे दमखम के साथ लड़ता है तो बस्तर में कांग्रेस और भाजपा को काफी नुकसान पहुंचेगा। वही 11 सीटों में से कुछ सीटों में आदिवासी समाज के प्रत्याशियों के जीतने की भी गुंजाइश है। दरअसल छत्तीसगढ़ में दिसंबर माह में चुनाव होने हैं। नए साल के आगमन के साथ ही छत्तीसगढ़ में नई सरकार बन जाएगी। लेकिन इससे पहले चुनाव के लिए बचे 7 महीने भाजपा कांग्रेस के लिए काफी चुनौतीपूर्ण साबित हो रही है। क्योंकि बस्तर के 12 विधानसभा सीटों में से 11 विधानसभा सीट एसटी के लिए आरक्षित है। 11 सीटों में अब आदिवासी समाज भी चुनाव लड़ने में अपनी रुचि दिखा रहा है। भानुप्रतापपुर उपचुनाव में सर्व आदिवासी समाज ने अपना प्रत्याशी खड़े किया और इस प्रत्याशी को 23 हजार वोट मिले। इसके बाद सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने विधानसभा चुनाव में भी अपने प्रत्याशी खड़ा करने की घोषणा की है। हालांकि बस्तर में आदिवासी समाज भी दो गुटों में बटा हुआ है। समाज के एक गुट के पदाधिकारियों का कहना है कि आदिवासी समाज आने वाले चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़ा नहीं करेगा। क्योंकि समाज के लोगों का काम राजनीति करना नहीं बल्कि समाज के हितों के लिए काम करना है। वही समाज के ही दूसरे गुटों के पदाधिकारियों का कहना है कि बस्तर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है और यहां सर्व आदिवासी समाज हमेशा से ही भाजपा और कांग्रेस को वोट देते आ रहा है। लेकिन विकास के नाम पर आदिवासियों के साथ छलावा किया गया है, ऐसे में चुनाव में आदिवासी समाज बस्तर के 11 विधानसभा सीटों में साथ ही प्रदेश के अन्य आदिवासी सीटों में भी अपने प्रत्याशी खड़ा कर सकता हैं, हालांकि अंतिम निर्णय चुनाव से पहले समाज के लोगो की बैठक के बाद ही लिया जाना है। गौरतलब है कि पिछले 4 विधानसभा चुनाव में बस्तर के 11 विधानसभा सीटों के आदिवासी वोटर बीजेपी, कांग्रेस को वोट देते आ रहे हैं। आदिवासी मतदाताओं को लुभाने के लिए कांग्रेस और भाजपा ने भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। बावजूद इसके इस चुनाव में यह कहना मुश्किल है कि आदिवासी मतदाता किसके साथ है। 2018 विधानसभा चुनाव के मुताबिक छत्तीसगढ़ के 29 आदिवासी सीटों में से 25 सीटें कांग्रेस को मिली थी जो साल 2019 में दंतेवाड़ा और मरवाही उपचुनाव के बाद साल 2020 तक बढ़कर 27 हो गई। इनके अलावा दो आदिवासी विधायक कांग्रेस के पास ऐसे हैं जो सामान्य सीटों से जीते हैं। ऐसे में अगर देखा जाए तो कांग्रेस आदिवासी विधायकों के मामले में ज्यादा ताकतवर है।

वही बस्तर के सांसद दीपक बैज का कहना है कि कांग्रेस की सरकार आदिवासियों की सरकार है। बस्तर हो या सरगुजा। आदिवासियों के हित के लिए कांग्रेस ने साढ़े 4 साल के कार्यकाल में काफी विकास किया है। आदिवासियों को रोजगार उपलब्ध करने के साथ उनके उत्थान के लिए हर संभव प्रयास किया गया है, साथ ही आदिवासियों का विकास भी कांग्रेस सरकार ने किया है। ऐसे में आदिवासी कांग्रेस के पक्ष में ही वोट करेंगे और वही अगर कुछ आदिवासी समाज के पदाधिकारी पार्टी से नाराज भी है तो उन्हें मना लिया जाएगा, क्योंकि आदिवासी समाज हमेशा से ही कांग्रेस पर भरोसा करते आई है। ऐसे में इस बार भी बस्तर के एक सामान्य सीट के साथ पूरे 11 आदिवासी सीटों में दोबारा कांग्रेस के प्रत्याशियों की ही जीत होगी। एक तरफ जहां कांग्रेस के नेता बस्तर के आदिवासी वोटर्स कांग्रेस के पक्ष में ही वोट करने का दावा कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ भाजपा भी इस साल के चुनाव में बस्तर संभाग के पूरे के पूरे 12 सीटों में अपने जीत के लिए आश्वस्त होने की बात कह रही है। भाजपा के प्रवक्ता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री केदार कश्यप का कहना है कि बस्तर के आदिवासी हमेशा से ही भाजपा के साथ हैं। हालांकि पिछले चुनाव में जरूर आदिवासियों ने कांग्रेस को मौका दिया। लेकिन साढ़े4 साल के कार्यकाल में अब तक कांग्रेस ने आदिवासियों के हितों के और उनके विकास के लिए ऐसा कोई भी कार्य नहीं किया है जिससे कांग्रेस पर दोबारा विश्वास बढ़े। छलावा और धोखा करने से आदिवासी वर्ग कांग्रेस से पूरी तरह से नाराज चल रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में कुछ लोग ऐसे हैं जो समाज के लोगों को भाजपा के प्रति भड़काने का काम कर रहे है । उन्हें चुनाव लड़ने के लिए उकसा रहे हैं। लेकिन सर्व आदिवासी समाज से लेकर बस्तर के पूरे आदिवासी समाज भाजपा के ही वोटर्स हैं। ऐसे में भाजपा के पदाधिकारियों से अगर कुछ समाज के लोग नाराज भी होंगे तो उन्हें मना लिया जाएगा। फिलहाल सर्व आदिवासी समाज के द्वारा अपने प्रत्याशी उतारने का ऐसा कोई भी विचार नहीं है। भाजपा आदिवासियों के हक और उनकी लड़ाई के लिए उनके साथ खड़ी है। इस वजह से आने वाले चुनाव में भाजपा को बस्तर के 11 विधानसभा सीटों के साथ सरगुजा में भी जीत मिलेगा। बहरहाल बीजेपी-कांग्रेस दोनों ही पार्टी आदिवासी वोटर्स को अपने वोटर्स बता रही है। लेकिन बस्तर के वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिकारों का मानना है कि इस साल के विधानसभा चुनाव में भाजपा कांग्रेस के साथ आदिवासी समाज भी दमखम के साथ चुनाव लड़ सकती है। ऐसे में बस्तर के 11 विधानसभा सीटों में त्रिकोणीय मुकाबला हो सकता है।

द केरला स्टोरी की तरह झूठ नहीं

संजय रोकड़े

पांच साल के बीच गुजरात से 40 हजार से अधिक महिलाएं हुई हैं गायब

भारत में पिछले कुछ सालों से सियासतदान लोगों के दिलों दिमाग में एक अलग तरह का मानस गढ़े जा रहे है। हिंदू, हिंदुत्व और धर्म की आड़ में इंसान और इंसान के बीच जिस तरह का जहर फैलाया जा रहा है वह न केवल चिंतनीय और निंदनीय है बल्कि आने वाले समय के लिए भी खतरनाक है। नफरत की इस सियासत के चलते धर्म और जाति के नाम पर अनेक बेगुनाह बेटे असमय मारे जा रहे है। नफरत की बयार बहाने वालों का आलम ये है कि वे हिंदू-मुस्लिम का फसाद पैदा कर मनगढंत बातें करते रहते है। हाल ही में द केरला स्टोरी फिल्म आई है। सच्ची कहानी पर आधारित होने का दावा करने वाली इस फिल्म का जब केरल में विरोध होने लगा और जगह- जगह इसके खिलाफ प्रदर्शन होने लगे तो पता चला कि इस फिल्म में सच की जगह समाज में जहर फैलाने का काम किया गया है। काबिलेगौर हो कि इस विवादास्पद फिल्म 'द केरला स्टोरी' में दावा किया गया था कि केरल की 32 हजार महिलाओं का धर्म परिवर्तित हुआ है और वे आईएसआईएस में शामिल हो गई थी। लेकिन जब केरल में विवाद बढ़ते दिखा तो निर्माताओं ने इस दावे को हटाने की बात कह कर इतिश्री कर ली। हद तो तब हो गई कि जब एक धर्म निरपेक्ष देश के प्रधानमंत्री ने कर्नाटक की चुनावी रैली में इस फिल्म का पक्ष लेकर झुठ फैलाने वालों को संबल प्रदान कर दिया। देश के निजाम ने इस फिल्म के बारे में कह दिया कि 'द केरला स्टोरी' में आतंकवाद का 'बदसूरत सच' है। बेशक केरल राज्य की महिलाओं के कथित तौर पर इस्लाम में परिवर्तित होने और तथाकथित 'आईएसआईएस ब्राइड्स' (आईएस आतंकियों की दुल्हन) बनने के कुछ मामले सामने आए तो हैं लेकिन फिल्म में ऐसी 32 हजार महिलाओं के मातहत होने का जो दावा किया गया है वह संदेह के घेरे में साफ नजर आता है। फिल्म में इस बात पर भी खासा जोर दिया गया कि केरल से 50 हजार महिलाएं लापता हो गई है और यह राज्य आतंकवादी गतिविधियों के केन्द्र के रूप में स्थापित होते जा रहा है। हालाकि केरल में सत्तारूढ़ माकपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने मिलकर जब इस फिल्म में दिखाए गए झुठ के साथ ही फिल्म निर्माताओं पर आरएसएस-भाजपा को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया तब कहीं जाकर फिल्म के टीजर में जारी किए गए आंकड़ों में बदलाव करने की बात कही गई। इस बदलाव के संबंध में फिल्म निर्माता के वकील ने केरल हाईकोर्ट को बताया कि, 'फिल्म का टीजर, जिसमें दावा किया गया था कि केरल की 32 हजार से अधिक महिलाओं को आईएसआईएस में भर्ती किया गया था, को उनके सोशल मीडिया एकाउंट से हटा दिया जाएगा।' असल में इस तरह की एजेंड़ाबाज फिल्मों को बनाने का उदेश्य ही यह होता है कि सत्तारूढ़ों की विचारधारा को प्रमोट कर अपना व्यसाय दिन दुना रात चौगाना फैलाएं। हाल के कुछ सालों में फिल्मी इंडस्ट्रीज में ऐसे अनेक नफरती चिंटू पैदा हो गए है जो समाज में जहर फैलाने वाली झुठी फिल्में बना के अपना अल्लू सीधा कर रहे है। ये चिंटू किसी समुदाय विशेष को बदनाम करके सत्ता के साथ भाव रखने वालों की भावनाओं को दूसरे समुदाय के प्रति भडकाते रहते है। हालाकि, माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सख्त हिदायत दी है कि समाज में नफरत फैलाने वालों को बख्शा नही जाएगा बावजूद इसके इस तरह का खेल खुलेआम चल रहा है और शासन-प्रशासन के लोग हाथ पर हाथ धरे बैठे है। हम घड़ी भर 'द केरला स्टोरी' फिल्म की कहानी को ही लेते है। इस फिल्म में इसके निर्माता और निदेशक ने साफ-साफ यह बताने की गैर वाजीब हिमाकत की है कि केरल राज्य इस्लामी आतंकवाद के केंद्र के रूप में उभर रहा है। 'द केरला स्टोरी' बनाने वालों ने एक पल ठहर कर ये क्यूं नही सोचा कि आखिर राष्ट्रवादी लोगों के सत्तानशी होने के बाद भी केरल में इस तरह की गतिविधियां बढ़ी तो बढ़ी कैसी। हालाकि हम फिल्म बनाने वालों की बात मान भी ले कि केरल से बहन बेटियां बड़ी तादात में लापता हुई है, पर जब ये लापता हो रही थी तब केन्द्र सरकार और तमाम शासकीय मशीनरी आंख मूंद कर सोती क्यूं रही। क्यूं केरल सरकार को इस बात के लिए कटघरे में खड़ा नही किया गया कि आखिर कैसे इतनी बड़ी संख्या में बहन-बेटियां गायब हो रही है। असल बात तो ये है कि वहां इतनी बड़ी संख्या में बहन-बेटियां किसी के चंगुल में फंसी ही नही थी।

ये एजेंड़ा तो केवल इसलिए गढ़ा गया कि राज्य में मलयाली समुदाय का सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण कर किसी दल विशेष की जमीन तैयार की जा सके। खैर, जब तक इस देश में तथाकथित राष्ट्रवादियों की सरकार रहेगीतब तक ये सब तो होना ही है। आपको ये भी बता दूं कि 'द केरला स्टोरी' फिल्म को जिस इंसान ने प्रोड्यूस की है उसका नाम विपुल अमृतलाल शाह है। ये खासतौर से ध्यान रखने वाली बात है। हालाकि बात यहीं खत्म नही हो जाती है। अब यहां सवाल तो ये उठता है कि आखिर एजेंड़ाबाजों को रतौंधी का रोग क्यूं लग जाता है जब भारत सरकार के ही अधीन आने वाला राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो आंकडें जारी करके यह बताता है कि गुजरात में पिछले पांच साल के अंतराल में 40 हजार से ज्यादा महिलाएं लापता हुई है। संयोग से गुजरात सरकार द्वारा 2021 में विधानसभा में दिए गए एक बयान के अनुसार, अहमदाबाद और वडोदरा में केवल एक वर्ष (2019-20) में ही 4,722 महिलाएं लापता हो गई थी। काबिलेगौर हो कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में 2016 में 7,105, 2017 में 7,712, 2018 में 9,246 और 2019 में 9,268 महिलाएं लापता हुई हैं। साल 2020 में 8,290 महिलाओं के लापता होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद कुल संख्या 41,621 तक बढ़ जाती है। यहां सबको यह बताना भी लाजिमी हो जाता है कि गुजरात प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का गृह राज्य है। सनद रहे कि एक अंग्रेजी दैनिक अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट में पूर्व आईपीएस अधिकारी और गुजरात राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य सुधीर सिन्हा ने कहा था कि, कुछ लापता व्यक्तियों के मामलों में मैंने देखा है कि लड़कियों और महिलाओं को कभी-कभी गुजरात के अलावा अन्य राज्यों में भेजा जाता है और वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया जाता है। इसके साथ ही उनने यह भी कहा कि, 'पुलिस की समस्या यह है कि वह गुमशुदगी के मामलों को गंभीरता से लेती ही नही है।

जबकि ऐसे मामले हत्या से भी गंभीर होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जब कोई बच्चा लापता हो जाता है, तो माता-पिता अपने बच्चे के लिए सालों तक इंतजार करते हैं। वे कहते है कि सच तो यह है कि गुमशुदगी के मामलों की हत्या के मामले की तरह ही सख्ती से जांच की जानी चाहिए लेकिन ऐसा होता नही है।

राष्ट्र चिंतन,अधिकारों की चाहत नहीं, उत्तरदायित्व फिक्र होनी चाहिए

संजीव ठाकुर

वर्तमान के इस दौर में जब देश में लोकतंत्र अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में है वहां समाज का हर नागरिक अपने लिए अधिक से अधिक अधिकारों की इच्छा रखता है ताकि पूरी स्वतंत्रता का उपभोग कर सके। इसी के फलस्वरूप हर रोज अधिकारों की बढ़ती मांग और कर्तव्य की अवहेलना से समाज वातावरण में असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वॉलटेयर जी ने इस संदर्भ में ठीक ही कहा है कि अधिकार बढ़ने के साथ-साथ समानुपातिक रूप से उत्तरदायित्व भी धीरे-धीरे बढ़ जाता है हमें अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों का भी ज्ञान बोध होना जरूरी है। आपको ऐसा नहीं लगता है कि अधिकार तथा उत्तरदायित्व समानुपातिक है और समाज में हर व्यक्ति समुदाय के साथ संग संग चलते हैं। ऐसा कुछ है कि स्वतंत्रता और खुलेपन के संग उत्तरदायित्व जी जीवन की यात्रा में सहयात्री है। स्वतंत्रता या खुलेपन का अतिक्रमण किसी व्यक्ति के दायित्वों का हनन है हम जहां जिस ग्राम नगर अथवा देश में रहते हैं वहां पर यह सुनिश्चित है कि अधिकार एवं जिम्मेदारी हमारे साथ साथ विचरण करते दिखाई देते हैं। भारतीय संविधान में अधिकारों की मीमांसा करते हुए यह मूल रूप से माना गया है कि यहां देश में मूल अधिकारों को महत्व इसीलिए दिया जाता है की भारतीय जनमानस का बड़ा प्रतिशत अशिक्षित है अतः संविधान अशिक्षित व्यक्तियों के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता और समानता प्रदाय कर सके ताकि फिर कोई समाज या राज्य उसका हनन न कर सके, दूसरी तरफ यदि कर्तव्य की बात करें तो सदैव यह हिदायत दी जाती रही है कि भारत की जनता अधिक मात्रा में अशिक्षित हैं अतः उन्हें अपने दायित्वों का ज्ञान तथा अनुभूति नहीं होगी और दायित्व और कर्तव्यों के बीच बड़ी लक्ष्मण रेखा खिच गई है। व्यक्ति और समाज जैसे जैसे विकसित होता गया है और आधुनिकता के इस दौर में नागरिकों की अधिकारों की मांग बढ़ती जा रही है। हमें अधिकार धीरे-धीरे मिल भी रहे जिस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार की श्रृंखला में रखकर नागरिकों की स्वतंत्रता को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। अब ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम अपनी निजता के अधिकार को अपने पास रखते हुए दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को नुकसान ना पहुंचाएं या उसकी स्वतंत्रता पर अतिक्रमण न करें, जिससे जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध संग संग चलते रहे और सामाजिक परिवेश का कर्तव्य तथा अधिकार के बोध में सामंजस्य बना रहे। हम अपने व्यक्तिगत हित के कारण यह तथ्य विस्मित कर देते हैं कि हम एक लोकतांत्रिक राज्य के नागरिक हैं और हमें लोक कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप देना है जिससे कि राष्ट्र का विकास संभावित है। हम अपने आधुनिकता के चलते अपने दायित्व और मूल्यों के प्रति असावधान होते जा रहे हैं भारतीय समाज में बदलते समय के साथ नागरिक नैतिक मूल्यों की परवाह किए बगैर अपनी स्वच्छंदता एवं शक्ति के बल पर मनमानी तथा भ्रष्टाचार निरंकुशता को सर्वोपरि बनाने में लगे हुए है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत देश के आम नागरिकों के द्वारा राजनीतिक पार्टियों के जनप्रतिनिधियों को विधिवत चुनकर संसद तथा विधान भवन भेजती है ताकि राज्य और देश का कल्याण हो सके किंतु अपने अधिकारों के प्रति उत्साहित यह राजनेता अपने मूलभूत कर्तव्य को भूलकर जनता का शोषण करने में लीन हो गए हैं और अधिकार संपन्न होकर निरंकुशता की श्रेणी में आकर बैठ गए हैं। इन जनप्रतिनिधियों ने अपने अधिकार तथा उत्तरदायित्व में तालमेल न बिठा कर शासन की व्यवस्था को बिगाड़ कर रखा है। अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने लिखा है कि जिस देश की आम जनता झोपड़पट्टी में रह रही हो उस देश के शासक प्रशासक को महलों में रहने का कोई अधिकार नहीं बनता है। यह बात उन्होंने बहुत पहले कही थी पर यह आज भी अत्यंत प्रासंगिक तथा समीचीन है। वर्तमान में देश में यह बात तो एकदम स्पष्ट है कि हमें अपने अधिकारों को तब भली-भांति ज्ञान व बोध है किंतु उत्तरदायित्व के प्रति हम जानबूझकर अनजान बने हुए हैं यह देश के विकास के लिए उचित नहीं है इससे देश के विकास में बाधा होती है। अधिकारों तथा उत्तरदायित्व के संदर्भ में कई समितियों ने बड़ी ही नकारात्मक अनुशंसा प्रस्तुत की है जिसमें इस बात का हवाला है कि राजनीति तथा प्रशासन में सब तरफ लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद फैला हुआ है क्योंकि हमारे राजनेता शासक प्रशासक अपने अधिकारों का तो समुचित प्रयोग करते हैं किंतु उत्तरदायित्व के मामले में अपने आप को अनभिज्ञ बताते हुए जनता के सामने हाथ खड़े करके निरीह बने रहते हैं।

नया रिश्ता

मोनिका राज

दोनों के घरवालों ने आपसी बातचीत के बाद सहमति से लडके और लड़की को आपस में बात करने को कहा ताकि भविष्य को लेकर दोनों अपनी बात रख सके। दोनों के बीच औपचारिक बात के बाद जब काम की बात निकली तो स्वराज ने अपनी नौकरी और जिम्मेदारियों और भविष्य को लेकर बात रखी। लेकिन त्रिशा उसकी बातों से बेखबर इस उधेड़बुन में लगी थी कि अपनी नौकरी के बाबत बात करूँ या न करूँ। जब स्वराज ने उससे उसकी राय मांगी तो वह हड़बड़ा उठी। स्वराज एक बेहद समझदार और सुलझा हुआ इंसान था। उसने अपनी माँ और बुआ जी से त्रिशा के बारे में बहुत-कुछ सुन रखा था और मन-ही-मन उसे पसंद कर चुका था। त्रिशा की मनःस्थिति को भांपते हुए उसने बात आगे बढ़ाते हुए बोला, सर्वप्रथम तो आपको प्रमोशन मिलने की बधाई! मैं हमेशा से एक ऐसे जीवनसाथी की कल्पना करता था जो हर मामले में बेहतर हो और ज़िंदगी के हर मोड़ पर कंधे-से-कंधा मिलाकर मेरे साथ चल सके। अगर आपको मैं पसंद आ गया तो जीवन-संगिनी के रूप में आपको पाकर मैं धन्य महसूस करूंगा। त्रिशा ने यह सुनकर राहत की सांस ली। स्वराज की बातों को सुन संशय के सभी बादल छंट गए। अब उसने भी बिना हिचक के अपनी नौकरी और भविष्य को लेकर अपनी योजना पर बात की। बात ख़त्म करने के बाद दोनों वापस हॉल में पहुचे।

घरवालों ने इशारों में निर्णय पूछा तो स्वराज ने मुस्कुराते हुए हाँ में सर हिलाया और त्रिशा शर्माकर अपनी माँ के गले लग गई। मिठास भरे इस नए रिश्ते की शुरुआत होने पर घरवाले खुशी-खुशी मिठाई खिलाकर एक-दूसरे को बधाई देने लगे।

शुक्र के गोचर से बन रहा है खतरनाक अशुभ योग

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जल्द ही दैत्यों के गुरु शुक्र राशि परिवर्तन करने वाले हैं। शुक्र 30 मई 2023 को कर्क राशि में प्रवेश कर जाएंगे, जहां पर 7 जुलाई तक रहेंगे। शुक्र के इस गोचर से एक अशुभ योग का निर्माण हो रहा है। माना जा रहा है कि इस योग के बनने से जातकों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, शुक्र के चंद्रमा की राशि में जाने से 'कारको भाव नाशाय' नाम का अशुभ योग बन रहा है। जानिए किन राशियों को रहना होगा सतर्क।

क्या होता है कारको भाव नाशाय योग?

इस नाम से ही समझ आ रहा है कि कारको यानी कारक, भाव यानी कुंडली में भाव और नाशाय यानी नष्ट हो जाता है। इसका योग का मतलब है कि कारक के भाव का नष्ट हो जाना। इस बात को अच्छी तरह से जानते है कि 9 ग्रह 12 राशियों और 12 भावों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में जब कारकों भाव नाशाय योग बनता है, तो यह अपने ही भाव को नुकसान पहुंचाता है।

कब बनता है कारको भाव नाशाय योग?

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब कुंडली में कोई ग्रह विशेष भाव में भाव का स्वामी होता है और वह उसी पर अपनी दृष्टि डालता है, तो कारको भाव नाशाय योग का निर्माण होता है। ऐसी स्थिति में उस भाव का स्वामी अपने ही भाव के लिए हानिकारक साबित होता है।

कर्क राशि

इस राशि में शुक्र पहले भाव में गोचर कर रहे हैं। बता दें कि इस राशि में चौथे और ग्यारहवें भाव के स्वामी शुक्र है। इसके साथ ही शुक्र की दृष्टि सातवें भाव में होगी। ऐसे में वैवाहिक जीवन में कई तरह के उतार चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। इसके साथ ही कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए बेकार के वाद-विवाद करने से बचें। हालांकि, आर्थिक स्थिति पर बुरा असर नहीं पड़ेगा।

मकर राशि

इस राशि में शुक्र सातवें भाव में गोचर कर रहे हैं और वह पांचवें और दसवें भाव के स्वामी है। ऐसे में इस राशि के जातकों के वैवाहिक और लव लाइफ पर बुरा असर पड़ सकता है। अपने पार्टनर से किसी बात को लेकर बहस हो सकती है। लेकिन कोशिश करें कि बात ज्यादा न बढ़ें, क्योंकि इससे आपका रिश्ता टूट सकता है।

ज्येष्ठ अमावस्या

इसी दिन पति की लंबी उम्र के लिए सुहागिनें वट सावित्री का व्रत करती हैं

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को ज्येष्ठ अमावस्या मनाई जाती है। यह कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि है। इसके बाद से शुक्ल पक्ष का प्रारंभ होता है। इस बार ज्येष्ठ अमावस्या और ज्येष्ठ दर्श अमावस्या दोनों एक साथ हैं। ज्येष्ठ अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने के बाद दान देने की परंपरा है। ऐसा करने से पाप मिटते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। स्नान और दान से पितर प्रसन्न होते हैं और वे आशीर्वाद देते हैं। ज्येष्ठ अमावस्या की तिथि, स्नान-दान मुहूर्त और महत्व के बारे में।

ज्येष्ठ अमावस्या 2023 तिथि

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या तिथि 18 मई गुरुवार को रात 09 बजकर 42 मिनट से प्रारंभ हो रही है और अगले दिन शुक्रवार 19 मई को रात 09 बजकर 22 मिनट पर समाप्त हो रही है। उदयातिथि के आधार पर इस साल ज्येष्ठ अमावस्या 19 मई को मनाई जाएगी। इस दिन ही ज्येष्ठ की दर्श अमावस्या भी होगी।

ज्येष्ठ अमावस्या का स्नान-दान मुहूर्त

ज्येष्ठ अमावस्या वाले दिन प्रातःकाल से ही स्नान और दान प्रारंभ हो जाता है। इस दिन आप सुबह पवित्र नदी में स्नान कर लें और उसके बाद अपनी क्षमता के अनुसार दान करें। ऐसा करने से पुण्य लाभ होगा। ज्येष्ठ अमावस्या पर प्रातःकाल समय के बाद सुबह में 08 बजकर 54 मिनट से दोपहर 02:00 बजे तक अच्छा समय है। सुबह 08:54 से सुबह 10:36 बजे चर सामान्य मुहूर्त रहेगा। फिर सुबह 10:36 बजे से दोपहर 12:18 बजे तक लाभ उन्नति मुहूर्त है। उस दिन अमृत सर्वोत्तम मुहूर्त दोपहर 12:18 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक है।

4 कारणों से विशेष है ज्येष्ठ अमावस्या

1। इस साल ज्येष्ठ अमावस्या वाले दिन स्नान और दान शोभन योग में होगा। शोभन योग सुबह से लेकर शाम 06 बजकर 17 मिनट तक है। शुभ कार्यों के लिए शोभन योग को अच्छा माना जाता है।

यह भी पढ़ें: ज्येष्ठ का दूसरा बड़ा मंगल आज, इस दिन को क्यों कहते हैं बुढ़वा? भूलकर भी ना करें 4 काम

2। ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर शिववास है। इस दिन जो लोग भगवान शंकर की कृपा पाना चाहते हैं, वे शिववास में रुद्राभिषेक करा सकते हैं। ज्येष्ठ अमावस्या पर शिववास सुबह से लेकर रात 09 बजकर 22 मिनट तक है। यह शिववास गौरी के साथ है।

3। ज्येष्ठ अमावस्या पर न्याय के देवता शनि देव का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन शनि जयंती मनाई जाती है। शनि के कारण ज्येष्ठ अमावस्या को शनि अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन शनि देव की पूजा करने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या में राहत मिलती है।

4। ज्येष्ठ अमावस्या को ही सावित्री यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लाई थीं, इसलिए ज्येष्ठ अमावस्या को वट सावित्री व्रत रखते हैं। इस व्रत को करने से सुहागन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है।

सूर्य और बुध की चाल में परिवर्तन

शेयर मार्केट में तेजी और बड़े राजनीतिक बदलाव के योग बनेंगे, देश में कहीं गर्मी तो कुछ जगह बरसात होगी

15 मई को सूर्य का राशि परिवर्तन हुआ। साथ ही बुध भी मार्गी हो गया, यानी ये ग्रह अब सीधी चाल से चलेगा। जो कि पिछले 24 दिनों से वक्री यानी टेढ़ी चाल से चल रहा था। पिछले 22 दिन से बुध अस्त था। अब 16 मई को ये ग्रह उदय हो जाएगा। वहीं, अब सूर्य पर शनि और राहु की अशुभ छाया नहीं रहेगी। इन दो ग्रहों के कारण देश की राजनीतिक, आर्थिक स्थिति और मौसम में बदलाव होगा।

इस महीने चार ग्रहों की चाल मे बदलाव हो रहा है। जो कि ज्योतिषीय नजरिये से महत्वपूर्ण रहेगा। महीने की शुरुआत में शुक्र मिथुन राशि में आ चुका है। इसके बाद 10 मई को मंगल अपनी नीच राशि यानी कर्क आ गया है। अब सूर्य और बुध का ये परिवर्तन भी खास रहेगा। इन चार ग्रहों का असर देश-दुनिया सहित सभी राशियों पर होगा।

सूर्य-बुध की चाल में बदलाव का असर

ज्योतिष के मुताबिक सूर्य और बुध की चाल में बदलाव होने से मौसम में अचानक परिवर्तन होंगे। देश में कुछ जगहों पर तेज गर्मी तो कुछ हिस्सों में आंधी और बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं।

देश की राजनीति और आर्थिक स्थिति पर भी इनका असर दिखेगा। सूर्य राजयोग कारक है। इस ग्रह के परिवर्तन से बड़े पद पर बैठे लोगों के कामकाज और जिम्मेदारियों में बदलाव होगा। सरकारी योजनाओं पर राजनीति हो सकती है।

बुध के कारण शेयर और स्टॉक मार्केट में तेजी की स्थिति बनेगी। बड़े लेनदेन होंगे। कीमती धातुओं के दाम भी बढ़ सकते हैं। इस ग्रह के प्रभाव से लोगों का इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा। वहीं, राजनीति से जुड़े कुछ लोग विपक्ष पर जीत पाने के लिए बड़ा षडयंत्र बना सकते हैं। झूठे वादे और विवादित बयानबाजी भी होगी।

25 मई को रोहिणी नक्षत्र में आएगा सूर्य

सूर्य, वृष राशि में आने के 14 दिन बाद रोहिणी नक्षत्र में आ जाएगा। इस कारण 25 मई की रात से नौतपा शुरू हो जाएगा। जो कि 3 जून तक रहेगा। इस दौरान धरती तेज तपेगी। जिससे आने वाले दिनों में बारिश के लिए अनुकूल स्थितियां बनेंगी।

क्या है केंद्राधिपति दोष इन लक्षणों से करें पहचान

ज्योतिष शास्त्र में किसी व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की स्थिति जानने के लिए उस व्यक्ति के नाम, जन्म तिथि, जन्म के समय एवं जन्म के स्थान की गणना से उसकी जन्म कुंडली बनाई जाती है। जिसके आधार पर व्यक्ति के जन्म के समय ग्रहों की स्थिति का पता लगाया जाता है। इसी माध्यम से कुंडली में मौजूद दोष का आकलन भी किया जा सकता है। ज्योतिष शास्त्र मानता है कि किसी व्यक्ति की कुंडली में मौजूद गुण दोष व्यक्ति के जीवन पर खासा प्रभाव डालते हैं। किसी व्यक्ति की कुंडली में कोई अशुभ ग्रह स्थिति शुभ ग्रह के साथ संयोजन करता है तो ऐसी स्थिति में कुंडली में दोष निर्माण होता है। इस दोष की वजह से व्यक्ति के जीवन में तमाम तरह की समस्याएं आ सकती हैं। कुंडली में मौजूद इन्हीं दोषों में से एक है केंद्राधिपति दोष।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली के कुछ विशेष भावों में हानिकारक ग्रह जैसे शनि, राहु और मंगल होते हैं। तो वे जातक की कुंडली को नुकसान पहुंचाते हैं। जिसके कारण कुंडली में दोष उत्पन्न होते हैं। कुंडली में मौजूद शुभ ग्रहों के कारण बनने वाले दोष को केंद्राधिपति दोष बोला जाता है।

क्या होता है केंद्राधिपति दोष

किसी व्यक्ति की कुंडली में केंद्राधिपति दोष का निर्माण तब होता है, जब शुभ ग्रह जैसे बृहस्पति, शुक्र, बुध या शुक्ल पक्ष चंद्रमा जैसे लाभकारी ग्रह केंद्र भाव के स्वामी बन जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र मानता है कि केंद्र भावों (पहले, चौथे, सातवें और दसवें भाव) के स्वामी और त्रिकोण भाव (पहले, पांचवे और नवे भाव) के स्वामी हमेशा शुभ परिणाम देते हैं, लेकिन इस दोष के कारण केंद्र भाव के स्वामी नकारात्मक परिणाम देना शुरू कर देते हैं। बृहस्पति और शुक्र इस दोष के बनने के कारण हैं, लेकिन इस दोष के निर्माण में बुध और चंद्रमा का योगदान भी होता है।

केंद्राधिपति दोष निवारण की कुछ आसान उपाय

ज्योतिष शास्त्र मानता है कि यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में केंद्राधिपति दोष होता है। तो उसे भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए। यदि आपकी कुंडली में भी केंद्राधिपति दोष है। तो ऐसे में आपको रोजाना शिवलाल में जाकर भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

प्रतिदिन मंदिर में 11 बार "ॐ नमः शिवाय" मंत्र जाप करना चाहिए। इसके अलावा 21 बार "ॐ नमो नारायण" मंत्र का जाप करने से इस दोष के प्रभाव को बहुत हद तक कम किया जा सकता है।

इस मंदिर में रात को रुकने वाले श्रद्धालु बन जाते हैं पत्थर!

देश में कई रहस्यमयी मंदिर हैं, उन्हीं में से एक है राजस्थान का किराडू मंदिर। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि शाम ढलने के पश्चात यहां ठहरने वाले लोग पत्थर के बन जाते हैं। कहा जाता है कि 1161 ईसा पूर्व में इस जगह का नाम 'किराट कूप' था। राजस्थान में होने के बाद भी इस मंदिर का निर्माण दक्षिण भारतीय शैली में करवाया गया। इस मंदिर को लोग राजस्थान का खजुराहो भी बोलते हैं। वही यह 5 मंदिरों की एक श्रृंखला है। इस श्रृंखला के अधिकतर मंदिर अब खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। जबकि शिव मंदिर एवं विष्णु मंदिर की हालत ठीक है। इस मंदिर का निर्माण किसने कराया। इसके बारे में अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। हालांकि मंदिर निर्माण को लेकर लोगों की अपनी-अपनी मान्यताएं अवश्य हैं।

कहा जाता है कि इस मंदिर में एक वक्त ऐसी घटना घटी, जिसका खौफ आज भी लोगों में बना हुआ है। कहा जाता है कि कई वर्ष पहले इस जगह पर एक सिद्ध साधु अपने शिष्यों के साथ आए थे। साधु एक दिन अपने शिष्यों को छोड़कर कहीं भ्रमण के लिए गए। उसी समय उनके एक शिष्य की तबियत बिगड़ गई। इसे देखते हुए बाकी शिष्यों ने स्थानीय लोगों से मदद मांगी, लेकिन किसी ने भी उनकी मदद नहीं की। बाद में जब साधु वापिस अपने आश्रम में पहुंचे तो उन्हें इस घटना के बारे में पता चला। इससे वे क्रोधित हो उठे और सभी गांव वालों को श्राप दे दिया कि सूर्यास्त के पश्चात सभी गांव के लोग पत्थर बन जाएंगे।

हालांकि स्थानीय लोगों की मानें तो उस बीमार शिष्य की मदद गांव की एक महिला ने की थी। इस कारण श्राप देने से पहले साधु ने कहा था कि वो सूर्यास्त होने से पहले गांव से चली जाए और पीछे मुड़कर न देखे। हालांकि उस महिला ने साधु की इस बात को गंभीर नहीं समझा और उसने पीछे मुड़कर देख लिया। इस कारण वह भी पत्थर बन गई। इसी वजह से मंदिर से कुछ दूरी पर उस महिला की मूर्ति बनी हुई है। यही एक बड़ी वजह है, जिसके चलते सूर्यास्त होने के बाद दूर दूर तक मंदिर के पास कोई नहीं जाता।

रायबरेली के इस मंदिर में आते ही उतर जाता है सांप का ज़हर

उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर लखनऊ-इलाहाबाद राजमार्ग किनारे स्थित हरचंदपुर विकास क्षेत्र के लालूपुर गांव के आस्तिक बाबा मंदिर की कहानी और मान्यता आपको आश्चर्यचकित कर देगी। लोगों में मान्यता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को जहरीले सर्प ने काट लिया है तो इस मंदिर में पहुंचने मात्र से ही वो ठीक हो जाता है। उसे किसी प्रकार के इलाज की जरूरत नहीं पड़ती है। साथ ही, आस्तिक बाबा का नाम लेने मात्र से आपको सांपों से भय नहीं लगेगा। बताया जाता है कि यह मंदिर महाभारत काल से ताल्लुक रखता है।

आस्तिक बाबा मंदिर के पुजारी अमित तिवारी ने बताया कि नाग पंचमी के एक दिन पहले यहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु इसलिए आते हैं, क्योंकि उन्हें साल भर सांप के कोप का शिकार न होना पड़े। वो बताते हैं कि हमारे पूर्वज बताते थे कि इस मंदिर से पांडवों का भी जुड़ाव रहा है। एक बार राजा परीक्षित जंगल में शिकार करने गए थे जहां उनके बाणों से एक हिरण घायल हो गया था, लेकिन वो घायल हिरण उनके सामने से गायब हो गया तो राजा ने आस-पास देखा तो उन्हें पास में बैठे एक ऋषि दिखाई दिए।

राजा परीक्षित ने जब ऋषि से इसके बारे में जानकारी लेनी चाही तो उन्होंने कुछ नहीं बताया। इससे राजा कुपित हो गए और उनके गले में एक मृत सांप पहना दिया। वहां मौजूद ऋषि के पुत्र श्रंगी ने यह देखा तो उन्होंने राजा को श्राप दे दिया कि तुम्हें एक सप्ताह के भीतर सबसे जहरीला सर्प तक्षक डंस लेगा। जब इसकी जानकारी राजा परीक्षित के पुत्र जन्मेजय को हुई तो उन्होंने सांपों को भस्म करने के लिए विशालकाय यज्ञ किया जिसमें सांप भस्म होने लगे। तब आस्तिक महाराज ने यज्ञ को बंद करवा कर तक्षक को बचा लिया। तब से ऐसा माना जाता है कि आस्तिक महाराज का नाम लेने से लोगों को सांप से डर नहीं लगता।

मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालु शिव प्रसाद ने बताया कि बीते सावन के महीने में मेरी पत्नी को सांप ने डंस लिया था। तब मैं उसको लेकर यहां आया जिससे वो ठीक हो गई। कहीं पर भी मुझे किसी प्रकार की इलाज करवाने की जरूरत नहीं पड़ी। तब मैंने यहां मन्नत मानी थी कि मैं यहां अपनी पत्नी व परिवार के साथ आकर पूजा-अर्चना करूंगा, इसलिए मैं मंदिर आया था।

कालसर्प दोष से भी ज्यादा विनाशकारी है चांडाल दोष

कब और कैसे बनता गुरु चांडाल दोष

गुरु चांडाल योग को ज्योतिष शास्त्र में बहुत ही विनाशकारी योग माना जाता है। गुरु चांडाल योग बृहस्पति ग्रह और राहु ग्रह की युति से बनता है। जब ये दोनों ग्रह किसी एक राशि में मौजूद होते हैं तब यह विनाशकारी और अशुभ योग बनता है। कुंडली के अशुभ दोषों में से गुरु चांडाल दोष को भी बहुत नुकसानदायक माना जाता है। किसी भी जातक की कुंडली में राहु और बृहस्पति के एक साथ होने से गुरु चांडाल दोष का निर्माण होता है। ज्योतिष के अनुसार, इस दोष के कारण कुंडली के अन्य शुभ योग नष्ट हो जाते हैं, जिसके कारण व्यक्ति के अपने जीवन में अत्यंत कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। गुरु चांडाल दोष के कारण व्यक्ति का धन व्यर्थ के कार्यों में खर्च होता है साथ ही ऐसे व्यक्ति को पाचनतंत्र से जुड़ी गंभीर समस्याएं होने की आशंका रहती है।

कुंडली में गुरु चांडाल योग के संकेत

- जब भी किसी जातक की कुंडली में गुरु चांडाल योग बनता है तो व्यक्ति के मान-सम्मान में गिरावट देखने को मिलती है।

- अचानक से व्यापार और नौकरी में व्यक्तियों के हाथों से गलतियां होने लगती है जिससे व्यक्ति को काफी नुकसान होता है।
- गुरु- राहु की युति से बनने वाला गुरु चांडाल योग में अगर राहु का पक्ष बलवान है तो व्यक्ति गलत संगत में पड़ जाता है। ऐसे लोग जुआ और नशा करने लगते हैं।
- कुंडली में गुरु-चांडाल योग होने से व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति धीरे-धीरे खत्म हो जाती है।
- गुरु चांडाल योग से व्यक्ति को धन हानि और मानसिक परेशानियां बढ़ने लगती हैं।

गुरु चांडाल दोष के प्रभाव से बचने के उपाय

यदि किसी की कुंडली में गुरु चांडाल दोष लगा हो तो उसे प्रत्येक गुरुवार के दिन बृहस्पतिदेव और भगवान श्री हरि विष्णु का पूजन करना चाहिए। बृहस्पतिवार के दिन पीली चीजों से गुड़, चने की दाल आदि का दान करना चाहिए। गाय को पीला भोजन करवाना चाहिए। इसके अलावा प्रतिदिन गायंत्री मंत्र या ऊं गुरुवे नमः मंत्र का जाप करना चाहिए। मान्यता है कि इससे गुरु चांडाल योग के अशुभ प्रभावों से मुक्ति प्राप्त होती है।

पीवीआर, आईनॉक्स के एग्जीबिटर्स को 333 करोड़ का नुकसान

6 महीने में बंद होंगे 50 थिएटर, कंगना बोलीं- फिल्म इंडस्ट्री का बुरा समय चल रहा है

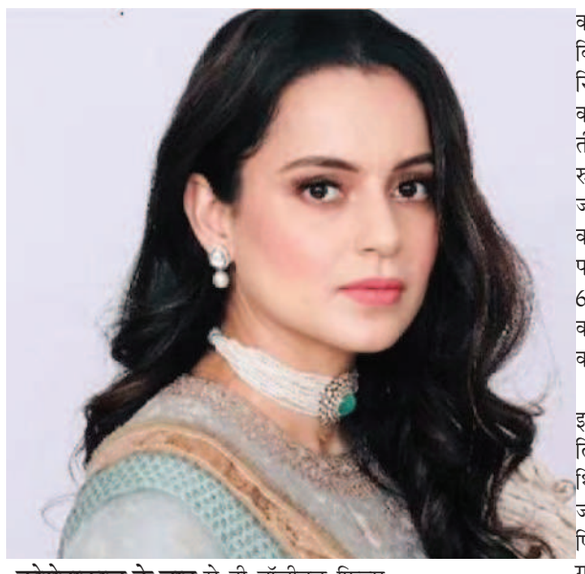

कोरोनाकाल के बाद से ही बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री बिग बजट फिल्में फ्लॉप होने पर नुकसान उठा रही है। हाल ही में ट्रेड एक्सपर्ट ने जानकारी दी है कि पीवीआर, आईनॉक्स को करोड़ों का घाटा उठाना पड़ा है, जिससे करीब 50 अंडर परफॉर्मिंग थिएटर बंद किए जाएंगे। अब कंगना रनोट ने इस पर निराशा जाहिर की है। कंगना का कहना है कि मल्टीप्लेक्स में फिल्में देखना बहुत महंगा हो चुका है, इसमें मिडिल क्लास परिवार की सेलेरी का बड़ा हिस्सा लगता है।

अगले 6 महीनों में बंद हो सकते हैं 50 थिएटर्स

ट्रेड एक्सपर्ट गिरीश जौहर ने हाल ही में ट्वीट कर लिखा है, 'बॉक्स ऑफिस किसी को नहीं छोड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार पीवीआर को साल 2023 के शुरुआती तीन महीनों में 333 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। जबकि पिछले साल इसे 170 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा था। अब पीवीआर अगले 6 महीने में खराब परफॉर्म करने वाले 50 थिएटर को बंद करने पर विचार कर रहा है।'

रिपोर्ट आते ही कंगना ने इस पर निराशा जताते हुए लिखा है, 'हमें देश में और थिएटर्स की जरुरत है। हमें ज्यादा स्क्रीन्स चाहिए। ये फिल्म इंडस्ट्री के लिए बहुत गलत है। मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखना बेहद खर्चीला हो चुका है, दोस्तों और परिवार के साथ फिल्म देखने जाने में मिडिल क्लास परिवार की सैलेरी का बड़ा हिस्सा लगता है। इस पर कुछ किया जाना चाहिए।'

2022 में भी हुआ था 170 करोड़ का नुकसान

लाइव मिंट की रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 के शुरुआती 3 महीनों में पीवीआर और आइनॉक्स को 105 करोड़ का नुकसान हुआ था, जबकि पूरे साल का नुकसान 170 करोड़ रुपए रहा था। मार्च 2023 में दो कंपनियां पीवीआर लिमिटेड और आइनॉक्स लीजर मर्च होकर अब पीवीआर आइनॉक्स लिमिटेड बन चुकी हैं।

जनवरी से मार्च तक कई बिग बजट फिल्में हुईं फ्लॉप

साल की शुरुआत अर्जुन कपूर, तब्बू स्टारर फिल्म कुत्ते से हुई थी। ये फिल्म 13 जनवरी को रिलीज हुई थी, जिसे 80 करोड़ रुपए के बजट में तैयार किया गया था, हालांकि बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म सिर्फ 4.6 करोड़ रुपए की कमाई ही कर सकी। 25 जनवरी को रिलीज हुई शाहरुख खान की पठान ने 1000 करोड़ से ज्यादा कमाई कर बॉक्स ऑफिस की चमक लौटाई जरूर, लेकिन दूसरी कई फिल्में बजट जितनी कमाई करने में भी फेल रहीं। 65 करोड़ में बनी शहजादा ने सिर्फ 47 करोड़ रुपए कमाए, वहीं 110 करोड़ में बनी सेल्फी भी 23 करोड़ में ही सिमट गई।

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से भी उम्मीदें थीं, लेकिन 150 करोड़ की ये फिल्म सिर्फ 181 करोड़ कमा सकी। तू झूठी मैं मक्कार भी 200 करोड़ के बजट से सिर्फ 20 करोड़ ज्यादा कमाकर सिमट गई। अजय देवगन की फिल्म भोला भी 125 करोड़ कमा सकी, जबकि इसे 120 करोड़ में बनाया गया था।

बड़े सितारों की फिल्मों की एवरेज परफॉर्मेंस से बॉक्स ऑफिस लगातार नुकसान उठा रहा है। कंगना रनोट की इस साल 4 फिल्में रिलीज होने वाली हैं। टीकू वेड्स शेरू को को कंगना ने प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया है जबकि तेजस, इमरजेंसी और चंद्रमुखी 2 में कंगना लीड रोल निभाएंगी।

तमिलनाडु सरकार बोली-थियेटर्स ने खुद हटा दी केरल स्टोरी

लोग फिल्म देखने आ ही नहीं रहे थे; हम सुरक्षा दे सकते हैं, दर्शक नहीं

द केरल स्टोरी फिल्म से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। तमिलनाडु सरकार ने कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्म पर बैन नहीं लगाया है। दर्शक खुद ही फिल्म देखने नहीं जा रहे जिसके चलते थियेटर मालिकों ने फिल्म की स्क्रीनिंग बंद कर दी।

तमिलनाडु सरकार की तरफ से दायर एक हलफनामे में कहा गया कि सरकार थियेटर्स में सुरक्षा दे सकती है, दर्शकों को नहीं ला सकती। मल्टीप्लेक्स मालिक खुद फिल्म नहीं लगाना चाहते। ये डिसीजन उनका है। उन्होंने फिल्म से जुड़ी आलोचनाओं, बड़े सितारों की कमी और खराब प्रदर्शन के चलते स्क्रीनिंग बंद की है। इसमें राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं।

सरकार ने शैडो बैन के आरोपों को बताया झूठ

तमिलनाडु सरकार ने फिल्म मेकर्स के शैडो बैन करने के आरोपों का भी खंडन किया। सरकार ने कहा कि फिल्म को 19 मल्टीप्लेक्स में रिलीज किया गया था और फिल्म मेकर्स के पास ऐसा कोई लिखित में सबूत नहीं है जिसमें सरकार की तरफ से फिल्म स्क्रीनिंग बंद करने की बात कही गई हो।

तमिलनाडु में मुस्लिम संगठनों ने किया था प्रदर्शन

केरल स्टोरी फिल्म के खिलाफ 5 मई को मुस्लिम संगठनों की तरफ से करीब 20 जगहों पर प्रदर्शन किया गया था। इसके बाद 6 मई को चेन्नई और फिर अगले दिन कोयम्बटूर में विरोध हुआ। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कुल 9 मामले दर्ज किए गए जिसमें चेन्नई में पांच और कोयम्बटूर में चार मामले दर्ज किए गए।

द केरला स्टोरी को बैन करने की मांग क्यों?

फिल्म 'द केरला स्टोरी' अलग-अलग समुदाय की लड़कियों के इस्लाम में कन्वर्जन और उन्हें ISIS में शामिल करने पर बेस्ड है। वहीं, मुस्लिम संगठन, मानवाधिकार कार्यकर्ता और कुछ राजनीतिक पार्टियां फिल्म को इस्लाम और केरल को बदनाम करने वाला बता रहे हैं। कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने 30 अप्रैल को फिल्म को लेकर ट्वीट किया था। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था- 'यह आपकी केरल स्टोरी हो सकती है, यह हमारी केरल स्टोरी नहीं है।

49 साल की उम्र में फ्लॉन्ट किए एब्स फैंस बोले- आप बहुत फिट व सुंदर हैं

49 साल की मलाइका अरोड़ा हमेशा अपने फैशन और फिटनेस को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्हें मुंबई में एक शूट के बाद ग्लैमरस लुक में देखा गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में मलाइका सीक्वन पैंट-सूट में नजर आईं। इस दौरान उन्होंने अपने एब्स भी फ्लॉन्ट किए।

मिनिमल मेकअप में दिखीं गॉर्जियस

मलाइका ने अपने बालों को खुला रखा और मिनिमल मेकअप के साथ इस लुक को पूरा किया। उन्होंने मुस्कुराते हुए पैपराजी को पोज भी दिए। वीडियो सामने आते ही फैंस मलाइका की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट कर लिखा,' वह बहुत फिट और सुंदर हैं'। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'कैसे कोई आपकी तारीफ नहीं कर सकता। आप बिल्कुल परफेक्ट हैं'।

मलाइका अरोड़ा को हाल ही में उनके ओटीटी डेब्यू रियलिटी शो मूविंग इन विद मलाइका में देखा गया था। इस शो को फैंस ने काफी पसंद भी किया था।

इसके अलावा वह गुरु रंधावा के हालिया रिलीज सॉन्ग 'तेरा की ख्याल' में नजर आई थीं। उनकी पर्सनल लाइफ की बात करे तो उन्होंने अरबाज खान से शादी की थी फिर 2017 में दोनों का तलाक हो गया। अब वह 2019 से बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में हैं।

रानी मुखर्जी की बेटी खुद को मानती है बंगाली एक्ट्रेस ने शेयर किया दिलचस्प किस्सा

रानी मुखर्जी अपनी बेहतरीन फिल्मों के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में उनकी फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नार्वे रिलीज हुई. हालांकि इससे अलग उनकी पर्सनल लाइफ भी है. एक्ट्रेस होने के अलावा वो आदित्य चोपड़ा की पत्नी और अदिरा की मां के रूप में भी काफी अच्छी हैं. 2015 में रानी ने अदिरा को जन्म दिया था. उनका एक पुराना वीडियो सामने आया है जिसमें रानी ने अदिरा के बारे में दिलचस्प बातें शेयर की हैं.

अदिरा ने कहा वो भी बंगाली हैं

रानी मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में जब रानी मुखर्जी से अपनी बेटी के साथ सोने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने बताया, 'हमेशा नहीं, लेकिन जब वो छोटी थी. हम आधुनिक माता-पिता हैं इसलिए हमारे पास पालने और बाकी सभी चीजें हैं, लेकिन ऐसा कई बार होता है जब मैं आदिरा के साथ एक ही बिस्तर पर सोती हूं. जब वो ठीक नहीं होती है, जब उसे बुखार होता है, वो समय होता है जब बच्चों को अपनी मां की सबसे ज्यादा जरूरत होती है.'

अपने हाथों से खाना खाना पसंद करती हैं अदिरा

रानी मुखर्जी ने आगे बताया, 'साथ ही आदिरा को अपने हाथ से खाना बहुत अच्छा लगता है क्योंकि वो मुझे ऐसा करते हुए देखती है और उसके लिए ये एक बहुत ही बंगाली विशेषता है, क्योंकि जब वो हाथ से खाती है तो उसे लगता है कि वो मुझे बहुत खुश कर रही है. वो कहती है कि मम्मा मैं भी बंगाली हूं क्योंकि मुझे हाथ से खाना खाना पसंद है.'

आदिरा को मीडिया से दूर रखती हैं रानी

रानी मुखर्जी ने उनकी फिल्म मिसेस चटर्जी बनाम नार्वे के प्रमोशन के दौरान रानी मुखर्जी ने बताया था कि उनकी बेटी अभी छोटी है और वो मानती हैं कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना चाहिए. जब उनकी बेटी अदिरा बड़ी हो जाएगी तो वो ये निर्णय उसपर छोड़ देंगी कि उसे लाइमलाइट में आना है या नहीं.

क्या अनन्या व आदित्य रॉय कपूर के रिलेशनशिप पर रणबीर कपूर ने लगाई मुहर?

अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर के अफेयर की चर्चाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं. तमाम अफवाहों के बीच अब रणबीर कपूर ने भी कुछ ऐसा इशारा कर दिया है जिसने इन अटकलों को और बढ़ा दिया है. इसी बीच एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक टॉक शो में रणबीर ने आदित्य रॉय कपूर को लेकर एक बड़ा इशारा कर दिया है. रणबीर कपूर और आदित्य रॉय कपूर दोनों अच्छे दोस्त हैं. इन दोनों ने 'ये जवानी है दीवानी' में एक साथ काम किया है.

आदित्य रॉय कपूर के अफेयर पर बात करते हुए शो की होस्ट ऐश्वर्या ने रणबीर से कहा कि आदित्य हमेशा मेरे आसपास रहते हैं. ऐसे में रणबीर ने जवाब दिया कि मुझे नहीं पता कि वो तुम्हारे आसपास रहना चाहता है या नहीं. लेकिन मुझे पता है कि आदित्य एक लड़की को पसंद करता है, जिसका नाम 'A' लेटर से शुरू होता है. रणबीर का यह कहना था कि फैंस को लगभग यह कंफर्म हो गया कि आदित्य जिस लड़की को पसंद करते हैं वह कोइ और नहीं बल्कि अनन्या पांडे ही हैं.

कई बार एक साथ स्पॉट हो चुके हैं आदित्य और अनन्या

गौरतलब है कि इससे पहले भी कई बार आदित्य और अनन्या के अफेयर की खबरों को तूल मिला है. कुछ दिनों पहले करण जौहर की एक डिनर पार्टी में भी दोनों एक साथ ट्विनिंग करते हुए स्पॉट हुए थे. खुद करण जौहर ने अपने शो 'कॉफी विद करण सीजन 7' में दोनों के अफेयर को लेकर हिंट दिया था. इसके बाद कृति सेनन की दिवाली पार्टी से भी दोनों की एक फोटो सामने आई थी, जिसमें दोनों को काफी करीब देखा गया था. इसके अलावा भी अक्सर दोनों को साथ देखा जाता है लेकिन अब तक दोनों अपने रिलेशनशिप की अफवाहों को लेकर खामोश हैं.

कांस फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म को मिलती है 18 लाख की ट्रॉफी

कांस फिल्म फेस्टिवल पर पढ़िए इससे जुड़े कुछ ऐसे ही दिलचस्प फैक्ट्स....कांस में 18,500 बोतल शैंपेन-वाइन पी जाते हैं सेलेब्स, डिनर में 2000 किलो केकड़े

फ्रांस में कांस फिल्म फेस्टिवल शुरू हो गया है। अगले 11 दिन आपको सोशल मीडिया पर रेड कार्पेट पर सेलेब्स का जमघट दिखाई देगा। कांस दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल्स में से एक है। इसे हिटलर और मुसोलिनी जैसे तानाशाहों की मनमानी के खिलाफ शुरू किया गया था।

कांस जितना प्रतिष्ठित है, उतना ही लैविश भी। अगले 11 दिन यहां सेलेब्स पर अरबों रुपए खर्च किए जाएंगे। इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि डिनर के दौरान ही इन 10-11 दिनों में 18 हजार से ज्यादा बोतल वाइन और शैंपेन परोसी जाएगी। डिनर में 2000 किलो लॉब्स्टर (केकड़े) पकाए जाएंगे। कांस का जो रेड कार्पेट है, उसकी लंबाई 2 किमी है और ये साफ-सुथरा दिखाई दे, इसके लिए इसे दिन में 3 बार बदला जाता है। इसमें सेलेब बुलाए जाते हैं, लेकिन उन्हें इसका टिकट भी खरीदना होता है, जिसकी कीमत 25 लाख रुपए तक होती है।

कांस के इनॉगरेशन के मौके पर पढ़िए इससे जुड़े कुछ ऐसे ही दिलचस्प फैक्ट्स....

फ्रेंच सरकार ने उसके दस्तावेजों पर साइन कर उसे ऑफिशियल कांस फिल्म फेस्टिवल घोषित कर दिया। पहला फिल्म फेस्टिवल 1-20 सितंबर 1939 को होना था। एक दिन पहले गाला नाइट रखी गई, जिसमें कई सेलेब्स शामिल हुए थे। जैसे ही 1 सितंबर को फेस्टिवल शुरू हुआ तो हिटलर द्वारा पोलैंड पर हमला करने से सनसनी मच गई और सेरेमनी 10 दिनों के लिए टालनी पड़ी। माहौल सुधरने के बदले और बिगड़ गया, जब फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के बीच युद्ध का ऐलान हुआ। दूसरे विश्व युद्ध से कांस फिल्म फेस्टिवल 6 सालों तक टला था।

2 बार बजट और एक बार कोरोना के कारण रद्द हुआ कांस

वर्ल्ड वॉर 2 से 6 साल के इंतजार के बाद पहली सेरेमनी 20 सितंबर- 5 अक्टूबर 1946 को हुई, जिसमें 20 देशों ने हिस्सा लिया। 1947 में मैनेजमेंट खराब होने पर महज 16 देशों ने हिस्सा लिया। अगले साल 1948 में बजट की कमी के कारण सेरेमनी हुई ही नहीं। 1949 में फिर इवेंट मैनेजमेंट से लोग निराश हुए। 1950 में खर्च न उठा पाने पर फिर फिल्म फेस्टिवल हुआ ही नहीं। 1951 से लेकर अब तक सिर्फ कोरोना महामारी के चलते 2020 में सेरेमनी रद्द की गई थी।

18 कैरेट गोल्ड से बना अवॉर्ड, कीमत करीब 18 लाख रुपए

1955 में फेस्टिवल कमेटी ने पाम डिओर अवॉर्ड लॉन्च किया, जो इस सेरेमनी का हाईएस्ट अवॉर्ड है। 1964 में पाम डिओर को ग्रैंड प्रिक्स से रीप्लेस किया गया था। हालांकि 1975 से फिर पाम डिओर अवॉर्ड दिया जाने लगा। इसे 18 कैरेट यलो गोल्ड और एमराल्ड कट डायमंड से तैयार किया गया है। इस एक अवॉर्ड की कीमत 27 हजार डॉलर, यानी 18 लाख रुपए है।

डिनर पर खर्च किए जाते हैं 2.8 करोड़ रुपए

कांस फिल्म फेस्टिवल के समय कांस शहर का होटल बेरियर ले मैजेस्टिक मेहमानों के लिए ओपनिंग और क्लोजिंग इवेंट के लिए खाने की जिम्मेदारी उठाता है। मेहमानों के डिनर के लिए ही 3 लाख 47 हजार डॉलर, यानी 2.8 करोड रुपए खर्च किए जाते हैं।

2000 किलो केकड़ों से बनता है स्पेशल डिनर

एक रिपोर्ट के मुताबिक होटल डिनर के लिए 770 पाउंड यानी 340 किलोग्राम फोए ग्रास नाम की डिश तैयार करता है, जो बत्तख के लिवर से बनने वाली एक स्पेशल फ्रेंच डिश है। इसके अलावा यहां 110 पाउंड्स यानी 49 किलो केवियर बनता है, जो दुनिया की सबसे महंगी डिशेज में से एक है। इस डिश में करीब 1,32,000 डॉलर यानी 1 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। इस डिनर के लिए हर साल 2000 किलो केकड़े (लॉब्स्टर) इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें 39 लाख रुपए लगते हैं।

18500 बोतल वाइन-शैंपेन पी जाते हैं गेस्ट्स

सेलेब्स के लिए रखे गए डिनर में वाइन और शैंपेन भी सर्व होती है। पूरे कांस फेस्टिवल के दौरान करीब 18,500 बोतल वाइन और शैंपेन परोसी जाती है। वेबसाइट द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार सेरेमनी में ज्यादातर 1990 शैटो पेट्रस वाइन सर्व की जाती है। जिसकी एक बोतल की कीमत 9390 डॉलर है, ये दुनिया की छठी सबसे महंगी वाइन है। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, डिनर के अलावा दूसरे मौकों पर लगने वाली ड्रिंक्स, खाने, लेजर लाइट, फोटोग्राफ और म्यूजिक में भी 1,50,000 डॉलर यानी 1 करोड़ 23 लाख खर्च किए जाते हैं।

कांस शहर सिर्फ याट को रेंट पर देकर कमाता है 3 हजार करोड़ रुपए

कांस शहर याट पार्टी के लिए भी फेमस है। फेस्टिवल में पहुंचने वाले दुनियाभर के कई सेलेब्स फेस्टिवल के दौरान याट पार्टी का भी हिस्सा बनते हैं। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार याट पार्टी से सालाना कांस शहर की 3 हजार करोड़ रुपए कमाई होती है, जो सेलेब्स खुद खर्च करते हैं।

2 किलोमीटर की रेडकार्पेट को दिन में 3 बार बदला जाता है

सबसे ज्यादा कांस फिल्म फेस्टिवल में रेड कार्पेट पर आए सेलेब्स चर्चा में रहते हैं। महंगी ड्रेस और ज्वेलरी पहनकर सेलेब्स इस रेड कार्पेट पर दिन भर वॉक करते हैं, जिसके तीन तरफ पैपराजी और मीडिया की भीड़ रहती है। ये रेड कार्पेट 2 किलोमीटर लंबा होता है, साफ दिखाने के लिए इसे दिन में 3 बार बदला जाता है।

हील्स की जगह फ्लैट चप्पल पहनी तो रेड कार्पेट पर एंट्री बैन

रेड कार्पेट के नियमों के अनुसार, सेरेमनी में पहुंचने वाली फीमेल सेलिब्रिटीज का हील्स पहनना जरूरी है। ये नियम 2015 में बनाया गया है। अगर कोई सेलेब्स बिना हील्स के यहां पहुंचती है तो उसे सेरेमनी में नहीं आने दिया जाता। 2015 में ऐसा ही एक मामला विवादों से घिर गया, जहां कुछ फीमेल सेलेब्स को हील्स न पहनने पर अंदर नहीं जाने दिया गया। एक्ट्रेस क्रिस्टेन स्टीवर्ट और जूलिया रॉबर्ट्स भी इस नियम का विरोध करते हुए रेड कार्पेट पर अपनी हील्स रिमूव कर चुकी हैं।

हैंडबैग और सेल्फी पर पाबंदी

रेड कार्पेट के लिए कोई निर्धारित ड्रेस कोड नहीं है, हालांकि यहां आने वाले हर सेलेब को ग्लैमरस लगना अनिवार्य है। हैरानी की बात ये है कि रेड कार्पेट पर हैंडबैग ले जाना सख्त मना है। यहां आने वाले सेलेब्स क्लच या हाथ में दूसरा कोई भी बैग नहीं पकड़ सकते। रेड कार्पेट की रूल बुक पर लिखा हुआ है कि कृपया अपने हैंडबैग अपने होटल में ही छोड़कर आएं। रेड कार्पेट पर फोटो या सेल्फी लेने की भी सख्त मनाही है, कोई भी सेलेब रेड कार्पेट पर सिर्फ और सिर्फ पैपराजी से ही तस्वीर क्लिक करवा सकता है।

पैपराजी की 5-पीस सूट के बिना एंट्री बैन

रेड कार्पेट पर आने वाले सेलेब्स को क्लिक करने पहुंचे पैपराजी के लिए भी कांस फिल्म फेस्टिवल में ड्रेस कोड है। पैपराजी सिर्फ ब्लैक टक्सीडो सूट, टाई/बो और फॉर्मल शूज पहनकर ही आ सकते हैं। अगर ड्रेस कोड में लापरवाही की जाती है, तो उन्हें वहां फोटो क्लिक करने से रोक दिया जाता है।

1984 में पहली बार मिली थी भारतीय फिल्मों को कांस फिल्म फेस्टिवल में जगह। भारत की नीचा नगर है अवॉर्ड पाने वाली पहली और इकलौती फिल्म। कांस फिल्म फेस्टिवल में जाने वाली पहली भारतीय फिल्म 1946 की नीचा नगर थी।

ऐसे सिखाएं छोटे बच्चे को अच्छी बातें

बच्चे के जन्म के बाद माता पिता की चिंता उसके लालन पालन से लेकर भविष्य को संवारने में रहती है। बच्चा स्वस्थ रहे और उसका विकास हो, इसके साथ ही समाज में रहने योग्य बन सके, इसके लिए माता पिता बचपन से ही बच्चे को सीख देने लगते हैं। जब बच्चा बोलना शुरू करता है, तो अभिभावक उसे रिश्ते को संबोधित करना सिखाते हैं। धीरे धीरे दैनिक जीवन से जुड़ी बातें सिखाते हैं। जैसे ब्रश करना, बड़ों को प्रणाम करना, गलती पर माफी मांगना, किसी चीज को पकड़ना, लोगों से संवाद करना आदि। 4-5 साल की आयु के बाद बच्चे को सिखाना आसान होता है, क्योंकि वह आपकी बाते समझने लगता है। लेकिन जब बच्चा महज एक डेढ़ साल का होता है, तो उसे कुछ सिखाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। ऐसे में छोटे बच्चे को कुछ सिखाने के लिए आसान और मजेदार तरीके अपनाएं। खेल-खेल में उन्हें जीवन का पाठ पढ़ाएं। यहां अभिभावकों के लिए मजेदार तरीके बताए जा रहे हैं, जिसे अपनाकर छोटे बच्चे को खेल खेल में काम की बात सिखा सकते हैं।

बात करना सिखाएं

एक साल का बच्चा बोलना शुरू कर देता है। बोलना सिखाने के लिए यह सबसे सही समय है। बच्चे दूसरे की बातों को सुनकर उसके बोलने की कोशिश करने लगते हैं। आसपास की चीजों को अपनी तोतली आवाज में अलग अलग नामों से पुकारते हैं। ऐसे में अभिभावकों को बच्चे को बोलना सिखाने के लिए साधारण और सरल शब्दों का उपयोग करना चाहिए। जो आप उन्हें बोलना सिखाना चाहते हैं, उसे खुद भी बोलें ताकि बच्चा आपको कॉपी करके बोलना सीखें।

घुलना-मिलना सिखाएं

जब तक बच्चा माता पिता की गोद में होता है, वह सिर्फ अपने परिवार को ही पहचानता है। किसी बाहरी के गोद में लेने या सामने आने पर अक्सर बच्चे रोना शुरू कर देते हैं। 1 साल का बच्चा समझने लगता है और उसे अपने परिवार व बाहरी लोगों का फर्क पता चलने लगता है। इस उम्र में बच्चे को दूसरों से घुलना मिलना सिखाएं। इसके लिए उन्हें पार्क लेकर जाएं ताकि वह अन्य बच्चों के संपर्क में आए और समाज में कैसे रहना है, ये सीखे। इससे बच्चे के बर्ताव में भी परिवर्तन आएगा।

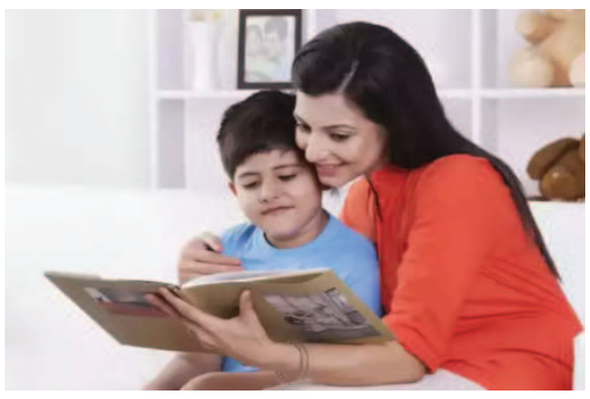

खाना सिखाएं

छोटा बच्चा मां के दूध से पेट भरता है। धीरे धीरे वह हल्का भोजन भी करने लगता है। लेकिन आप बच्चे को खुद से खिलाते हैं। हालांकि एक उम्र के बाद बच्चे को स्वयं भोजन करना सीखना चाहिए। इसके लिए उन्हें चम्मच पकड़ना सिखाएं। कैसे रोटी तोड़ कर खाई जाती है या दाल व चावल किस तरह से मुंह तक लाया जाता है, यह सिखाएं। उनके सामने खुद खाना खाएं और उन्हें भी खाने का तरीका कॉपी करने के लिए कहें।

अपनी बात कहना सिखाएं

छोटा बच्चा भूख प्यास लगने पर भी रोता है और मल मूत्र होने पर भी रोता है। लेकिन जब वह समझने लगे तो उसे सिखाएं कि भूख लगने पर उसे खाना मांगना है। वहीं अगर उसे मल मूत्र त्याग करना है तो किस तरह वह माता पिता को बता सकता है। इसके लिए उन से थोड़ी थोड़ी देर में पूछें कि क्या उन्हें भूख लगी है, या क्या उन्हें टॉयलेट जाना है। इस पर बच्चे की प्रतिक्रिया आने दें। धीरे धीरे वह खुद आपको बताना शुरू कर देंगे

साग काटकर धोएं या धोकर काटें यह जानना जरूरी

साग पोषक तत्वों से भरपूर होता है। साग में कई तरह कंपोनेंट पाए जाते हैं। साग शरीर और दिमाग के लिए फायदेमंद है। अगर आप अपच की शिकायत, त्वचा संबंधी समस्याएं और अन्य मौसमी बीमारियों से राहत चाहते हैं तो हरा साग डेली डाइट में लें।

साग को पोषक तत्वों का एक पावरहाउस कहा जा सकता है, क्योंकि यह फाइबर, विटामिन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, पोटेशियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम जैसे खनिज तत्वों से भरपूर है। आहार में हरा साग शामिल करने से इम्यूनिटी बढ़ती है। न्यूट्रिशनिस्ट अमर देव यादव बता रहे हैं हरे साग बनाने का सही तरीका।

हरा साग धोकर काटें या काट कर धोएं, जानें सही तरीका

साग जब खरीद कर लाएं तो पहले इसकी जड़ काटें। इसके बाद साग को 4 से 5 बार पानी बदल-बदल कर अच्छे से धो लें और थोड़ी देर तक ऐसे ही रखा रहने दें। साग से जब पानी निथर जाए तो इसे चाकू से बारीक काटें। कभी भी साग काटने के बाद न धोएं। ऐसा करने से साग में मौजूद पोषक तत्व पानी के साथ निकल जाते हैं। कई बार साग खरीदते वक्त लोग मार्केट से कटवा लेते हैं ताकि दिक्कत न हो। लेकिन ऐसा साग केवल स्वाद के लिए खाया जा सकता है, इसमें पोषक तत्वों की मात्रा काफी हद तक कम हो जाती है।

हरे साग को ठीक ढंग से पकाने और खाने पर इसका पूरा पोषण मिलता है।

साग खाने का सही तरीका

साग को फ्राई करके सब्जी की तरह खाया जाता है। लेकिन इसे उबाल कर खाने पर ज्यादा फायदा मिलता है। लेकिन पालक को हल्का उबालें ताकि पोषक तत्व बर्बाद न हो। मेथी हरी सब्जियों को उबालकर खाने से आंखों की समस्या में लाभ मिलता है। साथ ही आपको कई रोग नहीं होते हैं।

फ्राई की हुई या उबाली हुई सब्जी, क्या ज्यादा फायदेमंद

सब्जी को तेल में फ्राई करने पर इसमें फैट की मात्रा होती है जिससे कि फैट बढ़ता है। जबकि हाफ बॉयल सब्जियों में पोषण तत्व होते हैं। हल्की उबली सब्जी खाने से वेट कंट्रोल रहता है। एसिडिटी की प्रॉब्लम नहीं होती। खाना आसानी से पचता है। स्किन पर चमक आती है और बालों की ग्रोथ भी अच्छी होती है।

किस मात्रा में करें साग का सेवन

एक दिन में 1/2 कप उबला हुआ साग या 1 कप हरे साग का सेवन किया जा सकता है। लेकिन किसी डायटीशियन की सलाह जरूर ले लें।

साग खरीदते समय यह ध्यान दें कि पालक का रंग प्राकृतिक रूप से हरा होना चाहिए।

अगर साग से स्मेल आ रही है तो इसे ना खरीदें।

बहुत ज्यादा धूल-मिट्टी लगा साग न खरीदें, जड़ निकाला गया साग खरीदें।

जिस साग की पत्तियां ताज़ी लगे वही खरीदें।

साग को ज्यादा लंबे समय तक सुरक्षित कैसे रखें

साग के बंडल को खोल लें और फिर इसे एयरटाइट बैग में कर के फ्रिज में 3 से 4 दिन तक स्टोर किया जा सकता है। आप किचन में टोकरी में भी साग को खोलकर रख सकते हैं। इसकी ताजगी बनाए रखने के लिए इसे गीले कपड़े में लपेटकर भी रखा जा सकता है।

पतली है आइब्रो तो घना करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आइब्रो को लेकर लड़कियां अक्सर परेशान रहती है क्योंकि अगर ये पतली हो तो इसका असर चेहरे की खूबसूरती पर पड़ता है। इस वजह से घनी आइब्रो को पसंद किया जाता है। हालाँकि अगर आपकी भौंहें घनी नहीं है तो इसके लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों को आजमा सकती हैं।

नारियल का तेल लगाएं- नारियल तेल के फायदों के बारे में हम सभी जानते हैं। जी दरअसल यह बालों संबंधी कई समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। उसी तरह अगर आपकी आईब्रो पतली हैं तो आप नारियल का तेल लगा सकती हैं।

आप घनी भौंहों के लिए नारियल का तेल लगा सकती है क्योंकि इसमें विटामिन ई पाया जाता है, जो बालों के विकास को प्रोत्साहित करता है।

कैसे करें इस्तेमाल- रूई को नारियल के तेल में भिगो लें। इसके बाद आईब्रो पर तेल को अच्छे से लगा लें। अब नारियल के तेल को रातभर आईब्रो पर लगा रहने दें। उसके बाद अगली सुबह फेश वॉश से अपना चेहरा साफ कर लें।

कैस्टर ऑयल से मिलेगा फायदा- सबसे पहले त्वचा को साफ पानी से क्लीन कर लें। अब इसके बाद उगंली पर थोड़ा सा कैस्टर ऑयल डालें।

अब फिंगरटिप की मदद से आईब्रो को मसाज दें। अब कैस्टर ऑयल को आईब्रो पर आधे घंटे से ज्यादा देर तक न लगा रहने दें। इसके बाद इसे मेकअप रिमूवर की मदद से साफ कर लें।

इन बातों का रखे ध्यान-

* आंखों के आस-पास का एरिया बेहद सेंसिटिव होता है। तेल को आंखों के अंदर न जाने दें।

* अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो किसी भी चीज को लगाने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें।

खर्चीले बच्चों के लिए खास फॉर्मूला खेल-खेल में बन जाएगा लखपति

आपके बच्चे भी खूब खर्चीले हैं? अधिकतर बच्चे बाहर की चीजें खाने की जिद्द करते हैं, और माता-पिता को मजबूरी में पूरा करना होता है, मां-बाप चाहकर भी उसकी इस आदत को बदल नहीं पाते. लेकिन अब घबराने की जरूरत नहीं है. आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिसे फॉलो कर आप बच्चों की फिजूलखर्ची पर लगाम लगा सकते हैं.

दरअसल, हर माता-पिता की इच्छा होती है, उनके बच्चे बेहतर इंसान बनें. केवल अच्छी पढ़ाई-लिखाई से ही बेहतर भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते. व्यवहारिक ज्ञान भी बेहद जरूरी है. अगर आपके बच्चे भी खर्चीले हैं तो आसानी से उनकी आदत बदल सकते हैं, साथ उन्हें सेविंग के लिए भी प्रेरित कर सकते हैं.

अगर आपका सवाल है कि इतने छोटे बच्चे को आखिर सेविंग से क्या लेना-देना है? एक नजरिये से आपका सोचना बिल्कुल सही है. लेकिन आप जितनी छोटी उम्र से उन्हें बचत का व्यवहारिक ज्ञान देंगे. आगे भविष्य में वो वित्तीय तौर पर फैसले लेने के लिए सक्षम रहेंगे. अगर पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ आप अपने बच्चे से बचत को लेकर बात करेंगे, और अगर वो खेल-खेल में सेविंग शुरू कर देते हैं तो 25 साल की उम्र में अच्छी खासी रकम के मालिक हो जाएंगे. इसका बेहद सरल गणित है. जबकि आमतौर पर 25 साल की उम्र में युवा नौकरी की तलाश में होते हैं या फिर पहली नौकरी से जुड़े होते.

अगर आपका बच्चा 10 साल से कम उम्र की है, तो फिर उनपर बचत को लेकर दबाव बिल्कुल न डालें. लेकिन अगर बच्चा 10 साल से बड़ा है तो फिर उसे धीरे-धीरे बचत के बारे जरूर बताएं, जब वो सेविंग के बारे में गहराई से जानेंगे तभी वो फिजूलखर्च रोकेंगे.

*आप बच्चों को सरल शब्दों में निवेश के बारे में बता सकते हैं. उन्हें बताइए कि आपको रोजाना जो पॉकेटमनी के तौर पर पैसे मिलते हैं, वह महीनेभर में कुल कितने रुपये हो जाते हैं. ताकि उन्हें लगे कि वे हर महीने कितने रुपये खर्च कर रहे हैं.

*आप अपने बच्चों को महीनेभर की पॉकेटमनी एक ही बार में सौंप दें, फिर उनसे पूछें कि आप इनमें कितने रुपये बचा सकते हैं. बचत के चक्कर में वो हर दिन कम खर्च करेंगे. इस कदम से निवेश के प्रति बच्चे का झुकाव बढ़ता जाएगा. इसके लिए बच्चे को गुल्लक खरीद कर दे सकते हैं.

*बच्चे को सीधे ये मत कहें कि तुम ये मत खरीदो, यहां घूमने मत जाओ, बाहर की चीजों को मत खाओ. ऐसे कहने से शायद वो दबाव में आ जाएं और उनपर बुरा असर पड़ सकता है. आजकल तमाम ऐसे वीडियोज हैं, जिसमें बच्चों को खेल-खेल में बचत से जुड़ी जानकारियां दी जाती हैं.

* एक और आसान तरीका है, जिस हर माता-पिता को अपने बच्चों पर आजमाना चाहिए, जब उन्हें लगे कि बच्चा बहुत ज्यादा फिजूलखर्च कर रहा है. ऐसे में माता-पिता को बच्चों से ऐसी चीजें खरीदने के बारे में बात करनी चाहिए, जिसमें बच्चों का ज्यादा लगाव रहता है.

उदाहरण के तौर पर मान लीजिए कि आपके पास कार नहीं है, अगर अगले दो-तीन वर्षों में आप खरीदने की सोच रहे हैं तो उन्हें बताएं आप कार खरीदना चाहते हैं, और इसके लिए सभी को पैसा जमा करना चाहिए. आपका ये कदम बच्चे को बचत के लिए उत्साहित करेगा और वे फिजूलखर्च की बजाय कार खरीदने के लिए पैसे जमा करने लगेंगे.

5-10 रुपये से बनेगा बड़ा फंड

अब आइए बताते हैं कि बच्चा कैसे 25 साल का होते ही जेब खर्चे में कटौती कर बड़ी राशि जमा कर लेगा. अगर आपका 10 साल बच्चा है, और वो रोजाना 10 रुपये बचाता है, तो महीने में 300 रुपये हो जाएगा. फिर साल में यही फंड 3600 रुपये का जाएगा. अगर केवल 5 रुपये भी बचाकर गुल्लक में डालता है तो सालभर में 1800 रुपये हो जाएगा.

राज कचौरी बनाने की सरल रेसिपी

ठंडे दही, चटनी एवं अनार के दानों से सजी स्वादिष्ट राज कचौरी खाने में बहुत अच्छी लगती है। स्नैक्स में आप इसे ट्राई कर सकते हैं। स्टार्टर में भी कई लोग राज कचौरी सर्व करना पसंद करते हैं। चाट के ठेले पर यह आपको अवश्य प्राप्त हो जाएगी। स्ट्रीट फूड के रूप में बिकने वाली राज कचौरी को आप बहुत सरलता से अपनी रसोई में तैयार कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने की विधि।

कचोरी के लिए जरूरी सामग्री

2 कप गेहूं का आटा,
आधा कप पिसी हुई चीनी,
आधा कप गुड़ की शक्कर,
1 कप देशी घी,
2 चम्मच बादाम गिरी,
2 चम्मच काजू गिरी,
आधा कप गोंद (भुना और दरदरा),
आधा कप मखाने (भुने और दरदरे),
1 चम्मच पिस्ता,
1 चांदी का वर्क,
2 चम्मच नारियल का चूरा,
1 चम्मच सोंठ.

राज कचौरी के लिए सामग्री

1 कप मूंग दाल
1 कप मैदा
1/4 कप सूजी
3 चुटकी बेकिंग सोडा
नमक स्वादअनुसार
1-2 हरी मिर्च, कटी हुई
1 इंच अदरक, बारीक कटा हुआ
1 छोटा चम्मच कटा हुआ ताजा हरा धनिया
एक चुटकी अजवाइन
एक चुटकी हल्दी पाउडर
1/4 छोटा चम्मच हींग

भराई के लिए सामग्री:-

1 बड़ा आलू, उबला और छिला हुआ
1 1/2 कप गाढ़ा दही
3 बड़े चम्मच पाउडर चीनी
नमक स्वादअनुसार
1/2 छोटा चम्मच चाट मसाला पाउडर
लाल मिर्च पाउडर छिड़कने के लिये
1/2 छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर
1 चम्मच हरी चटनी
1 चम्मच इमली की चटनी
आधा कप अनार के दाने सजाने के लिए
1 कुरकुरी पापड़ी
सेव नमकीन 1 चम्मच
गार्निश के लिए ताजा हरा धनिया कटा हुआ

राज कचौरी बनाने की विधि:-

राज कचौरी बनाने के लिए सबसे पहले मूंग की दाल को 2-3 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें। इतने में कचौरी का आटा तैयार कर लें। इसके लिए एक बाउल में मैदा, सूजी, नमक एवं बेकिंग सोडा डालकर मिक्स करें। पानी की सहायता से सॉफ्ट आटा तैयार कर लें। अब इस आटे को 20 मिनट के लिए सेट होने रख दें।

दोस्त बनाया है तो... दोस्ती पर ग़ौर भी करें

आपने अभी-अभी जिसको दोस्त बनाया है उसका व्यवहार और आदतें बहुत कुछ कह देती हैं। अगर किसी दोस्त के साथ वक़्त बिताने के बाद आप मानसिक रूप से थक जाते हैं या मन ख़राब हो जाता है तो शायद आपको उस दोस्ती का पुनर्मूल्यांकन कर लेना चाहिए।

एक बुरा दोस्त शुरुआत में अत्यंत भरोसेमंद और अच्छा होने का दिखावा कर सकता है, लेकिन समय-समय पर उसकी ईर्ष्या और स्वार्थ दिखाई दे जाते हैं, इसलिए उसके व्यवहार पर ध्यान देना ज़रूरी है।

अपना सारा काम आपसे करवा लेता है, लेकिन जब बात आपकी होती है तो तरह-तरह के बहाने दे सकता है।

आपकी सफलता से जलन का अहसास होगा।

आपके सामने आपकी तारीफ़ करेगा लेकिन पीठ पीछे बुराई करेगा।

आपकी उदासी और परेशानी नज़रअंदाज़ कर सकता है।

बार-बार मज़ाक़ के बहाने आपका अपमान कर सकता है।

आपको बदलने और नियंत्रित करने की कोशिश करेगा। आपके फैसले ख़ुद कर लेगा।

झूठ बोलने के लिए उकसा सकता है।

अस्वीकृत और असुरक्षित महसूस करा सकता है।

अपनी ग़लती मानने से इनकार कर देता है और वही ग़लती बार-बार दोहराता रहता है।

आपकी उपलब्धियों को छोटा दिखाता है और आपकी बात रोककर अपनी बात करता है।

बैकफुट पर ड्रैगन, भारत के इस पैंतरे से पस्त हुआ चीन

आयात में 23 फीसद से ज्यादा की गिरावट

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारत में होने वाले आयात को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन से इलेक्ट्रॉनिक सामान के आयात में गिरावट आई है। 2022-23 में चीन से लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर, इंटीग्रेटेड सर्किट और सोलर सेल जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान के आयात में कमी आई है।

इस वजह से आई गिरावट

जीटीआरआई की रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में आयात में गिरावट पीएलआई (प्रोडक्शन लिंकड इनिशिएटिव) की वजह से आई है। केंद्र सरकार ने इस योजना को मार्च 2020 में लॉन्च किया था। सरकार ने इस योजना की शुरुआत घरेलू उत्पादन को बढ़ाने और आयात बिल को कम करने के लिए किया था, जिसका इस रिपोर्ट में साफ असर दिख रहा है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार कंपनियों को भारत में बने प्रोडक्ट की बिक्री के आधार पर इंसेंटिव देती है।

23 फीसदी लैपटॉप और 4 फीसदी मोबाइल फोन का घटा आयात

रिपोर्ट के मुताबिक, 2021-22 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में लैपटॉप और पीसी का आयात 23.1 प्रतिशत घटकर 4.1 अरब डॉलर और मोबाइल फोन का आयात 4.1 प्रतिशत घटकर 85.7 करोड़ डॉलर रह गया। इसके अलावा इंटीग्रेटेड सर्किट का इनबाउंड शिपमेंट 4.5 प्रतिशत घटकर 4.7 अरब डॉलर रह गया। 2022-23 में यूरिया और अन्य उर्वरकों का आयात 26 प्रतिशत घटकर 2.3 अरब डॉलर रह गया।

चिकित्सा उपकरणों का आयात भी घटा

रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2021-22 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में चिकित्सा उपकरणों का आयात 13.6 प्रतिशत घटकर 2.2 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया।

इसके अलावा सोलर सेल, पुर्जे, डायोड का आयात 2022-23 में 70.9 प्रतिशत घटकर 1.9 अरब डॉलर रह गया।

96 फीसदी बढ़ा लिथियम आयन बैटरी का आयात

जीटीआरआई के अनुसार, भारत ने लिथियम आयन बैटरी के आयात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की है। रिपोर्ट के मानें तो भारत ने लिथियम-आयन बैटरी का आयात पिछले वित्त वर्ष में लगभग 96 प्रतिशत बढ़कर 2.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। भारत में तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड के चलते ये वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा चीन से मशीनरी, रसायन, स्टील, पीवीसी राल और प्लास्टिक के आयात में वृद्धि शामिल है।

गिरावट के बावजूद चीन सबसे बड़ा आयातक

रिपोर्ट के मुताबिक चीन से आयात में आई गिरावट के बावजूद भारत चीनी सामान का सबसे बड़ा आयातक रहा है। भारत अब भी चीन के विभिन्न सामानों पर निर्भर है। 2022-23 के दौरान चीन से भारत का कुल आयात लगभग 91 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच गया। 2021-22 में यह 94.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। वहीं अगर निर्यात की बात करें तो चीन; अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड के बाद भारत का चौथा सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन है।

सरकार ने दी राहत, पेट्रोलियम क्रूड पर विंडफॉल टैक्स घटाकर शून्य किया

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोलियम क्रूड को सस्ता कर दिया है और इसके दाम 4100 रुपये प्रति टन से घटाकर शून्य कर दिए हैं। इस तरह क्रूड पर विंडफॉल टैक्स को खत्म कर दिया है और ये राहत आज से लागू हो गई है। केंद्र सरकार के एक नोटिफिकेशन के मुताबिक ये जानकारी मिली है। सरकार ने पहली बार पिछले साल जुलाई में ही इस विंडफॉल टैक्स को लगाया था और तब से ये ही सिलसिला चल रहा है।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल पर विंडफॉल टैक्स को शून्य पर ही छोड़ा है। हर 15 दिन में तेल

कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर सरकार तेल के ऊपर विंडफॉल टैक्स की समीक्षा करती है और इसमें बदलाव करती है।1 मई को सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड पर विंडफॉल टैक्स को घटाकर 4100 रुपये प्रति टन कर दिया था जिसे डॉलर में देखा जाए तो 50.14 डॉलर प्रति टन पर रखा गया। 19 अप्रैल को क्रूड पर लगने वाली लेवी को 6400 रुपये प्रति टन किया गया था। इसके अलावा और पीछे की बात की जाए तो 4 अप्रैल को सरकार ने क्रूड पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 3500 रुपये प्रति टन से घटाकर शून्य कर दिया था।

भारत में जुलाई 2022 में पहली बार विंडफॉल टैक्स को लगाया गया था और ये क्रूड ऑयल उत्पादकों पर इसलिए लगाया गया था जिससे गैसोलीन, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल को देश से बाहर बेचने पर मिले लाभ पर लेवी ली जा सके।

दरअसल निजी रिफाइनरीज अंतराष्ट्रीय बाजार में बेचने के जरिए इन पेट्रोलियम उत्पादों पर ज्यादा मुनाफा कमा रही थी और घरेलू बाजार की बजाए वहां ऑयल प्रोडक्ट्स बेचने की कोशिशों में थी जिसे कम करने के लिए सरकार ने ये विंडफॉल टैक्स लगाया।

2736 रक्षा उत्पादों का अब देश में ही होगा निर्माण, सरकार की सूची में 164 नई चीजें और जोड़ी गईं

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के लिए 814 करोड़ रुपये के आयात प्रतिस्थापन मूल्य के साथ 164 वस्तुओं का दिसंबर 2022 तक स्वदेशीकरण किया जाना था। इस लक्ष्य को समय सीमा के भीतर हासिल कर लिया गया है। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के तहत रक्षा उत्पादन विभाग की ओर से इसे अधिसूचित कर दिया गया है। इससे पहले भी 1,756 करोड़ रुपये के आयात प्रतिस्थापन मूल्य के साथ 2,572 वस्तुओं के सफल स्वदेशीकरण को अधिसूचित किया गया था।

एचडीएफसी की दोनों कंपनियों ने किया डिविडेंड का एलान

गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे शेयर

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के शेयरों की कीमतों में आज मंगलवार के कारोबारी सत्र के दौरान गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं। दोनों ने आज अपने निवेशकों को डिविडेंड देने का एलान किया है। एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 23 के लिए 1900 प्रतिशत लाभांश और एचडीएफसी 2200 प्रतिशत लाभांश दिया है। खबर लिखे जाने तक, 16 मई के कारोबारी सत्र में, एचडीएफसी बैंक बीएसई पर 1,656.95 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो 19.25 रुपये या 1.2 फीसद नीचे था। स्टॉक अपने दिन के निचले स्तर 1,653.55 रुपये के करीब था। खबर लिखे जाने तक एचडीएफसी के शेयर की कीमत बहुत अधिक स्तर पर गिर गई है। बीएसई पर कंपनी के शेयर 47.05 रुपये या 1.7 फीसदी की गिरावट के साथ 2,737 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे हैं। शुरुआती कारोबार में कंपनी के स्टॉक 2,730 रुपये के निचले स्तर को छू गया था।

क्या होता है पूर्व लाभांश ?

पूर्व-लाभांश तिथि से पहले, बीएसई पर एचडीएफसी बैंक के शेयर 1,676.20 रुपये पर 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए थे। जबकि एचडीएफसी के शेयर की कीमत 0.3 प्रतिशत बढ़कर 2,784.05 रुपये पर बंद हुई। पूर्व-लाभांश तिथि वह दिन होती

है, जब किसी कंपनी के इक्विटी शेयरों की कीमत लाभांश भुगतान के लिए समायोजित हो जाती है।

22 फीसदी अधिक डिविडेंड दे रहा है एचडीएफसी बैंक

एचडीएफसी बैंक ने पिछले महीने अप्रैल में वित्त वर्ष 2023 के मुनाफे से 19 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के डिविडेंड देने की घोषणा कि थी। पिछले वित्त वर्ष में भुगतान किए गए लाभांश की तुलना में नवीनतम लाभांश 22.58 प्रतिशत से अधिक है। वित्तीय वर्ष22 में, बैंक ने शेयरधारकों को 15.50 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (1550 प्रतिशत) का लाभांश दिया था।

2001 के बाद एचडीएफसी का सबसे ज्यादा डिविडेंड

एनबीएफसी दिग्गज, एचडीएफसी 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 2 रुपये प्रत्येक फेस वैल्यू के इक्विटी शेयर पर 44 रुपये का लाभांश देने दे रहा है।

आपको बता दें कि वित्तीय वर्ष23 के डिविडंड जून 2001 के बाद से सबसे ज्यादा है। पिछले वित्तीय वर्ष वित्तीय वर्ष22 में, लाभांश भुगतान 30 रुपये प्रति शेयर पर 1500 प्रतिशत था; और वित्तीय वर्ष21 में, भुगतान किया गया लाभांश 23 रुपये प्रति शेयर पर 1150 फीसदी था।

गूगल के सीईओ जेब में रखते हैं वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट

अनुराग ठाकुर बोले- भारत में गरीब के फोन में भी होता है सर्टिफिकेट..इस पर गर्व होना चाहिए

शिमला, 16 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार (16 मई) को हिमाचल के शिमला में रोजगार मेले को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की जमकर तारीफ की। इस दौरान उन्होंने गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के साथ मुलाकात के दौरान हुई एक चर्चा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, 'गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई मुझसे दिल्ली में एक कार्यक्रम में मिले। वहां उन्होंने अपनी जेब से एक कागज निकाला और कहा कि मुझे दुनियाभर में जाने के लिए अपने वैक्सीन सर्टिफिकेट की हार्ड कॉपी अपने पास रखनी पड़ती है। लेकिन, हमारे भारत में गरीब से गरीब व्यक्ति के पास भी उनके मोबाइल फोन में यह सर्टिफिकेट होता है। दुनिया का कोई देश नहीं कर पाया, जो मेरे हिंदुस्तान ने करके दिखाया। हमें इस बात

पर गर्व होना चाहिए।'

अब तक 2.88 लाख लोगों को दिया गया अपॉइंटमेंट लेटर

अनुराग ठाकुर ने बताया कि 'अब तक 2.88 लाख लोगों को सरकारी नौकरी का अपॉइंटमेंट लेटर दिया जा चुका है। इसके साथ ही उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि 'हर हाथ काम, हर युवा का सम्मान।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए कृतसंकल्पित है। इसी दिशा में आज प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देश पर 5वें रोजगार मेला के उद्घाटन अवसर पर 70 हजार से अधिक युवाओं को भारत सरकार के विभिन्न विभागों में सरकारी नौकरी का अपॉइंटमेंट लेटर दिया जाना हर्ष का विषय है। रोजगार मेला कार्यक्रम के अन्तर्गत आज शिमला में हिमाचल के 561 युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र देकर उनके सुखद व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।'

एलन मस्क का टेस्ला के अधिकारियों को निर्देश- 'बिना मेरी इजाजत के कोई भर्ती नहीं होगी'

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा है कि कंपनी में अब उनकी निजी मंजूरी के बिना किसी की भी भर्ती नहीं होगी। अधिकारियों को भेजे गए एक ईमेल में मस्क ने निर्देश दिए हैं कि जिन भी लोगों को भर्ती किया जाना है, उनके नामों की लिस्ट हर हफ्ते उन्हें भेजी जाए। इतना ही नहीं अधिकारियों को भर्ती के लिए सावधानी से सोचने की भी हिदायत दी गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मस्क ने कहा है कि जब तक भर्ती अधिकारियों को उनकी ओर से मंजूरी का ईमेल न मिल जाए, तब तक कोई टेस्ला जॉइन नहीं कर सकता। यहां तक कि कोई कॉन्ट्रैक्टर भी नहीं। गौरतलब है कि पिछले महीने ही कंपनी ने अपना सबसे कम तिमाही मुनाफा दिखाया था। यह बाजार के अनुमान से भी कम रहा, क्योंकि टेस्ला लगातार मांग बढ़ाने के लिए अमेरिका और चीन जैसे देशों में अपनी कारों की कीमतों में कटौती कर रही है।

मस्क ने पिछले हफ्ते ही एलान किया था कि वह ट्विटर का सीईओ पद छोड़ रहे हैं। मस्क ने इस पर के लिए एनबीसी यूनिवर्सल की एडवर्टाइजिंग प्रमुख लिंडा यैकैरिनो को नियुक्त किया था और कहा था कि इससे उन्हें टेस्ला पर ध्यान देने का ज्यादा समय मिलेगा। माना जा रहा है कि इसके बाद मस्क जल्द ही टेक्सास के ऑस्टिन में स्थित टेस्ला के हेडक्वार्टर में शेयरधारकों से बात कर सकते हैं।

अब तेलंगाना में बनेगा एप्पल का प्रोडक्ट

फॉक्सकॉन ग्रुप करेगा 500 मिलियन डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। एप्पल कंपनी अब भारत में अपने बिजनेस का विस्तार करने जा रही है। एप्पल का सप्लायर फॉक्सकॉन तेलंगाना में 500 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। फॉक्सकॉन हैदराबाद के पास रंगारेड्डी जिले के कोंकर कलां में प्लांट स्थापित करेगा। तेलंगाना के शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्टट के पहले स्टेज में 25,000 नौकरियों के अवसर पैदा होंगे।

चीन से निकलना चाह रही एप्पल कंपनी

तेलंगाना सरकार और फॉक्सकॉन के ज्वाइंट स्टेटमेंट में कंपनी के द्वारा नए प्लांट के जरिए वर्ल्ड क्लास प्रोडक्ट्स डिलीवर करने का वादा किया गया है। बयान में कंपनी ने राज्य को कारोबार के लिए माहोल देने के लिए धन्यवाद कहा। कोविड महामारी और बीजिंग में सख्त लॉकडाउन की वजह चीन में फॉक्सकॉन कंपनी को एप्पल के नए डिवाइस और अन्य तरह के प्रोडक्शन पर असर पड़ा था। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच टेंशन की वजह से भी कंपनी अपने प्रोडक्शन को चीन से निकालना चाह रही है।

एप्पल कंपनी ने बेंगलुरु में खरीदी थी जमीन

पिछले महीने एप्पल ने दिल्ली और मुंबई में दो स्टोर खोलने थे, जिसके कार्यक्रम में सीईओ टिम कुक भारत आए थे। इन दौरान उन्होंने पीएम मोदी सहित कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की थी। एप्पल भारत में अपने आधिकारिक स्टोर खोलकर सीधे भारतीय बाजार में एंट्री कर रहा है।

निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 62,000 के नीचे फिसला

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का ट्रेडिंग सेशन बेहद निराशाजनक रहा। निवेशकों की मुनाफावसूली खासतौर से बैंकिंग स्टॉक्स में बिकवाली के चलते शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 413 अंकों की गिरावट के साथ 62000 के नीचे 61,932 अंकों पर बंद हुआ है। तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 112 अंकों की गिरावट के साथ 18286 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज के कारोबार में बैंकिंग, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, इंफ्रा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि आईटी, सरकारी बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 13 शेयर तेजी के साथ और 17 नीचे गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 19 शेयर तेजी के साथ और 31 नीचे गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार में गिरावट के बावजूद मिड कैप इंडेक्स तेजी के साथ बंद हुआ है जबकि स्मॉल कैप इंडेक्स गिरकर बंद हुआ। आज के कारोबार में बजाज फाइनैंस 0.98 फीसदी, एसबीआई 0.88 फीसदी, एनटीपीसी 0.85 फीसदी, एचयूएल 0.51 फीसदी, इंफोसिस 0.43 फीसदी, टाइटन कंपनी 0.43 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.40 फीसदी, विप्रो 0.27 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एचडीएफसी 2.21 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.84 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.76 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.170 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.57 फीसदी, भारती एयरटेल 1.52 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज के कारोबारी सत्र में गिरावट के चलते निवेशकों को नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 278.11 लाख करोड़ रुपये रहा है जो सोमवार को 278.98 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के सत्र में निवेशकों को 87,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

चांदी के दाम में जबरदस्त गिरावट, सोना भी खूब सस्ता

जानें 10 ग्राम गोल्ड का लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारतीय कमोडिटी बाजार में आज सोने के दाम में जोरदार गिरावट देखने को मिली है और चांदी भी खूब सस्ती हुई है। इसके चलते सोना और चांदी खरीदने वालों के चेहरे पर उत्साह देखा जा सकता है। आज सोने और चांदी के दाम में ये गिरावट डॉलर की मजबूती की वजह से देखने को मिल रही है।

एमसीएक्स पर कैसे हैं सोने-चांदी के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स बेहद बड़ी गिरावट के साथ कारोबार कर रही हैं। सोना आज 252 रुपये या 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ 60775 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। इसके दाम में आज करीब आधा फीसदी की गिरावट देखी जा रही है और ये सोने के मौजूदा ट्रेंड के हिसाब से खरीदारी का अच्छा मौका साबित हो सकता है। आज सोने के दाम में 60677 रुपये का लो लेवल देखा गया है और ऊपरी तरफ 61498 रुपये का हाई देखा गया था।

एमसीएक्स पर चांदी का रेट

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी में आज सोने से भी ज्यादा गिरावट देखी जा रही है और ये 700 रुपये से ज्यादा टूटी है। आज एमसीएक्स पर चांदी 748 रुपये या 1.02 फीसदी की भारीभरकम गिरावट पर 72654 रुपये के रेट पर कारोबार कर रही है।

एमसीएक्स पर चांदी के रेट नीचे में 72460 रुपये तक गिरे थे और ऊपर में 73298 रुपये प्रति किलो तक के रेट पर गए थे।

जानें आपके शहर में रिटेल बाजार में सोने के दाम

दिल्ली में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम आज 62060 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। बंग्लुरू में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम आज 61960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। चेन्नई में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम आज 62380 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। चंडीगढ़ में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम आज 62060 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। गाजियाबाद में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम आज 62060 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। कोलकाता में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम आज 61910 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं।मुंबई में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम आज 61910 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। हैदराबाद में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने के दाम आज 61910 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	मेष--	03-57 बजे
चंद्र-	मीन में	वृष--	05-41 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	07-41 बजे
बुध-	मेष में	कर्क....	09-54 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह....	12-06 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	14-12 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला....	16-18 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	18-28 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	20-42 बजे
		मकर..	22-47 बजे
		कुंभ....	00-38 बजे
		मीन ..	02-16 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-47 सूर्य अस्त- 18-37
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तरे - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 22 -28 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , बुधवार May 17
नक्षत्र - रेवती - 07- 38 - तक उपरान्त अश्विनी
योग - आयुष्मान - 21 - 16 - तक उप - सौभाग्य
करण- गर - 11 -00 - तक उप- वणिज
विशेष:- प्रदोष व्रत, पंचक
व्रत -त्योहार - मास शिवरात्रि

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:13 से 13:50 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:47 - 07:22	शुभ	उत्पात	18:37 - 20:03	अशुभ
अमृत	07:22 - 08:59	शुभ	शुभ.	20:03 - 21:26	शुभ
काल	08:59 - 10:36	अशुभ	अमृत	21:26 - 22:49	शुभ
शुभ.	10:36 - 12:13	शुभ	चंचल	22:49 - 00:12	शुभ
रोग	12:13 - 13:50	अशुभ	रोग	00:12 - 01:35	अशुभ
उत्पात	13:50 - 15:26	अशुभ	काल	01:35 - 02:59	अशुभ
चंचल	15:26 - 17:03	शुभ	लाभ	02:59 - 04:22	शुभ
लाभ	17:03 - 18:37	शुभ	उत्पात	04:22 - 05:47	अशुभ

आपका राशिफल

मेष – चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपकी सबसे बड़ी संपत्ति आपका सेंस ऑफ ह्यूमर है, इसे अपनी बीमारी को ठीक करने के लिए उपयोग करने का प्रयास करें। दोस्तों के साथ किसी पार्टी में आज आपका अच्छा खासा पैसा खर्च हो सकता है लेकिन बावजूद इसके आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। समय के लिए आपको यह समझने की आवश्यकता है।

वृष – ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप तनावमुक्त महसूस कर रहे हैं और आनंद लेने के लिए सही मनोदशा में हैं। अगर आप कर्ज लेने वाले थे और लंबे समय से इस काम में लगे हुए थे तो आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली है। परिवार के लोग आपकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाएंगे। यह उम्मीद न करें।

मिथुन – का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक मेलजोल में शामिल हों। इलेक्ट्रॉनिक सामानों का कारोबार करने वाले इस राशि के जातकों को आज धन हानि हो सकती है। आप जिस बड़े सौदे का इंतजार कर रहे थे, वह रद्द हो सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके आस-पास के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा।

कर्क – ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपको अपने महसूस करने के तरीके को नियंत्रित करना होगा। घर में किसी फंक्शन के आयोजन होने के कारण आज आपको अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ेगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अपने जीवन में एक उदात्त लय का निर्माण करें।

सिंह – मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
बेचैनी आपकी मानसिक शांति भंग कर सकती है। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको पैसे बचाने के महत्व पर लेक्चर दे सकता है। आपको उनकी बातों को बहुत ही ध्यान से सुनने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
किसी साधु-संत का आशीर्वाद मन को शांति देगा। हालांकि पैसा आपके लिए एक महत्वपूर्ण तत्व है, लेकिन इसके प्रति इतना संवेदनशील न हो जाएं कि यह आपके रिश्तों को खराब कर दे। माता-पिता द्वारा आपको गलत समझा जाने की संभावना है क्योंकि आप अपनी बात रखने में विफल रहे।

तुला – रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
काम के बीच में आराम करने की कोशिश करें और देर रात तक जाने से बचें। भाई-बहनों के सहयोग से आज आपको धन लाभ की प्राप्ति होगी। अपने भाई-बहनों से सलाह लें। बच्चे की पढ़ाई को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। इस समय आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा होगा।

वृश्चिक – लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
शारीरिक बीमारी से आपके ठीक होने की संभावना अधिक है जो आपको खेल प्रतियोगिता में भाग लेने में सक्षम बनाएगी। अतीत में आपने अपने भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए जो पैसा लगाया था, आज उसका फल मिलेगा। कोई ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप रहते हैं, आज आपकी हाल की हरकतों से काफ़ी चिढ़ेगा।

धनु – ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। यदि आपने पूर्व में दूसरों को कोई बड़ी रकम उधार दी थी, तो आज आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। अपनी परेशानियों को बढ़ाते हुए, जरूरत पड़ने पर आप इसे वापस पाने में असमर्थ रहेंगे।

मकर – मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
अपने आप को उन गतिविधियों में शामिल रखें जो आपको शांत रखने में मदद करें। बिना किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह के आज कोई भी ऐसा कदम या कार्य न करें जिससे आर्थिक हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में कोई पुराना मित्र सुखद मुलाकात करेगा।

कुंभ – गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
वाहन सावधानी से चलाएं, खासकर यदि आप देर रात यात्रा करते हैं। आपको सबसे अप्रत्याशित स्रोतों से कमाई होने की संभावना है। तनाव का दौर बना रह सकता है लेकिन परिवार का सहयोग आपके लिए मददगार रहेगा। अपने प्रिय की कमियां निकालने में अपना समय बर्बाद न करें।

मीन – दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अपनी शारीरिक सहनशक्ति को बनाए रखने के लिए आपको अपना समय खेलों में बिताने की संभावना है। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक मोर्चे पर कुछ समस्याएं परिवार की शांति और स्वस्थ वातावरण को बिगाड़ सकती हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गहलोत समर्थक मंत्री-विधायकों का पायलट पर पलटवार

डूडी बोले- पायलट के तीनों मुद्दे गलत, मंत्री ने कहा- सरकार रिपीट नहीं हो इसकी सुपारी ली

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस में सचिन पायलट और अशोक गहलोत खेमों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। सचिन पायलट के जयपुर में सभा करके तीन मुद्दों पर आंदोलन का अल्टीमेटम देने से कांग्रेस में खींचतान तेज हो गई है।

गहलोत समर्थक मंत्री और विधायकों ने सचिन पायलट पर पलटवार किया है। मंत्री महेश जोशी, रामलाल जाट और सुभाष गर्ग ने पायलट का नाम लिए बिना उनके उठाए मुद्दों पर पलटवार किया है।

डीडवाना से विधायक चेतन डूडी ने पायलट का नाम लेकर जवाबी हमला बोलते हुए पायलट पर युवाओं को भ्रमित करने का आरोप लगाया। मंत्री सुभाष गर्ग ने पायलट पर सरकार रिपीट नहीं होने की सुपारी लेने का आरोप लगाया है। मंत्री सुभाष गर्ग ने नाम लिए बिना पायलट खेमे पर निशाना साधा। गर्ग ने ट्वीट किया- ये बात आलाकमान जानता है या नहीं कि सरकार रिपीट न हो इस बात की सुपारी किस-किस ने ली है?

प्रदेश में बजट व महंगाई राहत कैम्प अभियान के बाद जो माहौल बना है वो सुपारी लेने वालों के गले नहीं उतर रहा है।

डूडी ने कहा- पायलट के तीनों मुद्दे समझ से परे, युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं

डीडवाना से कांग्रेस विधायक चेतन डूडी ने पायलट के उठाए तीनों मुद्दों पर तल्ख पलटवार किया। डूडी ने कई ट्वीट पर पायलट पर सीधा हमला बोला। चेतन डूडी ने पायलट पर इशारों में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिलीभगत का आरोप लगाया।चेतन डूडी ने ट्वीट किया- राजस्थान में सबसे बड़ा संजीवनी घोटाला है, इसमें लाखों लोगों के घर लुट गए। रैली में संजीवनी घोटाले के प्रमुख आरोपी का नाम भी नहीं लिया और रैली के बाद प्रमुख आरोपी ने पायलट साहब की तारीफ में ट्वीट किया। यही आज की रैली की सच्चाई है, क्योंकि दोस्ती तो मानेसर के समय से ही है।

पायलट के तीनों मुद्दे अव्यवहारिक और समझ से परे

चेतन डूडी ने लिखा- सचिन पायलट ने जिन तीन मुद्दों को उठाया वो अव्यवहारिक और

समझ से परे हैं। क्या आपको पता नहीं कि आरपीएससी स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। जो कभी भी भंग नहीं की जा सकती? आरपीएससी सदस्य का तो इस्तीफा भी राष्ट्रपति द्वारा मंजूर किया जाता है। आप क्यों युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं?

डूडी ने आगे लिखा- पायलट साहब बताएं कि वसुंधरा सरकार के कौनसे मामले अब भी पेंडिंग हैं। इनकी वो जांच करवाना चाह रहे हैं। क्योंकि सरकार आते ही सबसे पहले हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट से इन मामलों का निस्तारण हो चुका है। सभी खानें भी निरस्त हो चुकी हैं। राजस्थान में पेपर लीक पर 150 से ज्यादा लोगों को जेल में डाला गया है। पेपर लीक पर विशेष कानून और एसटीएफ बनाई गई है।

यहां प्रतियोगी परीक्षा ना हो पाने पर एग्जाम फीस वापस हुई है। अब सरकारी भर्तियों में वन टाइम रजिस्ट्रेशन लागू किया है। इसके बाद परीक्षाओं की कोई फीस नहीं ली जाएगी।

डूडी ने लिखा- पेपर लीक पर मुआवजा देने की मांग सिर्फ अपनी झूठी वाहवाही के लिए है, क्योंकि ऐसा किसी राज्य में नहीं होता। आज तक इतिहास में किसी नेता ने ऐसी मांग नहीं की। जितनी कड़ी कार्रवाइयां पेपर लीक पर राजस्थान में हुई है। वो दूसरे किसी राज्य में नहीं हुई है। ये युवा अच्छे से जानते हैं।

'सरकार पर आरोप लगाने वाले खुद पर भी आरोप लगा रहे'

जलदाय मंत्री महेश जोशी ने ट्वीट करके पायलट पर पलटवार किया। जोशी ने लिखा- अत्यंत आश्चर्यजनक और खेदजनक है कि कुछ जिम्मेदार लोग अपनी ही सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। अपनी ही सरकार पर आरोप लगाने से पहले उन्हें ये सोचना था कि वे ये आरोप खुद पर भी लगा रहे हैं।

आरोप लगाने वालों को ये अच्छे से पता है कि जब कभी भी भ्रष्टाचार की बात सामने आई है तो मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सशक्त चोट की है।

भ्रष्टाचारियों के खिलाफ एसीबी की कार्रवाई इस बात पर प्रकाश डाल रही है कि भ्रष्टाचारी चाहे कितना भी बड़ा हो। एसीबी द्वारा बेहिचक और बड़ी सख्ती से कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

सचिन पायलट के बीजेपी राज के करप्शन पर कार्रवाई नहीं करने के आरोपों पर राजस्व मंत्री रामलाज जाट ने नाम लिए बिना जवाब दिया है। रामलाल जाट ने ट्वीट किया- कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार और पेपर लीक के खिलाफ ऐतिहासिक एक्शन हुए हैं। पिछली सरकार के गलत फैसलों के खिलाफ राज्य सरकार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी और सभी मामलों का निस्तारण हुआ और कार्रवाई की गई।

जाट ने आगे लिखा- वसुंधरा सरकार के समय के खनन आवंटन, बजरी खनन और ईरानी कालीन प्रकरण पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ चुका है। ललित मोदी का मामला ईडी के पास लंबित है। पेपर लीक में आरपीएससी सदस्य तक को जेल में डाला गया है।

युवाओं के भविष्य के लिए विशेष कानून बनाया और एसटीएफ का गठन किया गया है। करीब पौने दो लाख युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी दी गई है। एसीबी ने रिकॉर्ड कार्रवाई की और भ्रष्टाचारियों को जेल में डाला है।

20 फीट ऊंचे फ्लाईओवर से गिरा ट्रेलर, ड्राइवर जिंदा जला

झपकी आने से हुआ बेकाबू, केबिन से बाहर नहीं निकल पाया

चाकसू, 16 मई (एजेंसियां)। जयपुर में 20 फीट ऊंचे फ्लाईओवर से ट्रेलर नीचे गिर गया। ट्रेलर के नीचे गिरने से उसका केबिन क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर अंदर फंस गया। इस दौरान ट्रेलर में आग लग गई और ड्राइवर जिंदा जल गया। हादसा शिवदासपुरा थाना इलाके में रिंग रोड पर हुआ।

थाना प्रभारी ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि हादसा सुबह करीब 5 बजे रिंग रोड पर बोरडियो की ढाणी के पास बने अंडरपास पर हुआ। लोहे की एंगल से भरा एक ट्रेलर आगरा रोड कानोता की ओर से अजमेर रोड की तरफ जा रहा था। इस दौरान फ्लाईओवर पर बने ओपन कट से ट्रेलर नीचे अंडरपास में जा गिरा। करीब 20 फीट ऊंची रिंग रोड से नीचे गिरते ही ट्रेलर में आग लग गई। ट्रेलर में लगी आग को देखकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। हादसे की सूचना पर शिवदासपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फायर बिग्रेड की मदद से करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि आग बुझाने के बाद क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे ड्राइवर के शव को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रेलर को भी सड़क किनारे करवाकर ट्रैफिक को चालू करवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि रिंग रोड पर ट्रेलर लेकर जाते समय ड्राइवर को झपकी आ गई, जिससे ट्रेलर आउट ऑफ कंट्रोल होकर ओपन कट से नीचे अंडरपास में जा गिरा। थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रेलर के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मालिक से कॉन्टैक्ट किया गया है। जोधपुर निवासी ट्रेलर मालिक लादूराम बंजारा ने बताया कि ट्रेलर का ड्राइवर तरुण (34) अलवर के रूपवास का रहने वाला था। वह कोलकात्ता से लोहे की एंगल से भरा ट्रेलर लेकर निकला था।

किडनैप कर कॉलेज स्टूडेंट से रेप

ज्वेलरी दिखाने के बहाने गाड़ी में बैठाया, पांच मई को थी युवती की शादी

चूरू, 16 मई (एजेंसियां)। जिले के भालेरी थाना के गांव खण्डवा की कॉलेज स्टूडेंट को ज्वेलरी दिखाने के बहाने अगवा कर रेप करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर महिला थाने में सोमवार देर शाम नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला थाना पुलिस ने आईपीसी और एससी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर युवती का डीबी अस्पताल में मेडिकल करवाया।

महिला थानाधिकारी इंद्रलाल महर्षि ने बताया कि भालेरी थाना के गांव खण्डवा की 20 वर्षीय युवती ने अपने पिता के साथ महिला थाने पहुंचकर रिपोर्ट दी कि पांच मई 2023 को युवती की शादी होनी थी। एक मई को उसे चूरू के गवर्नमेंट लोहिया कॉलेज में एग्जाम देने आना था। उसके पिता ने युवती को दो लाख रुपए दिए और कहा कि चूरू में मूलचंद सोनी को दुकान पर यह रुपए देने हैं। वहां से आते समय शादी के लिए बनाए गई ज्वेलरी लेकर आनी है। युवती रुपए लेकर मूलचन्द सोनी की दुकान पर गई। दो लाख रुपए मूलचन्द को दिए तभी आरोपी मूलचंद सोनी ने कहा कि गहने दूसरी दुकान पर हैं। गाड़ी में बैठकर उस दुकान पर चलते हैं।

मूलचन्द सोनी ने उसे गाड़ी में बैठा लिया और गाड़ी को दूसरी दुकान पर ले जाने की बजाय रतनगढ़ रोड़ पर ले गया। जब युवती ने विरोध किया तो उसने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। मूलचन्द सोनी उसे डरा धमकाकर जान का भय दिखाकर जबरदस्ती पहले गुजरात के एक होटल में और बाद में जयपुर ले गया। जहां उसकी इच्छा के विरुद्ध डरा धमकाकर उससे रेप किया। पुलिस ने कॉलेज स्टूडेंट की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयपुर-जोधपुर जिले के टुकड़े नहीं होने के संकेत!

फाइलें नहीं भेजने से नाराज मंत्री ने अफसर को हटवाया; सीएस की दावेदार शुभ्रा जयपुर लौटीं

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। प्रदेश में विधानसभा चुनावों से ठीक छह महीने पहले सीएम अशोक गहलोत ने ब्यूरोक्रेसी को जबरदस्त तरीके से मथ दिया है। सोमवार शाम 74 आईएएस अफसरों की तबादला सूची जारी की गई। लिस्ट में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात रही कि 19 में से 15 जिलों में ही ओएसडी लगाए गए।

जो चार जिले रह गए, उनमें जयपुर-जोधपुर के 2-2 जिले शामिल हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद विरोध को देखते हुए जयपुर-जोधपुर के टुकड़े न किए जाएं। इसके अलावा ट्रांसफर लिस्ट के जरिए सरकार ने मैसेज देने की कोशिश की है कि भ्रष्ट या विवादों में रहने वाले अफसरों को किनारे किया ही जाएगा।

मामला चाहे नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव कुंजीलाल मीणा का हाल ही में एसीबी की नामजद रिपोर्ट में नाम आने का रहा हो या अजमेर कलेक्टर अंशदीप और भरतपुर कलेक्टर आलोक रंजन द्वारा रिजल्ट नहीं दे पाने का हो।

लगातार जन प्रतिनिधियों के स्तर पर शिकायतें आना और हाल ही सैनी-माली समाज के आंदोलन को जिला स्तर पर निपटा नहीं पाने का खमियाजा आलोक रंजन को भुगतना पड़ा। उधर, अजमेर कलेक्टर अंशदीप का मुख्य विपक्षी दल भाजपा के नेताओं से टकराव लगातार बढ़ रहा था। वहीं, कहा जा रहा है कि कृषि मंत्री से पटरी नहीं बैठ पाने के कारण विभाग के प्रमुख सचिव को हटा दिया गया है।

नए 4 जिलों में विशेषाधिकारी नहीं लगाने के मायने क्या?

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एग्रोपिएशन बिल के दौरान 19 नए जिले बनाने की घोषणा की थी। अब तक न तो उन जिलों का सीमांकन हुआ और न ही अधिसूचना जारी हुई। अब 19 में से 15 जिलों में आईएएस अफसरों को विशेषाधिकारी लगाया गया है। इनमें 12 अफसर प्रमोटी आईएएस हैं। जयपुर व जोधपुर के 2-2 हिस्से

करके बनाए गए 4 जिलों में ओएसडी नहीं लगाए हैं।

राज्य के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएन भंडारी का कहना है कि चूंकि अधिसूचना जारी नहीं हुई है, ऐसे में डायरेक्ट कलेक्टर नहीं बनाया जा सकता। हालांकि, पहले जब भी जिले बनाए गए थे, तो अधिसूचना जारी करते ही सीधे कलेक्टर की पोस्टिंग होती रही है।

बीच में विशेषाधिकारी लगाने जैसी कोई व्यवस्था नहीं रही है। विशेषाधिकारी लगाने का सीधा सा मतलब ही यही है कि जिन जगहों को जिला बनाने की घोषणा की गई है, वहां कलेक्टर या जिला स्तरीय अधिकारियों के बैठने, कार्य करने, रहने आदि की कोई व्यवस्था ही नहीं है।

पहले भी गहलोत ने लगाई थी फटकार

अप्रैल-2021 से नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव कुंजीलाल मीणा हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरते दिखे थे। सप्ताह भर पहले उदयपुर में एक जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक दलाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद एसीबी ने मीणा के खिलाफ भी नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। इससे पहले एक अन्य सरकारी मीटिंग में प्रशासन शहरों के संग अभियान में तय काम पूरे नहीं होने पर सीएम गहलोत ने मीणा और तत्कालीन स्वायत्त शासन सचिव भवानी सिंह देथा दोनों को फटकार भी लगाई थी। मीणा को अब महानिदेशक (पंचायत राज संस्थान) के पद पर लगाया गया है।

दिल्ली से जयपुर बुलाना सीएस की रेस में शामिल होने का इशारा!

शुभ्रा सिंह दिल्ली में राजस्थान सरकार की रेजिडेंट कमिश्नर पद पर कार्यरत हैं। उन्हें अचानक जयपुर बुलाकर चिकित्सा विभाग की कमान सौंपी गई है। यह विभाग सीएम की फ्लैगशिप योजनाओं का सबसे बड़ा विभाग है। सिंह के करियर में यह सबसे बड़ी पोस्टिंग है। ब्यूरोक्रेसी के गलियारों में इसे लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। चूंकि वे मुख्य सचिव ऊषा शर्मा के बाद चौथे नंबर पर सबसे वरिष्ठ आईएएस अफसर हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि वे भी मुख्य सचिव की रेस में शामिल हैं।

कटारिया की शिकायत पर दिनेश कुमार को हटाया

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बजट से पहले कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव को हटाने की मांग की थी। दोनों के बीच पटरी नहीं बैठ रही थी। इसी के मद्देनजर दिनेश कुमार का तबादला सामान्य प्रशासन विभाग में कर दिया गया है।

ग्रामीण विकास विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने हाल ही मंत्री रमेश मीणा के साथ काम-काज में सुविधाजनक माहौल न होने की बात ऊपर तक पहुंचाई थी। जैन ने मुख्य सचिव के समक्ष तबादले की गुहार लगाई थी और अपनी पीड़ा व्यक्त की थी। असल में हाल ही विभाग की कुछ महत्वपूर्ण फाइलों को जैन ने विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार के पास भेजा था। बाद में उन फाइलों को कुमार ने मंत्री मीणा को मार्क किया था। इस पर मीणा ने नाराजगी जताई थी कि जैन ने पहले ही फाइलों को उन्हें मार्क क्यों नहीं किया।

कांग्रेस नेताओं की सियासी गतिविधियों पर हाईकमान की नजर

सह प्रभारी अमृता धवन का बयान- केंद्रीय नेतृत्व फीडबैक मांगेगा तब देंगे

दौसा, 16 मई (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस में चल रहे सियासी घमासान के बीच संगठन की प्रदेश सह प्रभारी अमृता धवन सोमवार दोपहर को दौसा पहुंची। यहां उन्होंने महिला बाल विकास मंत्री ममता भूपेश की मौजूदगी में डाक बंगले में जिले के पदाधिकारियों की मीटिंग ली। मीडिया से बात करते हुए अमृता धवन ने कहा प्रदेश प्रभारी के निर्देश पर जिलों में जाकर संगठन का विस्तार करने और मजबूती प्रदान करने के लिए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से फीडबैक ले रहे हैं। क्योंकि आने वाला चुनाव महत्वपूर्ण हैं इसके लिए संगठन की मजबूती भी जरूरी है। अशोक गहलोत व सचिन पायलट के बीच तनातनी के सवाल

पर उन्होंने कहा दोनों ही नेता पार्टी के मजबूत स्तंभ हैं, पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। राजस्थान में जो गतिविधियां चल रही है उनका संज्ञान ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ले रही है। समय के साथ जो भी होगा वह आपको बताया जाएगा।

गहलोत-पायलट की धड़ेबंदी के सवाल पर उन्होंने कहा मैं तो कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से ही मिलने आई हूं। कांग्रेस का झंडा सबसे ऊपर है। हम उस पार्टी के सिपाही है जिसकी शीर्ष नेता सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री का पद ठुकरा दिया था। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता त्याग और बलिदान की भावना से काम करते हैं। वहीं सचिन पायलट द्वारा 15 दिन का अल्टीमेटम देने के सवाल पर अमृता धवन ने कहा मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मैं यहां संगठन का काम करने आई हूं। रण के लिए तैयार कर रहे सेना कांग्रेस पार्टी में गुटबाजी के सवाल पर सह प्रभारी ने कहा हम संगठन का काम करते हैं, सभी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी सुनिश्चित करें। खाली पदों को भरा जाए क्योंकि रण के लिए निकलना है तो आपके पास पूरी सेना तैयार होनी चाहिए। बाकी सब कामों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय नेतृत्व है वो जब फीडबैक मांगेंगे तब दिया जाएगा। प्रदेश सह प्रभारी ने मीटिंग विधानसभा क्षेत्र के अनुसार पदाधिकारियों से फीडबैक लिया और राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने का आह्वान किया। महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने भी संगठन की मजबूती को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

8 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या

भीलवाड़ा, 16 मई (एजेंसियां)। 8 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या का मामला सामने आया है। बच्ची का शव उसके गांव के बाहर एक बाड़े में मिला। शरीर पर घाव के कई निशान थे। मामले का पता लगने पर पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं। मामला भीलवाड़ा के पंडेर का है।

पंडेर थाना प्रभारी ओम प्रकाश नायक ने बताया कि थाना क्षेत्र के सिंहाना गांव में रहने वाली एक 8 साल की बच्ची सोमवार दोपहर करीब तीन बजे खेलने के लिए अपने घर से निकली थी। शाम को वह घर नहीं लौटी तो मां और अन्य परिजनों ने गांव में तलाश की। इस दौरान गांव के बाहर एक खेत के पास बाड़े में शव मिला।

रोहित गोदारा गैंग का सक्रिय बदमाश डीके गिरफ्तार

सांगानेर के हरजेश नाराणियां पर फायरिंग के लिए रुकवाया था दो शूटरों को

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने बदमाश रोहित गोदारा की गैंग के सक्रिय बदमाश दिलीप उर्फ डीके यादव को गिरफ्तार किया हैं। डीके यादव के खिलाफ अलग-अलग जिलों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सीएसटी के सीआई बनवारी लाल मीणा के नेतृत्व में सीएसटी की टीम ने बदमाश को सांगानेर थाना इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपी पर जिला पुलिस ने 5हजार रुपए का इनाम रखा हुआ था। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश चंद्र बिश्नोई ने बताया- वांछित इनामी बदमाशों की गिरफ्तार के लिए डीसीपी क्राईम को विशेष निर्देश दिए हुए हैं। डीसीपी क्राइम ज्येष्ठा मैत्रयी के सुपरवीजन में पुलिस टीम ने रोहित गोदारा के गुर्गे को गिरफ्तार किया है।

सीएसटी में तैनात सीआई बनवारी लाल मीणा के नेतृत्व में सीएसटी की एक टीम गठित की गई। टीम के सदस्य एसआई द्वारका प्रसाद एवं एएसआई महिपाल सिंह को जानकारी मिली थी की डीके यादव का स्टेच्यू सर्किल की तरफ मूवमेंट है। इस पर टीम को मौके पर भेजा गया जिसके बाद डीके को स्टैच्यू सर्किल से गिरफ्तार कर सांगानेर थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश चंद्र बिश्नोई ने बताया कि रोहित गोदारा ने सांगानेर निवासी हरजेश नाराणिया को 5 करोड़ की अवैध वसूली के लिए मोबाईल फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी। इस संबंध में थाना सांगानेर ने 10 दिसम्बर 2022 को एक मुकदमा दर्ज किया। हरजेश नाराणिया द्वारा रोहित गोदारा को 5 करोड नहीं देने पर रोहित गोदारा ने दिनांक 16.02.2023 को अलीपुर, दिल्ली के दो शूटर धर्मेन्द्र उर्फ मोची और मनीष उर्फ कबूतर को जयपुर भेजा और हरजेश नाराणिया की गाड़ी फॉर्च्यूनर पर फायरिंग करने के लिए रोहित गोदारा ने इन दोनों शूटर्स को जयपुर में रूकवाने व हथियार उपलब्ध कराने का काम दिलीप उर्फ डी. के. यादव पुत्र मुकेश यादव उम्र 25 साल निवासी रघुनाथपुरा पुलिस थाना सरुण्ड तहसील कोटपूतली को सौंपा था।

पहली बार शावकों के साथ नजर आई बाघिन टी-117

टाइगर वॉच कैमरे में कैद हुई तस्वीर, 1 महीने पहले 3 बच्चों को दिया था जन्म

धौलपुर. 16 मई (एजेंसियां)। धौलपुर जिले में सरमथुरा के डांग क्षेत्र में बाघिन टी-117 ने करीब 1 महीने पहले 3 शावकों को जन्म दिया था। वन विभाग ने बाघिन के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए टाइगर वॉच कैमरे लगाए थे। इनमें से एक कैमरे में बाघिन की अपने तीनों शावकों को दुलारने की खूबसूरत तस्वीर कैद हुई है। अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए बाघिन

गुफा के बाहर लगातार पहरा दे रही है। डीएफओ किशोर कुमार गुप्ता ने बताया लंबे समय से टाइगर टी-116 और टाइग्रेस टी-117 विचरण कर रहे हैं।

दोनों में अगाध प्रेम है। उन्होंने बताया कि सरमथुरा क्षेत्र के झिरी, दमोह, बाड़ी क्षेत्र के रामसागर, बसई डांग क्षेत्र के सोने का गुर्जा एवं वन विहार में विचरण करते रहते हैं। उन्होंने बताया एक महीने पहले बाघिन टी-117 ने 3 शावकों को जन्म दिया था। बाघिन एवं शावकों के मूवमेंट पर टाइगर वॉच कैमरे से नजर रखी जा रही है।

ऑयल फैक्ट्री के टैंक में उतरे 2 लोगों की मौत: कचरा साफ करने उतरे थे 5 लोग

3 अस्पताल में भर्ती; गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

कोटा, 16 मई (एजेंसियां)। कोटा में एक ऑयल फैक्ट्री में टैंक (हौद) में कचरा साफ करने उतरे 2 लोगों की मौत हो गई। 3 लोग बेहोश हो गए। फैक्ट्री में मौजूद लोगों ने उनको बाहर निकाला। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर्स ने दो की मौत होने की जानकारी दी। तीनों घायलों का इलाज जारी है। मामला कोटा जिले के रानपुर थाना इलाके का है।

सोमवार देर शाम करीब 4 बजे शिव एडिबल ऑयल फैक्ट्री में मजदूर कचरा साफ करने के लिए हौद में उतरे थे। हौद में उतरते ही सभी मजदूर अचेत हो गए। रामरतन और लोकेश की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों मजदूरों के शव को एमबीएस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया है। मृतकों के परिजनो आर्थिक सहायता की मांग की है।

मौके पर लाडपुरा प्रधान नईमुद्दीन गुड्डू भी पहुंचे। गुड्डू का कहना कि हादसे के बाद फैक्ट्री प्रबंधन व प्रशासन का जिम्मेदार व्यक्ति मोर्चरी पर नहीं पहुंचा। मृतक परिजनों को आर्थिक मदद दिलाई जानी चाहिए। रामरतन (32) पिछले 10-12 साल से फैक्ट्री में काम करता था। उसके 8 साल व 6 महीने का बच्चा है। जबकि लोकेश (28) भी 10 साल से फैक्ट्री में काम करता था। दो साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। उसके 5 महीने की बेटी है।

8 मजदूर मिलकर ट्रीटमेंट प्लांट के रूटीन मेंटिनेंस के काम में लगे। मौके पर सुपरवाइजर भी मौजूद था। मजदूरों ने सीढ़ियों से प्लांट में उतरकर लिक्विड निकाला। मलबा बचा हुआ था। गर्मी होने के कारण मलबे में गैस बनना शुरू हुआ। एक मजदूर का सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते समय पैर फिसल गया।

बस्ती दवाखाना शुरू होने पर सरकारी अस्पतालों में भीड़ कम हुई : तलसानी

मंत्री ने जामबाग मंडल में किया नवनिर्मित बस्ती दवाखानों का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य और डेयरी विकास मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना सरकार लोगों की स्वास्थ्य देखभाल को बहुत महत्व देती है। मंत्री श्रीनिवास यादव ने विधायक राजा सिंह व एमएलसी मिर्जा रहमत बेग के साथ मंगलवार को गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के गन फाउंड्री स्थित नेताजी सामुदायिक भवन जामबाग मंडल के सुबनपुरा सामुदायिक भवन में नवनिर्मित बस्ती दवाखानों का उद्घाटन किया। गन फाउंड्री बस्ती अस्पताल में डॉक्टर ने मंत्री का मेडिकल परीक्षण किया।

इस मौके पर मंत्री श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद सरकार सरकारी चिकित्सा सेवाओं को लोगों तक और अधिक पहुंचाने का काम करेगी। राज्य सरकार ने हैदराबाद जिले के नए क्षेत्रों में बस्ती दवाखानों की स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने और पहले से मौजूद 153 सरकारी क्लीनिकों में 14 और क्लीनिक जोड़ने का फैसला किया है। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि बस्ती दावाखानों को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा में 350 क्लीनिक और हैदराबाद जिले में 153 क्लीनिक पहले से ही लोगों को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, 14 और बस्ती दावाखानों को जल्द ही हैदराबाद जिले में शामिल किया जाएगा। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि जुड़वां शहरों में बस्ती दवाखाना शुरू होने के बाद, गांधी और उस्मानिया जैसे प्रमुख अस्पतालों में आने वाले रोगियों की संख्या में कमी आई है और लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने मंगलवार को गनफाउंड्री में नेताजी कम्युनिटी हॉल और जामबाग में सुभानपुरा कम्युनिटी हॉल में स्थापित दो नए बस्ती दावाखानों का उद्घाटन किया, जो हैदराबाद में गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस अवसर पर गोशामहल बीआरएस प्रभारी नंदकिशोर व्यास बिलाल व एम. आनंद कुमार गौड़ ने मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वेंकट, पार्षद सुरेखा, राकेश जायसवाल, पूर्व पार्षद ममता संतोष गुप्ता, डॉ. मैरी सहित कई अधिकारी शामिल रहे। इनके अलावा आरवी महेंद्र, पूर्व नगरसेवक मुकेश सिंह, परमेश्वरी सिंह, अला पुरुषोत्तम, गद्दाम श्रीनिवास यादव, आशीष यादव, शांति देवी, सीलम सरस्वती, प्रिया गुप्ता, क्रांति, विनोद यादव, अशोक, साई, दशरद, उमा, सुरेश मुदिराज, मोहम्मद अहमद, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद गौस आदि कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

सीपीएम ने सीएम से धान खरीद में अनियमितता को दूर करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव तम्मीनेनी वीरभद्रम ने आज मुख्यमंत्री से राज्य भर में चल रही धान की खरीद में की जा रही अनियमितताओं को दूर करने का आग्रह किया। उन्होंने इस मुद्दे पर सीएम को एक खुला पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने सीएम को बताया कि राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि राज्य में 7,000 केंद्र खोले जाएंगे और एक करोड़ टन रबी (यासंगी) सीजन का अनाज खरीदा जाएगा। उन्होंने सीएम को बताया कि फसल कटाई के 20 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक कुल लक्ष्य का 10 फीसदी भी खरीद नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि बाजार में लाया गया अनाज हाल ही में हुई बेमौसम बारिश से न केवल भीग गया था बल्कि बारिश के पानी में बह गया था जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ था। इसके अलावा आईकेपी, सोसायटी, मार्केट कमेटी व मिलर आपस में मिलीभगत कर धान खरीदी में नमी व मूल्यह्रास के नाम पर किसानों को ठग रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सीएम तुरंत जवाब दें और सतर्कता प्रकोष्ठ का गठन करें।

शादी की पहली सालगिरह पर विधुर की मौत

24 घंटे के अंदर मां की भी गई जान

करीमनगर, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक दर्दनाक हादसे में 24 घंटे के अंदर एक शख्स और उसकी मां की मौत हो गई। जहां बेटे की कथित तौर पर कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने से मौत हो गई, वहीं तिम्मापुर मंडल के नेदुनूर में उसकी मां की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पेशे से गायक बोल्लमपल्ली श्यामसुंदर ने पिछले साल 15 मई को सिद्दीपेटके हुस्नाबाद के गोडामगड्डा इलाके की शारदा से शादी की थी। हालांकि, सितंबर में शारदा को संदिग्ध आत्महत्या के एक मामले में अपने मायके में एक पेड़ से लटका पाया गया था। श्यामसुंदर, जो अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद उदास थे, ने कथित तौर पर उसी पेड़ के नीचे कीटनाशकों का सेवन किया था, जहां रविवार की रात उनकी शादी की पहली सालगिरह थी। सोमवार की सुबह वह पेड़ के नीचे मृत मिला। घटना की जानकारी होने पर परिजन हुस्नाबाद गए और शव को वापस नेदुनूर ले आए, जहां सोमवार की शाम उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के तुरंत बाद, श्यामसुंदर की मां कनकलक्ष्मी को रात में दिल का दौरा पड़ा और अस्पताल ले जाते समय उन्होंने अंतिम सांस ली। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

टीएसपीएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में तीन और गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में मंगलवार को हैदराबाद विशेष जांच दल द्वारा तीन और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में क्रांति, रवि तेजा और शशिधर हैं। पुलिस के अनुसार, क्रांति और शशिधर ने एक अन्य संदिग्ध मुरलीधर से ईईई प्रश्न पत्र खरीदा था, जिसे पहले गिरफ्तार किया गया था, जबकि रवि तेजा ने साई लौकिक से डीएओ प्रश्न पत्र खरीदा था. तीनों ने प्रश्नपत्र खरीदने के लिए अच्छी खासी रकम चुकाई थी। तीनों व्यक्तियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया।

नए सचिवालय में कैबिनेट की पहली बैठक कल

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नए डॉ बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में पहली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक गुरुवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में होगी। दोपहर 3 बजे से होने वाली कैबिनेट बैठक में तेलंगाना राज्य गठन दिवस समारोह की तैयारियों और अन्य मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

बुंदेली कान्यकुब्ज समाज का कैलेंडर विमोचित

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुंदेली कान्यकुब्ज समाज के तत्वावधान में सनातनियों की सेवा में संगम, लंगरहौज स्थित श्रीरामचन्द्र जी मंदिर में भगवान श्री राम जी की कृपा से बुंदेली कान्यकुब्ज समाज के कैलेंडर (दैनंदिनी) का लोकार्पण उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा किया गया है। इस अवसर पर जयशंकर प्रसाद तिवारी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बुंदेली कान्यकुब्ज ट्रस्ट के गठन की सूचना दी। बाला प्रसाद तिवारी, राकेश तिवारी, श्रीमती शोभा पांडे, श्रीमती मीना तिवारी, श्रीमती अरुणा दुबे, श्रीमती विजय लक्ष्मी शुक्ला, श्रीमती शोभा दुबे और श्रीमती किरण तिवारी ने ट्रस्ट के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए व्यवस्थित रूप से कार्य करने की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर गोपाल बल्दवा, संजीवन प्रसाद तिवारी, सत्यनारायण प्रसाद तिवारी, अनूप कुमार दुबे, राकेश दुबे, राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, मोहन सिंह, सत्यनारायण प्रसाद शुक्ला, मुकेश शर्मा, पंडित शिव शंकर तिवारी, राजा रामचंद्र तिवारी, श्रीमती मधु अवस्थी, श्रीमती चंद्रकांता दुबे, डॉ. रंजीता तिवारी, श्रीमती रेणुका मिश्रा, श्रीमती पवन रेखा, दुर्गा प्रसाद मिश्रा, जगदीश दुबे, बंसी प्रसाद दुबे, श्रीमती संगीता दुबे, श्रीमती सुनीता देवी तिवारी, श्रीनिवास प्रसाद तिवारी, संतोष कुमार मिश्रा ने शुभकामनाओं के साथ अपने विचार व्यक्त किए। जयशंकर प्रसाद तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा संपन्न हुई।

रेलवे में मौजूदा फ्रेट इकोसिस्टम ग्राहक केंद्रित : शिवेन्द्र मोहन

विजयवाड़ा डिवीजन में फ्रेट कस्टमर्स मीट आयोजित

विजयवाड़ा , 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा डिवीजन ने डिवीजनल कॉन्फ्रेंस हॉल, डीआरएम कार्यालय, विजयवाड़ा में फ्रेट कस्टमर मीट का आयोजन किया। शिवेंद्र मोहन, मंडल रेल प्रबंधक ने डी. श्रीनिवास राव, एडीआरएम, इंफ्रास्ट्रक्चर, एम. श्रीकांत, एडीआरएम, संचालन और शाखा अधिकारियों के साथ मंडल माल ग्राहकों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का आयोजन लोडिंग अनुमानों, यातायात की संभावित नई धाराओं, रेकों की आपूर्ति, बॉटल नेक, डिवीजन के सम्मानित माल ग्राहकों के साथ डिवीजन के थ्रूपुट और वैगन टर्नअराउंड को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था। प्रारंभ में, वी. रामबाबू, सीनियर डीसीएम ने पूरे मंडल में माल ढुलाई व्यवसाय से संबंधित विभिन्न फर्मों के अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने 2022-23 के दौरान उनके अद्भुत योगदान और डिवीजन की ग्रोथ स्टोरी में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए अधिकारियों को धन्यवाद दिया। शिवेंद्र मोहन, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल ने अपने उद्घाटन भाषण में माल ग्राहकों को वर्षों से माल ढुलाई खंड में उनके बहुमूल्य समर्थन और योगदान के लिए धन्यवाद दिया। डीआरएम ने कहा कि विजयवाड़ा मंडल ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारतीय रेलवे के सभी मंडलों के बीच 56.467 की उच्चतम वृद्धिशील लोडिंग हासिल की और यह दुर्लभ उपलब्धि उचित समन्वय, टीम योजना और पूरे मंडल में बाधाओं को कम करने के लिए किए गए बुनियादी कार्यों के कारण संभव हुई। डीआरएम ने कहा कि भारतीय रेलवे में वर्तमान में मौजूद फ्रेट इकोसिस्टम बहुत अधिक उदारीकृत है, ग्राहक केंद्रित है और एक समान अवसर बनाने के लिए तेजी से नीतिगत बदलाव किए गए हैं। डीआरएम ने जोर देकर कहा कि रेल के माध्यम से माल परिवहन सभी व्यापार उद्योग भागीदारों के लिए सबसे ऊर्जा कुशल और सबसे सुरक्षित विकल्प है और रेल गुणांक शेयर को फिर से हासिल करने और लंबे और छोटे लीड ट्रैफिक को फिर से हासिल करने की आसन्न आवश्यकता है। उन्होंने ई-फॉरवर्डिंग नोट, ई-आरआर जैसी माल संचालन सूचना प्रणाली में नवीनतम विकास पर भी प्रकाश डाला, जो पहले की रिगमारोल मैनुअल प्रक्रिया से दूर है और इसे सभी हितधारकों के लिए सुविधाजनक और आसान बनाता है। शिवेंद्र मोहन, डीआरएम ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि वे वैगन अवरोधन और विलंब शुल्क से बचने के लिए लोडिंग प्रक्रिया को तुरंत पूरा करें। उन्होंने लोडिंग स्टेशनों में फील्ड स्तर पर मुद्दों और गुड शेड्स में सुविधाओं के पुनरुद्धार के संबंध में सहयोग और पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में डी. श्रीनिवास राव, एडीआरएम, इंफ्रास्ट्रक्चर, एम. श्रीकांत, एडीआरएम, ऑपरेशंस वी. रामबाबू, सीनियर डीसीएम, डी. नरेंद्र वर्मा, सीनियर डीओएम, ई. संथाराम, सीनियर डेन, को-ऑर्ड, टी. सुरेश, सीनियर डीईई, मेंटेनेंस, एम. रवि किरण, सीनियर डीएमई, के. श्रीनिवास राव, सीनियर डीईई, ऑपरेशंस, ई. वी. शिवरामकृष्ण, सीनियर डीएफएम, अली खान, डीसीएम, वी. रवि वर्मा, एसीएम, निरीक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रेरणा संस्था द्वारा मातृत्व दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दोमलगुड़ा स्थित कुचीपुड़ी आर्ट अकैडमी में प्रेरणा संस्था द्वारा मातृत्व दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जेडपीटीसी की चेयरमैन श्रीमती विशाला ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हमने औरत के रूप में जन्म लिया है। समाज के निर्माण में हमारा बहुत बड़ा योगदान है हम माताएं जैसे संस्कार अपने बच्चे को देंगे उसी के अनुरूप उसका व्यवहार होगा। उन्होंने कहा कि अपने बच्चे की तुलना किसी ओर के बच्चे से कभी ना करें उनके लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बन कर रहे और उन्हें जीवन में सही राह दिखाएं। कार्यक्रम में दूसरी अतिथि ब्रह्माकुमारी पीस हाउस की प्रमुख अंजली दीदी रही। उन्होंने सबको आत्म चिंतन का तरीका सिखाया।

विशेष अतिथि समाजसेविका श्रीमती सीता केडिया ने कार्यक्रम को सराहा और स्वर्गीय श्रीमती करुणा अग्रवाल के सिद्धांतों के बारे में सभा को अवगत कराया। अतिथियों को शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। सभा में उपस्थित सभी का स्वागत पुष्पगुच्छ द्वारा किया गया। अवसर पर संस्था के सदस्य सुनीता अग्रवाल एवं निर्मला ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में पूजा गुप्ता, अनुपमा गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, गीतांजलि, लता केडिया, अपूर्व केडिया, पूजा संघी व अन्य ने भाग लिया।

पूर्णकालिक मुख्य वन अधिकारी बनें डोबरियाल

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने राकेश मोहन डोबरियाल को तेलंगाना के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और वन बल (एचओएफएफ) के प्रमुख के रूप में नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। पिछले साल फरवरी में तत्कालीन मुख्य अधिकारी के सेवानिवृत्त होने के बाद सरकार ने डोबरियाल को पीसीसीएफ के रूप में पूरी अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी थी। मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी ने आदेश जारी किए। आज अरण्य भवन में आर.एम. डोबरियाल ने कार्यभार संभाली। श्री डोबरियाल ने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर ने उन्हें भरोसे के साथ जिम्मेदारी सौंपी है। वे सरकार की प्राथमिकता के अनुसार वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी हरित तेलंगाना को प्राप्त करने के लिए काम करेंगे। बाद में वे राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी से शिष्टाचार के नाते सचिवालय में मुलाकात की।

अग्रवाल विद्यालय के पूर्व छात्रों का स्नेह मिलन आयोजित

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 1977-78 के अग्रवाल विद्यालय के पूर्व छात्रों का स्नेह मिलन कार्यक्रम सिद्धिअंबर बाजार स्थित होटल राजधानी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 1978 बैच के दसवीं कक्षा के पूर्व छात्रों का मेल-मिलाप हुआ। 45 पूर्व एक साथ सहभागी रहे। खेलकूदे और उन पलों को याद किया गया। सभी ने अपने अपने अनुभवों को साझा किया और पढाने वाले गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिनके द्वारा दिए गए संस्कारों से जीवन में एक सभ्य नागरिक बनने का अवसर मिला। सभी छात्रों ने इस अवसर पर संकल्प लिया कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विद्यालय से जुड़ेंगे और एक खिलाड़ी की भांति वर्तमान छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में रामस्वरूप अग्रवाल, रामप्रकाश गोयल, सुनील पहाड़े,सुनील गर्ग, अनिल सूद, कमलेश शर्मा, पी.राजेन्द्र, राजेन्द्र, अनिल तायल, केशव संघी, एम.नरेश, सुरेन्द्र शर्मा, अरविन्द, दिलीप, डॉ.शैलेन्द्र, प्रदीप जैन, प्रकाश नारायण राठी, वसंत, नवीन प्रकाश एवं गोपाल शर्मा आदि उपस्थित थे। रामस्वरूप अग्रवाल ने सभी बालसखाओं का आभार व्यक्त किया।

नगर के विशेष आधिकारिक दौरे पर आये संसद सदस्य आये चंदेश्वर प्रसाद (जहनाबाद, बिहार) का शमशाबाद एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए एनकेएस यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह व अन्य।

हैदराबाद ने भारत के पहले ड्रैग रेसिंग इवेंट की मेजबानी की

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ने शहर के बाहरी इलाके में अपनी पहली ड्रैग रेसिंग स्पीड फेस्ट नाइट रेसिंग का आयोजन किया। तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी (टीएसपीए) सर्विस रोड पर नरसिंगी में दुनिया का सबसे तेज़ खेल और मोटरस्पोर्ट्स का T20 माना जाने वाला रेसिंग का आयोजन हुआ। विशेष मुख्य सचिव, शहरी विकास, अरविंद कुमार ने मंगलवार को एक ट्वीट में खुलासा किया।

उन्होंने जल्द ही ऐसे और आयोजनों का वादा किया। भारत की पहली ड्रैग रेसिंग स्ट्रिप हैदराबाद में बनाई जा रही है। टू लेन, एक किलोमीटर लंबी ड्रैग स्ट्रिप बनेगी। इस खंड में से 400 मीटर का उपयोग ड्रैग स्ट्रिप के रूप में किया जाएगा जबकि शेष 600 मीटर का उपयोग वाहनों को धीमा करने और रुकने के लिए शटडाउन क्षेत्र के रूप में किया जाएगा। हैदराबाद ने फरवरी में भारत में पहली बार फॉर्मूला ई रेस की मेजबानी की। 2023 हैदराबाद ई-प्रिक्स शहर के सुरम्य हुसैन सागर झील में आयोजित किया गया था। वाहनों के आवागमन के लिए मौजूदा सड़कों का उपयोग करते हुए हुसैन सागर झील के किनारे कुल 18 मोड़ों वाला 2.8 किलोमीटर का ट्रैक बिछाया गया था। दौड़ में कुल 11 टीमों और 22 चालकों ने भाग लिया था। सभी कारें इलेक्ट्रिक थीं और 250 किलोवाट की बैटरी से चलती थीं। 2013 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में अंतिम फॉर्मूला 1 इंडियन ग्रां प्री के बाद यह भारत में आयोजित पहली एफआईए विश्व चैम्पियनशिप प्रतियोगिता थी।

एटीएम बूथ में कोबरा देखकर लोगों की थमी सांसे

विशाखापट्टणम्, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक एटीएम बूथ में पैसे की जगह कोबरा को देखकर लोगों की सांस थम गई। सिंधिया शिपयार्ड शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, विशाखापत्तनम में स्थित एक बैंक के एटीएम बूथ में कुछ लोग पैसा निकालने पहुंचे। बूथ के अंदर लोगों ने कोबरे को देखा तो उसके होश उड़ गए। एटीएम के अंदर फुफकारते हुए कोबरा हमले के लिए तैयार दिखा। पांच फुट लंबे सांप को खतरनाक रूप से तैयार देखकर कोई भी एटीएम बूथ में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। लोगों ने इस मामले की जानकारी बैंक के कर्मचारियों को दी। बैंक के कर्मचारियों ने एक अनुभवी सांप पकड़ने वाले को मौके पर बुलाया और उसने सांप को कुशलता से पकड़ लिया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

यादाद्री में गंडी चेरुवु में तीन श्रद्धालु डूबे

यदाद्री-भोंगिर, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अलग-अलग घटनाओं में यादाद्री में कल्याण कट्टा के पास गंडी चेरुवु में तीन श्रद्धालुओं की डूबने से मौत हो गई। पहली घटना में, महबूबनगर जिले के चेडिगिड्डा गांव की एक भक्त बोइना रमेश (30) पवित्र स्नान करने के दौरान गांधी चेरुवु में डूब गईं। पुलिस ने कहा कि पवित्र डुबकी लगाने के दौरान उसे दौरा पड़ा और वह डूब गया। दूसरी घटना में, स्थानीय लोगों ने जगदगिरिगुट्टा से वनमाला प्रवीन (19) और दांडे कार्तिक (22) के शव गंडी चेरुवु के पानी पर तैरते हुए पाए और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने पहुंचकर गंदी चेरुवु से शवों को निकलवाया। पुलिस को पहले एक व्यक्ति येंडकेला श्रीकांत से शिकायत मिली थी कि वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ यदाद्री मंदिर में दर्शन के लिए आया था और रविवार को दर्शन के लिए गए उसके साले गायब थे।

जिला पुस्तकालय में आने वाले छात्रों के लिए सभी व्यवस्थाएं : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने घोषणा की कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जिला पुस्तकालय में आने वाले छात्रों और युवाओं को उनके स्वयं के खर्च पर नाश्ता और दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मंगलवार को उन्होंने सूर्यपेट जिला केंद्रीय पुस्तकालय का औचक दौरा किया। मंत्री जगदीश रेड्डी ने 1985 तक पुस्तकालय के साथ जुड़े अपने निजी अनुभव साझा किया, जिसे वहां उपस्थित युवाओं ने ध्यान से सुना। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को गर्मी से बचाव के लिए कूलर की व्यवस्था करने के आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि आधुनिक ज्ञान से युक्त पुस्तकालय भवन का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं से स्वरोजगार पर ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए आवश्यक उन्मुखीकरण प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने छात्र युवाओं को सलाह दी कि शिक्षा रोजगार के लिए है नौकरी के लिए नहीं। मंत्री जगदीश रेड्डी ने उन्हें सरकारी नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोका तूफान का ...

अधिकारियों ने कहा कि कम से कम 708 म्यांमार रिफ्यूजी को स्कूलों और कम्यूनिटी हॉल जैसे सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया। म्यांमार की सीमा से सटा सियाहा सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला जिला है।

आंधी चलने से पेड़ गिरे, लोगों की जान गई, गाड़ियों को नुकसान :

कोलकाता में चली तेज आंधी से लगभग 25 पेड़ गिर गए। इसमें सात कारें और एक बाइक को नुकसान हुआ। फ्लाईओवर पर एक ट्रैफिक सिग्नल पोस्ट उखाड़ गया। तेज हवाओं के कारण दक्षिण-पश्चिम में कुछ इलाकों में अस्थायी बिजली बाधित हुई। बेहाला के कुछ मोहल्लों जैसे कैलाश घोष रोड, बारिशा और माटीलाल गुप्ता रोड में तूफान के दौरान बिजली कटौती की सूचना मिली। दक्षिण गरिया और कल्याणी में, तूफान के दौरान सुरक्षा उपाय के रूप में बिजली बंद कर दी गई थी।

पांच फ्लाइट्स हुईं डायवर्ट, 12 उड़ानों में देरी :

कोलकाता हवाईअड्डे पर 84 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के कारण शाम 5.30 बजे से 6.20 बजे के बीच कोलकाता हवाईअड्डे पर उड़ान बाधित होने के बाद कम से कम पांच फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया और 12 को उड़ान भरने में देरी हुई। डायवर्ट किए गए पांच विमानों में से ढाका से एक अंतर्राष्ट्रीय बांग्ला स्टार फ्लाइट थी जो ढाका वापस गई थी।

इसके अलावा अन्य चार घरेलू उड़ानें दो इंडिगो उड़ानें (एक चेन्नई से और दूसरी दिल्ली से) को रांची और दो अन्य (दिल्ली से विस्तारा और सूरत से एयर एशिया इंडिया की दूसरी उड़ान) को भुवनेश्वर के लिए डायवर्ट कर दिया गया था।

ट्रेन की पटरी पर पेड़ गिरे, लेट चलीं ट्रेन :

तेज आंधी के चलते सियालदह और हावड़ा मंडल के विभिन्न खंडों में ट्रेनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। श्यामनगर और कांकीनारा के बीच अप और डाउन लाइनों पर पेड़ की शाखाएं गिर गईं, जिससे ट्रेन की आवाजाही प्रभावित हुई।

जयनगर मजिलपुर स्टेशन के पास बरुईपुर-लक्ष्मीकांतपुर खंड में भी ट्रेन की आवाजाही प्रभावित हुई। सर्कुलर रेलवे सेक्शन में बीबीडी बाग के पास एक पेड़ की टहनी लाइन पर गिरी। हावड़ा मंडल में, चंदनागोर और कोननगर में अप मेन लाइन भी प्रभावित रही।

कर्नाटक के सीएम ...

आज सुबह पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक भी कांग्रेस अध्यक्ष से मिले। इनके बीच क्या बात हुई, यह सामने नहीं आई है।

डीके ने कहा, मैं ना धोखा दूंगा और ना ही ब्लैकमेल करूंगा :

डीके शिवकुमार ने मंगलवार सुबह बेंगलुरू में कहा, हम सब एक हैं। हम 135 हैं। मैं किसी को डिवाइड नहीं करना चाहता। वे भले ही मुझे पसंद करें या नहीं। मैं एक जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मैं धोखा नहीं दूंगा और ना ही ब्लैकमेल करूंगा। हमने कांग्रेस पार्टी को बनाया, हमने इस घर को बनाया। मैं इसका हिस्सा हूं।

उन्होंने कहा, एक मां अपने बच्चे को सब कुछ देती है। सोनिया गांधी हमारी आदर्श हैं। कांग्रेस हर किसी के लिए परिवार की तरह है। हमारा संविधान बेहद महत्वपूर्ण है और हमें सभी के हितों की रक्षा करनी है। लोकसभा में 20 सीट जीतना हमारा अगला लक्ष्य है। 13 मई को चुनाव का परिणाम आने के बाद से अब तक कांग्रेस सीएम का ऐलान नहीं कर सकी है।

तीनों पर्यवेक्षकों ने रिपोर्ट आलाकमान को सौंपी

बेंगलुरू से दिल्ली तक सोमवार को दिनभर बैठकें हुईं। विधायकों से रायशुमारी कर दिल्ली पहुंचे तीनों पर्यवेक्षकों सुशील कुमार शिंदे, भंवर जितेंद्र सिंह और दीपक बावरिया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी रिपोर्ट सौंपी। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के आवास पर तीनों पर्यवेक्षकों के साथ सोमवार शाम को बैठक हुई। कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने मीटिंग से बाहर आने के बाद कहा कि खड़गे रिपोर्ट का अध्ययन करेंगे। सोनिया और राहुल गांधी से सलाह लेंगे। प्रमुख नेताओं से चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि खड़गे सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और कर्नाटक के अन्य नेताओं के साथ भी चर्चा करना चाहते हैं। इसी लिए पार्टी हाईकमान ने दोनों को दिल्ली बुलाया है।

लगातार 12वीं जीत के साथ अल्कारेज फिर बने नंबर-1

इटालियन ओपन के पहले दौर में रामोस को हराया

खेल डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। अल्कारेज ने अल्बर्ट रामोस विनोलास को 6-4, 6-1 से हराकर नोवाक जोकोविच की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में उन्हें पहली वरीयता मिलेगी।

कार्लोस अल्कारेज ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने पदार्पण मैच में जीत दर्ज करके विश्व रैंकिंग में फिर से नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है। अल्कारेज ने अल्बर्ट रामोस विनोलास को 6-4, 6-1 से हराकर नोवाक जोकोविच की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में उन्हें पहली वरीयता मिलेगी।

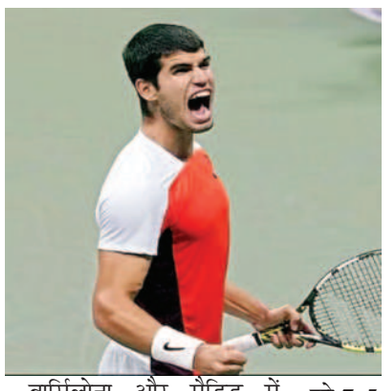

बार्सिलोना और मैड्रिड में खिताब जीतकर इस टूर्नामेंट में पहुंचे अल्कारेज ने अपने विजय अभियान को 12 मैच तक पहुंचा दिया है। अल्कारेज का अगला मुकाबला जिरी लेहेका या हंगरी के क्वालिफायर फैबियन मरोजसन से होगा। इस सत्र में अल्कारेज का रिकॉर्ड 30-2 हो गया है जिसमें शीर्ष 50 से ज्यादा रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ यह रिकॉर्ड 14-0 हो गया है।

बारिश के कारण मैचों में बाधा

पुरुष वर्ग में दूसरे दौर के अन्य मैचों में छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने एलेक्स मोल्केन को 6-3, 6-4 से, लोरेंजो सोनेगो ने योशीहितो निशिओका को 7-5, 6-3 से, जेजे वोल्फ ने 14वीं वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्कज को 6-3, 6-4 से और बोर्ना कॉरिच ने थियागो मोंटेइरो को 4-6, 7-6 (8), 7-6 (5) से हराया।

जोकोविच ने पहले मैच में हासिल की जीत

जोकोविच दूसरे हाफ में है और उन्होंने अपने पहले दौर के मैच में विश्व में 61वीं रैंकिंग के टॉमस मार्टिन एच्चेवेरी 7-6 (5), 6-2 से हराया था। बारिश के कारण मैच दो घंटे देर से शुरू हुए। बाद में कई मैचों को अगले दिन के स्थगित कर दिया गया। पुरुष वर्ग में पांचवीं वरीयता के स्टेफनोस सितसिपास को नूनो बोर्गस के खिलाफ 6-3, 4-3 से बढ़त पर थे जब मैच रोका गया।

ओसोरियो और कलिनिना ने हासिल की जीत

महिला वर्ग के तीसरे दौर के मैचों में कोलंबिया की क्वालिफायर कैमिला ओसोरियो ने पांचवीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन गार्सिया को 6-4, 6-4 से, एंहेलिना कलिनिना ने सोफिया केनिन को 6-4, 6-2 से और वांग ज़ियू ने टेलर टाउनसेंड को 6-2, 0-6, 7-5 से पराजित किया।

थाईलैंड पैरा बैडमिंटन: प्रमोद के नाम दो स्वर्ण पदक

सुहास ने भी गोल्ड जीत कर देश को गौरवान्वित किया

खेल डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई ने एसएल4 स्पर्धा के फाइनल में हमवतन सुकांत को तीन गेमों तक चले मुकाबले में 21-14, 17-21, 21-11 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता। टोक्यो पैरालंपिक विजेता प्रमोद भगत ने रविवार को थाईलैंड पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीत लिए। प्रमोद ने इंग्लैंड के डेनियल बेथहेल को हराकर पुरुषों के एकल एसएल3 स्पर्धा में स्वर्ण अपने नाम किया। इसके अलावा उन्होंने सुकांत कदम के साथ पुरुषों के युगल में एसएल3-एसएल4 स्पर्धा में पीला तमगा जीता।

आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई ने एसएल4 स्पर्धा के फाइनल में हमवतन सुकांत को तीन गेमों तक चले मुकाबले में 21-14, 17-21, 21-11 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता।

एसएल3 एकल के फाइनल में, प्रमोद ने पहला गेम 21-18 से जीता, लेकिन इसके बाद डेनियल ने चोट के कारण मुकाबला बीच में ही छोड़ने का फैसला किया और भारतीय खिलाड़ी ने फाइनल मैच अपने नाम किया।

युगल के फाइनल में, प्रमोद और सुकांत ने नितेश कुमार और तरुण की जोड़ी को कड़े मुकाबले में 18-21, 21-14, 21-19 से हराया। वहीं, महिला एकल में नित्य सिवान और थुलासिमथी मुरुगसेन ने एसएच6 और एसयू5 स्पर्धा में रजत पदक हासिल किए।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन को कुत्ते ने काट लिया

वीडियो में छलका दर्द

खेल डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 का 63वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच इकॉना स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच से पहले सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। उन्हें कुत्ते ने काट लिया है। इस बात को खुद अर्जुन ने स्वीकारा है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अर्जुन तेंदुलकर ने बताया कि उनके बॉलिंग आर्म में ही कुत्ते ने काट लिया। इसी वजह से वह आईपीएल के मुकाबले नहीं खेल पा रहे हैं। आज होने वाले मुकाबले में भी उनका खेलना मुश्किल लग रहा है। कुत्ते के काटने से उनकी बॉलिंग आर्म की अंगुलियों में घाव है।

थर्ड अंपायर ही तय करेगा कैच हुआ या नहीं

फील्ड अंपायर नहीं देगा सॉफ्ट सिग्नल, डब्ल्यूटीसी फाइनल से नियम बदलेगा

दुबई, 16 मई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल सॉफ्ट सिग्नल को खत्म करने जा रही है। यानी अब थर्ड अंपायर ही तय करेगा कि कैच सही है या नहीं। इसकी शुरुआत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से इंग्लैंड के ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से होगी।

सॉफ्ट सिग्नल क्या है?

मैच के दौरान ग्राउंड अंपायर अगर कोई कैच थर्ड अंपायर के पास रेफर करता था तो उसे सॉफ्ट सिग्नल के जरिए यह बताना होता था कि उसकी अपनी राय क्या है। यानी ग्राउंड अंपायर भले ही कैच को लेकर कन्फ्यूज रहता हो, लेकिन उसे थर्ड अंपायर को यह बताना होता था कि उसकी नजर में डिसीजन आउट है या नॉटआउट।

ग्राउंड अंपायर ने सॉफ्ट सिग्नल में जो कहा है, उसे थर्ड अंपायर तब तक नहीं बदल सकता, जब तक उसके पास इसके लिए कन्क्लूसिव एविडेंस यानी निर्णय करने लायक सबूत न हो। यानी अगर थर्ड अंपायर भी श्योर नहीं है कि कैच क्लीन है या नहीं, तो इस स्थिति में ग्राउंड अंपायर के सॉफ्ट सिग्नल को ही फाइनल डिसीजन मान लिया जाता था।

क्या बदलाव किया जाएगा?

सॉफ्ट सिग्नल हमेशा से क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय रहा है। सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली आईसीसी क्रिकेट कमेटी ने इसे खत्म करने का सुझाव दिया था। अब आईसीसी ने क्रिकेट कमेटी के सुझाव को अमल में लाते हुए सॉफ्ट सिग्नल को खत्म कर दिया है।

अब फील्ड अंपायर कैच का रिव्यू लेने के लिए अगर थर्ड अंपायर के पास रेफर करता है तो वह अपना सुझाव नहीं देगा। अब थर्ड अंपायर तकनीक के आधार पर रिव्यू कर खुद फैसला सुनाएगा और थर्ड अंपायर के फैसले को ही सही माना जाएगा।

सॉफ्ट सिग्नल को लेकर कब-कब विवाद हुआ?

1. इंग्लैंड-पाकिस्तान टेस्टः पिछले साल इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे पर खेले गए तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में

पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज सऊद शकील को सॉफ्ट सिग्नल के आधार पर आउट दिया गया था। इस टेस्ट में पाकिस्तान को 26 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच में पाकिस्तान को दूसरी पारी में जीत के लिए 355 रन बनाने थे। सऊद शकील 213 गेंदों में 94 रन चुके थे। इंग्लैड के गेंदबाज मार्क वुड की एक गेंद पर शकील ने शॉट खेला जिसे वो सही से टाइम नहीं कर पाए। गेंद विकेटकीपर ओली पोप के पास गई। पोप ने डाइव मारते हुए गेंद को लपका और कैच की अपील की। फील्ड अंपायर ने इसे थर्ड अंपायर के पास रेफर करने के साथ ही सॉफ्ट सिग्नल में आउट दे दिया था।

जब रिप्ले में इसे स्लो मोशन में देखा गया तो गेंद जमीन को छूते हुए दिखाई दी। ऐसे में यह निर्णय लेना कि पोप की उंगली गेंद के नीचे थी कि नहीं, यह काफी मुश्किल था। थर्ड अंपायर ने कहा कि उसके पास कन्क्लूसिव एविडेंस नहीं है। सॉफ्ट सिग्नल के आधार पर शकील को आउट करार दिया गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर सॉफ्ट सिग्नल पर सवाल उठने लगे।

2. ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका टेस्टः इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के दौरान भी ऐसा देखने को मिला था। सीरीज का आखिरी मैच जो कि 4 जनवरी से 8 जनवरी के बीच खेला गया था, उसमें ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को सॉफ्ट सिग्नल के तहत कैच आउट दिया गया था। लाबुशेन का कैच स्लिप में पकड़ा गया, तब कैच को लेकर डाउट था।

फील्ड अंपायर ने इसे सॉफ्ट सिग्नल के आधार पर आउट करार दिया था, लेकिन जब थर्ड अंपायर ने तकनीकी हेल्प से इस कैच को देखने के बाद नॉटआउट दिया तो उसके पास कन्क्लूसिव एविडेंस था। उस समय इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी सॉफ्ट सिग्नल को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि आईसीसी को सॉफ्ट सिग्नल को खत्म कर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर थर्ड अंपायर को ही सही फैसला लेने की इजाजत देना चाहिए।

क्या आईसीसी ने नियमों में कोई और बदलाव किया है?

आईसीसी सॉफ्ट सिग्नल खत्म करने के अलावा कुछ और भी बदलाव करने जा रही है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान दिन का ओवर पूरा नहीं होने तक नेचुरल रोशनी में कोई दिक्कत आ रही है तो अंपायर फ्लड लाइट्स ऑन करा सकता है।

प्रतिबंध के बाद खेलने उतरे मेसी की दर्शकों ने की हूटिंग

एम्बाप्पे के दो गोल से पीएसजी जीता

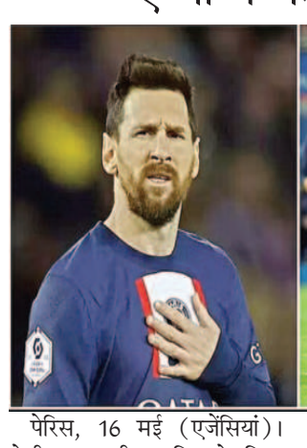

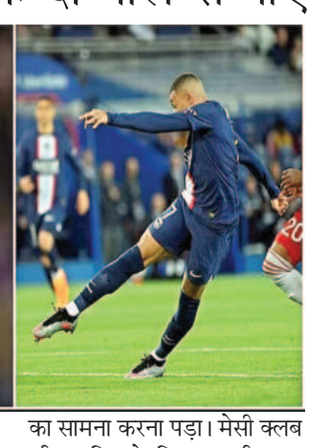

पेरिस, 16 मई (एजेंसियां)। मेसी क्लब की अनुमित के बिना सऊदी अरब गए हुए थे और इसके कारण क्लब ने उन पर दो सप्ताह का प्रतिबंध लगाया था। हालांकि, मेसी ने इसके लिए बाद में क्लब से माफी भी मांगी थी। वह मैच के दौरान जब भी गेंद को छूते तो दर्शक उनकी हूटिंग करने लगते थे।

क्लब के द्वारा प्रतिबंध झेलने के बाद पहला मैच खेल रहे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लियोनल मेसी को लीग-1 में अजाशियो पर 5-0 से जीत में दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा। मेसी क्लब की अनुमित के बिना सऊदी अरब गए हुए थे और इसके कारण क्लब ने उन पर दो सप्ताह का प्रतिबंध लगाया था। हालांकि, मेसी ने इसके लिए बाद में क्लब से माफी भी मांगी थी। वह मैच के दौरान जब भी गेंद को छूते तो दर्शक उनकी हूटिंग करने लगते थे।

दोनों टीमों को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ । पीएसजी के हकीमी को 77वें मिनट में रेड कार्ड मिलने के चलते मैदान छोड़ना पड़ा जबकि अजाशियो के मैंगानी को 80वें मिनट में रेड कार्ड मिलने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा।

पहले हाफ में पीसएजी 2-0 से आगे

पीएसजी के लिए मैच में गोल की शुरुआत रुज ने 22वें मिनट में की। हालांकि, हकीमी 33वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके पीएसजी को मैच में 2-0 से आगे कर दिया। पहले हाफ में पीएसजी ने 2-0 की बढ़त हासिल की। दूसरे हाफ में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके प्रशंसकों का दिल जीत लिया। उन्होंने 10 मिनट के अंदर दो गोल दाग दिए। एम्बाप्पे ने 47वें मिनट में गोल कर पीएसजी को 3-0 से आगे किया, जबकि 54वें मिनट में एक और गोल करके टीम की बढ़त 4-0 से मजबूत कर दी। हालांकि, अजाशियो की टीम मैच में गोल तो नहीं कर पाई लेकिन अपनी एक गलती से पीएसजी की बढ़त को 5-0 कर दी। अजाशियो के यूसुफ 73वें मिनट में आत्मघाती गोल ओन गोल कर बैठे जिससे पीएसजी की बढ़त 5-0 की हो गई।

क्रिकेट में बवाल पर फुटबॉल में सब ठीक

सैफ कप खेलने के लिए भारत आएगी पाकिस्तान की टीम

खेल डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के यहां नहीं खेलना चाहती हैं, लेकिन फुटबॉल में पाकिस्तान की टीम सैफ कप खेलने के लिए भारत आ रही है।

पाकिस्तान ने जून-जुलाई में बेंगलुरू में होने वाली दक्षिण एशियाई फुटबाल महासंघ चैंपियनशिप में भाग लेने की पुष्टि कर दी है। एआईएफएफ को पाकिस्तान के खिलाड़ियों के भारत दौरे पर कोई समस्या नहीं दिख रही है। इस टूर्नामेंट में लेबनान और कुवैत की भागीदारी को लेकर भी फैसला किया जाएगा, क्योंकि सैफ कार्यकारी समिति ने मार्च में चैंपियनशिप को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दक्षिण एशियाई क्षेत्र के बाहर की टीमों को भी शामिल करने का फैसला किया था। क्रिकेट में दोनों देशों के बीच

अनबन चल रही है और इसी वजह से भारतीय टीम ने पाकिस्तान में एशिया कप खेलने से मना कर दिया है। इसके बाद पाकिस्तान की टीम भारत में वनडे विश्व कप खेलने के लिए भी तैयार नहीं है। वहीं, 2025 में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत का खेलना मुश्किल है।

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा, हमें सैफ चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए पाकिस्तान से खिलाड़ियों के भारत आने में कोई समस्या नहीं दिखती है। उनसे पूछा गया था कि क्या दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देने के मुद्दे पर कोई समस्या हो सकती है। उन्होंने कहा, ₹मुझे लगता है कि भारतीय ब्रिज टीम ने हाल ही में पाकिस्तान में एक क्षेत्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और इसलिए हमें उनकी (पाकिस्तान की) भागीदारी पर कोई समस्या होने की उम्मीद नहीं है। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट 21 जून से चार जुलाई तक बेंगलुरू में होगा। मेजबान भारत, लेबनान, कुवैत और पाकिस्तान के अलावा, अन्य चार भाग लेने वाले देश नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव हैं। श्रीलंका भाग नहीं ले रहा है क्योंकि विश्व शासी निकाय फीफा ने उसे निलंबित किया है, जबकि अफगानिस्तान ने कुछ साल पहले मध्य एशियाई फुटबॉल महासंघ में शामिल होने के लिए सैफ को छोड़ दिया था। 1993 के बाद से अब तक आयोजित 13 संस्करणों में से दो टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम भाग नहीं ले पाई है। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ आंतरिक मुद्दों के कारण भारत में आयोजित 2015 के संस्करण में अपनी टीम नहीं भेज सका। 2021 संस्करण में पाकिस्तान की टीम फीफा के निलंबन के चलते नहीं खेल पाई थी। यह निलंबन पिछले साल हटा है।

कहां से आती है इतनी शक्ति?

इस पर रिंकू सिंह ने क्या दिया जवाब?

खेल डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 के 61वें मुकाबले में चेन्नई अपने ही घर में हार गई। केकेआर ने 145 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए 18.3 ओवर में ही मैच जीत लिया। इस मुकाबले में केकेआर के बल्लेबाज रिंकू सिंह और नितीश राणा ने कमाल की पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। चेन्नई के खिलाफ मैन ऑफ द मैच बने रिंकू सिंह ने मैच के बाद अपनी पारी को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है।

मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने रिंकू सिंह ने अपनी पारी को लेकर कहा कि 'कहा कि हमने जल्दी कुछ विकेट गंवाए थे, जब मैं अंदर गया तो नीतीश भैया ने कहा कि यह कठिन विकेट है। सिंगल के लिए देखेंगे और ढीली

गेंदों का फायदा उठाएंगे। मैं घरेलू क्रिकेट में एक ही पोजीशन पर बल्लेबाजी करता हूं, उसी तरह से खेलता हूं। मैं अच्छा खाता हूं, हमेशा शक्ति रखता हूं। इसके पीछे काफी मेहनत है।'

मैच का हाल

चेन्नई की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया था। 20 ओवर में इस टीम ने 6 विकेट खोकर 144 रन बनाए थे। सीएसके के लिए शिवम दुबे ने 34 गेंद पर 48 रनों की सबसे बड़ी पारी खेली थी।

उनके अलावा डेवोन कॉनवे ने 30 और रवींद्र जडेजा ने 20 रन बनाकर केकेआर को 145 रनों का टारगेट दिया था।

145 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी केकेआर को पहली ही ओवर में गुरबाज के रूप में बड़ा झटका लगा था। इसके बाद तीसरे ओवर में वेंकटेश अय्यर आउट हो गए थे। फिर पांचवे ओवर में जेसन रॉय चलते बने। इसके बाद रिंकू सिंह और कप्तान नितिश राणा ने टीम को संभाला और जीत दिलाई। रिंकू सिहं ने 54 रन बनाए, जबकि नितीश राणा ने 57 रनों की नाबाद पारी खेली। केकेआर ने 18.3 ओवरों में मैच जीत लिया।

इस सीजन क्यों नहीं निकाल पाए ज्यादा विकेट?

सुनील नारायण ने बताई वजह

खेल डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में केकेआर के सुनील नारायण ज्यादा विकेट नहीं निकाल पाए हैं। साथ ही बल्ले से भी कुछ कमाल नहीं दिखा सके। कुल मिलाकर उनके लिए आईपीएल 2023 का सीजन अच्छा नहीं गया, जबकि इस दिग्गज को केकेआर ने लगातार मौके दिए हैं। हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेपॉक में उन्होंने 4 ओवरों में 15 रन देकर 2 विकेट लिए हैं। इस मुकाबले के बाद उन्होंने बताया कि आखिर क्यों वह इस सीजन ज्यादा विकेट नहीं ले सके। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के बाद सुनील नारायण ने बताया कि आखिर क्यों वह इस सीजन ज्यादा

विकेट निकालने में कामयाब नहीं हो पाए। इस सीजन के दौरान संघर्ष करने को लेकर उन्होंने कहा कि 'इस सीजन मैं उतना बेहतर नहीं कर पाया, क्योंकि शायद पिचें इस सीजन अच्छी हैं और अतिरिक्त बल्लेबाज के आने से भी फर्क पड़ा, हालांकि उसको काउंटर करने के लिए हमें उसी हिसाब से खेलना भी होगा। चेन्नई के खिलाफ सुनील नारायण ने 4 ओवर में महज 15 रन देकर दो बड़े विकेट हासिल किए। इस प्रदर्शन के बाद नारायण ने कहा कि 'आपको प्लानिंग के साथ उतरना होता है, लेकिन कई बार आपको चीजें सिंपल रखनी चाहिए और अपनी क्रिकेट का लुत्फ उठाना चाहिए।' आपको बता दें कि 14 अप्रैल को चेपॉक में हुए मुकाबले में उन्होंने अपनी टीम के लिए 11वें ओवर की पहली गेंद पर विकेट दिलाया था।

नारायण ने सबसे पहले अंबाती रायुडू को 4 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। इसके बाद इस ओवर की अंतिम गेंद पर उन्होंने मोइन अली को भी क्लीन बोल्ड कर दिया था।

वरुण चक्रवर्ती ने तैयार किया नया 'हथियार'

जिससे चारों खाने चित हो रहे बल्लेबाज

खेल डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में केकेआर के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं। पिछले साल बेहद बुरे दौरे से गुजरे वरुण ने इस सीजन के 13 मैचों में 19 बल्लेबाजों को आउट किया है। पिछले मैचों में साफ देखा गया है कि इस गेंदबाज के सामने एक से बढ़कर एक बल्लेबाज चित हुए हैं। इस सीजन आखिर वरुण किस बदलाव के साथ आए हैं? इसका खुलासा खुद उन्होंने किया है।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मिली जीत के बाद वरुण ने अपने प्रदर्शन को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 'पिछले सीजन में मैंने काफी क्रॉस सीम लेग स्पिन गेंद डाली तो इस बार मैंने इसमें काफी मिक्स किया।

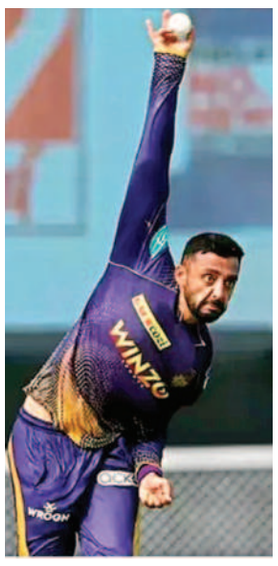

दिनेश कार्तिक के नाम दर्ज हुआ ये शर्मनाक रिकॉर्ड

रोहित शर्मा भी लिस्ट में शामिल

खेल डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। पिछले सीजन आईपीएल में धमाल मचाकर टीम इंडिया में वापसी करने वाले दिनेश कार्तिक के लिए यह सीजन अच्छा नहीं रहा। उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। रविवार को राजस्थान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में दिनेश कार्तिक एक बार फिर खाता नहीं खोल सके। शून्य पर आउट होते ही कार्तिक ने ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया, जो कोई भी बल्लेबाज कभी अपने नाम नहीं करना चाहेगा। राजस्थान के खिलाफ दिनेश कार्तिक कंगारू स्पिनर एडंप जंपा का शिकार बने। वह इस लीग में सबसे ज्यादा 16 बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

आईपीएल में शून्य पर आउट होने की लिस्ट में दूसरे नंबर पर टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा हैं, जो आईपीएल में मुंबई की टीम को लीड करते हैं। ये दोनों खिलाड़ी इस लीग में 16-16 बार पहली ही बॉल पर आउट हो चुके हैं। कार्तिक ने आईपीएल में अब तक 241 और रोहित शर्मा ने 239 मैच खेले हैं। तीसरे नंबर पर सुनील नारायण का नाम है, जिन्होंने 160 मैच खेले हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा शून्य पर आउट होने वाला खिलाड़ी

16- दिनेश कार्तिक मैच 241
16 – रोहित शर्मा, मैच 239
15- सुनील नारायण, मैच 160
15- मंदीप सिंह, मैच 111
14- ग्लेन मैक्सवेल, मैच 122

दिनेश कार्तिक का ये सीजन अच्छा नहीं रहा। वह आरसीबी के लिए इस साल 12 मैचों की इतनी ही पारियों में कुल मिलाकर 12.72 के औसत से सिर्फ 140 रन ही बना सके हैं।

तेलंगाना को मानसून फसल के लिए 18 लाख क्विंटल बीज की आवश्यकता : निरंजन

कृषि मंत्री ने समीक्षा बैठक में नकली बीजों की आपूर्ति करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के दिये आदेश

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री एस निरंजन रेड्डी ने राज्य में किसानों के लिए समय पर बीज और उर्वरक की उपलब्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार केंद्र के साथ मिलकर उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की योजना पर काम कर रही है।

कपास, धान, मिर्च, लाल चना और अन्य किस्मों सहित आगामी मानसून के मौसम के लिए लगभग 18 लाख क्विंटल बीज की आवश्यकता होगी। राज्य सरकार ने रैतु बंधु, रैतु बीमा, मुफ्त बिजली और पानी की आपूर्ति, सिंचाई, और बीज और उर्वरक आपूर्ति जैसी कृषि क्षेत्र की विभिन्न पहलों के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये खर्च किया है।

बीज की उपलब्धता, आपूर्ति और नकली बीजों के नियंत्रण पर अधिकारियों के साथ राज्य सचिवालय में आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान, रेड्डी ने चिंता व्यक्त की कि बीज निर्माण बाजार में निजी कंपनियों का दबदबा है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से उन्हें और अधिक प्रभावी ढंग से विनियमित करने का आग्रह किया।

रेड्डी ने नकली बीजों के खिलाफ कार्रवाई करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि खतरे पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग के साथ समन्वय में काम करने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाए।

तेलंगाना के कृषि मंत्री ने अधिकारियों को जहीराबाद के रास्ते कर्नाटक, कुरनूल, गडवाल, गुंटूर, प्रकाशम, आसिफाबाद, बेल्लमपल्ली और गुजरात को जोड़ने वाले मार्गों की निगरानी करने का निर्देश दिया, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में गुजरात और आंध्र प्रदेश से नकली बीजों की आपूर्ति में वृद्धि हुई है।

उन्होंने एचटी कपास के बीजों के बारे में किसानों को जागरूक करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। रेड्डी ने नकली बीजों पर अंकुश लगाने के अपने प्रयासों में निर्दोष लोगों को परेशान करने के खिलाफ अधिकारियों को आगाह किया, व्यापारियों और बीज डीलरों से अपनी गलतियों को सुधारने के लिए समय और अवसर देने का आग्रह किया।

बैठक में डीजीपी अंजनी कुमार, कृषि सचिव रघुनंदन राव, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, सीआईडी प्रमुख महेश भागवत, साइबराबाद के आयुक्त स्टीफन रवींद्र, डीआईजी शनवाज कासिम, डीआईजी इंटेलिजेंस कार्तिकेय, विशेष आयुक्त कृषि हनमंत कोडिबा, निदेशक उद्यानिकी हनमंता राव, विपणन निदेशक लक्ष्मीबाई, बीज एमडी केसावुलू, अतिरिक्त डीए विजय कुमार, कुलसचिव सुधीर कुमार सभी जिलों के कलेक्टर, एसपी, डीएओ, कृषि विभाग के सभी स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया

समारोह में विधायक की मौजूदगी में पूर्व सरपंच पर हमला

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पठानचेरु मंडल में एक सीसी रोड के शिलान्यास समारोह के दौरान एक चौंकाने वाली घटना से सनसनी फैल गई। विधायक महिपाल रेड्डी और इसनापुर के पूर्व सरपंच वेंकट रेड्डी इसनापुर में विभिन्न विकास गतिविधियों में भाग ले रहे थे। विधायक महिपाल रेड्डी पूर्व सरपंच वेंकट रेड्डी के साथ सभा को संबोधित कर रहे थे। अचानक, उसी गांव के श्रीनिवास ने वेंकट रेड्डी पर ब्लेड से हमला कर दिया। कथित तौर पर हमलावर ने ब्लेड से वेंकट रेड्डी का गला काटने का प्रयास किया। हमले से बचने के प्रयास में, वेंकट रेड्डी के गले में हल्की चोट लगी और उनके हाथ में गंभीर चोटें आईं। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हमलावर को पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया। हमलावर श्रीनिवास को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया है और घटना के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है। हमले के बाद, वेंकट रेड्डी को तुरंत पास के एक स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

विवेक हत्याकांड : कडप्पा सांसद ने सीबीआई के सामने पेश होने के लिए मांगा समय

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कडप्पा सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी मंगलवार को आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में सीबीआई के सामने पेश नहीं हुए। सांसद, जो आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई हैं, ने केंद्रीय एजेंसी के सामने पेश होने के लिए चार दिन का समय मांगा है। यह कहते हुए कि उनके संसदीय क्षेत्र में उनके कार्यक्रम पूर्व निर्धारित हैं, उन्होंने सीबीआई को बताया कि वह अल्प सूचना पर उपस्थित होने में असमर्थ थे। अविनाश रेड्डी मंगलवार को कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला के लिए रवाना हुए। सोमवार को दिए गए नोटिस में उन्हें हैदराबाद में सीबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय में सुबह 11 बजे पेश होने का निर्देश दिया गया। कडप्पा सांसद, जिनसे सीबीआई पहले ही चार बार पूछताछ कर चुकी है, ने पिछले महीने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय ने 28 अप्रैल को सुनवाई 5 जून तक के लिए स्थगित कर दी थी। अदालत ने मामले में सीबीआई को उसके खिलाफ कोई कठोर कदम उठाने से रोकने का आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें 25 अप्रैल तक सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई थी।शीर्ष अदालत ने विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश सुनाया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने मामले की जांच पूरी करने की समय सीमा भी 30 जून तक बढ़ा दी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले सीबीआई के लिए समय सीमा 30 अप्रैल तय की थी।पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी के भाई और जगन मोहन रेड्डी के चाचा विवेकानंद रेड्डी की चुनाव से कुछ हफ्ते पहले 15 मार्च, 2019 को पुलिवेंदुला स्थित उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी।राज्य के 68 वर्षीय पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद अपने घर पर अकेले थे, तभी अज्ञात लोगों ने उनके घर में घुसकर हत्या कर दी।कुछ रिश्तेदारों पर शक जताने वाली सुनीता रेड्डी की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने 2020 में मामले की जांच अपने हाथ में ली थी।

पुलिस ने दस्तावेज और कंप्यूटर जब्त किए

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने बंजारा हिल्स स्थित एक कार्यालय पर छापा मारा और परिसर से कंप्यूटर व लैपटॉप जब्त किए। यह कथित तौर पर युवा कांग्रेस से जुड़े एक व्यक्ति से जुड़े थे। देर शाम पुलिस की एक टीम एक रिहायशी इमारत की पहली मंजिल पर घुसकर कार्यालय में दाखिल हुई। टीम ने तलाशी के बाद कुछ दस्तावेज, कंप्यूटर सिस्टम और लैपटॉप बरामद किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह छापा सरकार के खिलाफ मानहानिकारक बयान और सामग्री बनाने के लिए दर्ज एक मामले से जुड़ा है।इस बीच यूथ कांग्रेस नेता शिव सेना रेड्डी ने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी द्वारा यूथ कांग्रेस को निशाना बनाया जा रहा है।

वैजाग स्टील वर्कर्स ने वेज रिवीजन की मांग की

विशाखापत्तनम, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापट्टणम स्टील प्लांट के कर्मचारियों ने पिछले छह वर्षों से लंबित वेतन संशोधन की मांग को लेकर मंगलवार को संयंत्र परिसर में प्रशासनिक भवन पर धावा बोल दिया। वे वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए इमारत की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर बैठ गए और प्रबंधन से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के वेतन संशोधन ऑनलाइन को लागू करने का आग्रह किया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों के परिसर में जमा होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें हटाने का प्रयास किया। पुलिस और श्रमिकों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, बाद में अपना विरोध जारी रखा।

तेलंगाना के तीन छात्रों ने माउंट एवरेस्ट बेस कैंप की चढ़ाई पूरी की

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगानाएकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (ईएमआरएस) के तीन छात्रों ने 3 से 13 मई के बीच माउंट एवरेस्ट बेस कैंप की चढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। एस. द्वारक रेड्डी, मुंडे पल्लवी और विजय बनोथु ने लुकला, नेपाल से ट्रेक शुरू किया और काला पत्थर, नेपाल पहुंचे, जो समुद्र तल से 5,545 मीटर की ऊंचाई पर है। पर्वतारोहण का अनुभव उन छात्रों के लिए अपनी तरह का अनूठा अनुभव है, जो विश्व रिकॉर्ड रखने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय पर्वतारोही, मालवथ पूर्णा के मार्गदर्शन और मार्गदर्शन में प्रशिक्षित होने के लिए उत्साहित थे। ईएमआरएस सोसाइटी के सचिव, डी रोनाल्ड रोज़, विशेष कर्तव्य अधिकारी, स्वर्णलता, उप सचिव, वी चंद्रशेखर और ईएमआरएस की पूरी खेल शाखा ने छात्रों को बधाई दी और उन्हें सम्मानित किया।

नगर सहित कई जिलों में बढी तीव्र गर्मी, पारा 40 डिग्री के पार

दिन में घर के अंदर रहने का आग्रह, एलो अलर्ट जारी

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हैदराबाद सहित कई जिलों में पिछले कुछ दिनों से लू जैसी स्थिति बनी हुई है। पारा लगातार 40 डिग्री सेल्सियस को पार करने के साथ और भी गंभीर हो गया है। हैदराबाद में मंगलवार को, खैरताबाद क्षेत्र में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद सिकंदराबाद 40.7 डिग्री सेल्सियस और गचीबोवली में 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। निजामाबाद और जयशंकर भूपालपल्ली सहित कई जिलों में तापमान लगभग 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगले सप्ताह भी हैदराबाद और जिलों में भीषण गर्मी जारी रहने की संभावना है, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद के पूर्वानुमान ने सोमवार को संकेत दिया कि तेलंगाना में कई जगह औसत तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने हैदराबाद के लिए भी अलर्ट जारी किया है, जिसमें निवासियों से गर्मी से संबंधित बीमारियों से बचने के लिए दिन के दौरान घर के अंदर रहने का आग्रह किया गया है। आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया। गंभीर हीटवेव स्थितियों की चेतावनी, जो निर्जलीकरण, गर्मी की थकावट और हीटस्ट्रोक का कारण बन सकती है। रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिलने से न्यूनतम तापमान भी 27 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। प्रदेश की राजधानी के अलावा जिलों में भी लू जैसे हालात बने हुए हैं। नलगोंडा ने 45.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया, इसके बाद जयशंकर ने 45.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया।

नगर में बढते तापमान से बचने के लिए ऑटो चालक ने अभिनव उपाय के तहत ऑटो पर गेंहू का पौधा उगा लिया है तथा गर्मी बढने से जूस ठेलों के पास बढती भीड़।

गर्मी से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ा

पारा के स्तर में वृद्धि, जो हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में लगातार 40 डिग्री सेल्सियस को पार करना शुरू कर दिया है, ने हीट स्ट्रोक, त्वचा एलर्जी और जल जनित बीमारियों के खतरे को बढ़ा दिया है। अत्यधिक गर्मी के दौरान, वर्तमान में भोजन की खपत के पैटर्न लोगों को दूषित भोजन और पानी के संपर्क में लाते हैं, जिससे पानी और भोजन से होने वाली बीमारियाँ होती हैं।

इसके अलावा, तापमान में वृद्धि से संबंधित बीमारियों को भी बढावा देती है, जिसमें मांसपेशियों में ऐंठन, गर्मी की थकावट और जीवन के लिए खतरनाक आपात स्थिति जैसे कि हीट स्ट्रोक आदि शामिल हैं। पुरानी हृदय और गुर्दे की बीमारियों जैसी पहले से मौजूद चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे अत्यधिक गर्मी के दौरान अत्यधिक गर्मी के संपर्क में न आएं। डॉक्टरों ने कहा कि लंबे समय तक तेज धूप के संपर्क में रहने से वरिष्ठ नागरिकों, मधुमेह रोगियों और गुर्दे और हृदय रोगियों के शरीर का तापमान काफी बढ़ जाता है।

एपी में चुनावी वादे पूरे करने में विफल रही वाईएसआरसीपी : चंद्रशेखर

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. थोटा चंद्रशेखर ने सोमवार को आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसने आंध्र प्रदेश में लोगों के विश्वास को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार 2019 के चुनावों के दौरान लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रही। हैदराबाद में बीआरएस कैंप कार्यालय में आयोजित एक बैठक में चंद्रशेखर ने कहा कि राज्य भ्रष्टाचार से जूझ रहा है, रेत और गांजा माफिया बड़े पैमाने पर चल रहे हैं। वाईएसआरसीपी शासन के तहत, सत्ताधारी दल के नेताओं की जेब भरने के लिए गांजा और शराब का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी सरकार मिलावटी शराब बेच रही है, जिससे लोगों की जान जोखिम में है। वाईएसआरसीपी सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है। इसने आंध्र प्रदेश के लोगों को धोखा दिया है। लोग इस सरकार को घर भेजने के मौके का इंतजार कर रहे हैं।

वेंटिलेटर पर है टीडीपी : जगन

एपी सीएम ने चंद्रबाबू व पवन कल्याण को लताड़ा

बापतला, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने राज्य में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार को गिराने के लिए विपक्षी तेलुगु देशम पार्टी और जन सेना पार्टी के चुनावी समझौते तक पहुंचने के उनके बुरे इरादों के खिलाफ एक व्यापक अभियान शुरू किया है।

15 अप्रैल से 14 जून तक समुद्री मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि के दौरान मछुआरों को 123.52 करोड़ रुपये की सहायता देने के लिए मंगलवार को यहां निजामपट्टनम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू चुनाव के समय केवल बीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यकों को याद रखेंगे। बाबू और उनके पालक पुत्र (जेएसपी अध्यक्ष और फिल्म स्टार पवन कल्याण) केवल बुरे डिजाइनों और चुनावी गठजोड़ पर भरोसा करते हैं। चंद्रबाबू 14 साल तक मुख्यमंत्री रहे लेकिन उनके कार्यकाल में हमें कोई अच्छी योजना याद नहीं है। जब हम उसके बारे में सोचते हैं, तो हमें केवल उसकी पीठ में छुरा घोंपना याद आता है। उन्होंने पूछा कि गरीब एक ऐसे व्यक्ति का समर्थन कैसे कर सकता है जिसने कभी उनके लिए कुछ अच्छा नहीं किया? उन्होंने टिप्पणी की कि चंद्रबाबू सत्ता में रहते हुए अमरावती में रहेंगे और जुबली हिल्स में जब वह इसे खो देंगे, जगन ने कहा कि उन्होंने आंध्र प्रदेश में लोगों को लूटा और हैदराबाद में रहे। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति देश के लिए प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बनाने का दावा करता है, उसमें अपने दम पर चुनाव लड़ने का साहस नहीं है। उन्होंने कहा कि टीडीपी वेंटिलेटर पर है।

बन्दर के प्यासे बच्चे को पानी पिलाने वाले कांस्टेबल ने लोगों का दिल जीता

निर्मल, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्र में भीषण गर्मी के बीच एक दिल दहला देने वाली घटना ने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान खींच लिया है। तेलंगाना के निर्मल में बंदर के बच्चे को पानी पिलाते पुलिस कांस्टेबल का वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो दर्शकों के दिलों को छू रहा है। तापमान बढ़ने के साथ ही इंसान और जानवर दोनों ही गर्मी की मार झेल रहे हैं। ऐसी विषम परिस्थितियों में, कमजोर वन्यजीवों सहित अपने साथी प्राणियों की मदद करना महत्वपूर्ण हो जाता है। वायरल वीडियो में दयालु पुलिस कांस्टेबल को अपने हाथ से पानी पिलाकर बंदर के बच्चे की प्यास बुझाते देखा जा सकता है। दयालुता के कार्य ने नेटिज़न्स से व्यापक सराहना प्राप्त की है, जो कॉन्स्टेबल की करुणा और मासूम बच्चे बंदर के बचाव में आने के लिए सराहना करते हैं।

आंध्र प्रदेश के मंत्री ने तेलंगाना के नीरा कैफे की तारीफ की

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के आवास मंत्री जोगी रमेश ने हैदराबाद में नीरा कैफे खोलने और राज्य में ताड़ी निकालने वालों को प्रोत्साहित करने की तेलंगाना सरकार की पहल की सराहना की है। मंत्री जोगी रमेश ने अपने बेटे के साथ मंगलवार को यहां हुसैन सागर झील के किनारे नेकलेस रोड स्थित नीरा कैफे का दौरा किया और नीरा कैफे की सेवाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर, तेलंगाना के आबकारी मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ और गौड़ समुदाय के अन्य नेताओं ने जोगी रमेश का भव्य स्वागत किया। जोगी रमेश के दौरे के दौरान फिल्म अभिनेता सुमन भी मौजूद रहीं।

मंत्री श्रीनिवास गौड ने एपी मंत्री जोगी रमेश को नीरा कैफे की सेवाओं और इसके रखरखाव के बारे में बताया। तेलंगाना सरकार ने हाल ही में स्वास्थ्य पेय के रूप में ताड़ के पेड़ों से प्राकृतिक रस को बढ़ावा देने के लिए शहर में अपना पहला 'नीरा कैफे' लॉन्च किया है और इस तरह बड़े पैमाने पर ताड़ी निकालने वालों के समुदाय को वित्तीय जीविका को प्रोत्साहित और सुनिश्चित किया है। ताड़ी ताड़ के पेड़ से निकाले गए नीरा, जिसे ताड़ के रस के रूप में भी जाना जाता है, को नीरा कैफे में अपने उपभोक्ताओं के लिए ताजा पेश किया जाता है। कैफे का रखरखाव तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाता है और तेलंगाना राज्य निषेध और उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा समर्थित है।

स्थानीय कारीगरों के लिए वरदान साबित हो रही है 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' योजना

दक्षिण मध्य रेलवे के 72 रेलवे स्टेशनों को कवर किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय द्वारा 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' योजना की शुरुआत स्थानीय और स्वदेशी उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तथा समाज के वंचित वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के मिशन के साथ की गई थी। वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में जिस अवधारणा की घोषणा की गई थी, उसके बाद से गति पकड़ी है और स्थानीय कारीगरों के लिए एक जीत साबित हो रही है। दक्षिण मध्य रेलवे पर, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' अवधारणा को शुरू में 30 दिनों की अवधि के लिए छह रेलवे स्टेशनों पर पेश किया गया था। आखिरकार, पायलट प्रोजेक्ट के लिए मिली शानदार प्रतिक्रिया के साथ, जोन के सत्तर रेलवे स्टेशनों पर आउटलेट फैल गए हैं। वर्तमान में, दक्षिण मध्य रेलवे के 72 रेलवे स्टेशन 'एक स्टेशन एक उत्पाद' के 77 आउटलेट है।

दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र के तहत 4 राज्यों यानी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में स्थानीय उत्पादों को उच्च दृश्यता प्रदान करते हैं। तेलंगाना राज्य में, सिकंदराबाद, हैदराबाद, काचीगुडा, वारंगल, निजामाबाद, गदवाल आदि सहित छब्बीस रेलवे स्टेशनों को एक स्टेशन एक उत्पाद के 29 स्टालों से कवर किया गया है, जिससे स्थानीय कारीगरों की आजीविका और कल्याण को काफी बढ़ावा मिला है। कुछ उत्पादों में स्थानीय बुनकरों द्वारा हथकरघा जैसे पारंपरिक नारायणपेट, गदवाल और पोचमपल्ली साड़ियां, बाजरा आधारित खाद्य उत्पाद, टीएससीओ हथकरघा, भद्राचलम बांस शिल्प, मंदिर की देवता की मूर्तियाँ, वन संग्रह, हांडी शिल्प, निर्मल खिलौने, स्थानीय व्यंजन आदि शामिल है।

हथकरघा साड़ी भारत की एक पारंपरिक कपड़ा कला है और इन साड़ियों का उत्पादन ग्रामीण भारत के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। तेलंगाना राज्य में हथकरघा साड़ियों की सबसे प्रसिद्ध किस्में गदवाल हथकरघा साड़ियाँ और नारायणपेट रेशम साड़ियाँ हैं। गदवाल साड़ी तेलंगाना के जोगुलम्बा गदवाल जिले में हाथ से बुनी हुई साड़ी शैली है। बुनाई इतनी हल्की होती है कि साड़ी को माचिस की डिब्बी में पैक किया जा सकता है। तेलंगाना का नारायणपेट जिला अपनी उत्कृष्ट और अनूठी सूती हथकरघा और रेशम साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है, जो व्यापक रूप से लोकप्रिय हैं। इस प्रकार की साड़ियों के लिए छह से अधिक आउटलेट आवंटित किए गए हैं जो न केवल स्थानीय बुनकरों को उचित पहचान देते हैं बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास में भी योगदान देते हैं।

हाल ही में, घरेलू और वैश्विक मांग बनाने और लोगों को पोषण आहार प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा बाजरा आधारित उत्पादों की बिक्री को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दिशा में, सात रेलवे स्टेशनों पर बाजरा आधारित उत्पादों के ओएसओपी स्टॉल लगाए गए हैं। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक ने कहा कि 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' योजना स्थानीय कारीगरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का एक बड़ा अवसर देती है। उन्होंने व्यक्त किया कि रेलवे स्टेशन स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त हैं जो यात्रा करने वाले यात्रियों के बीच आसपास के स्थानों पर प्रसिद्ध हैं।

सहायक कार्यकारी अभियंता पदों के लिए टीएसपीएससी रेस्पांस सीट प्रदर्शित किए गए

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों में सहायक कार्यकारी अभियंता के पदों के लिए 8 और 9 मई को आयोजित लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार की परीक्षा) में भाग लेने वाले उम्मीदवारों की रेस्पांस सीट प्रदर्शित किए हैं। प्रतिक्रिया पत्रक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट (https://www.tspsc.gov.in) पर प्रदर्शित किए गए हैं और 15 जून को शाम 5 बजे तक वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे। टीएसपीएससी ने स्पष्ट किया कि रेस्पांस सीट 15 जून के बाद किसी भी परिस्थिति में उपलब्ध नहीं होंगे। मास्टर प्रश्न पत्रों की प्रारंभिक कुंजी 17 मई से टीएसपीएससी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी और टीएसपीएससी की वेबसाइट में दिए गए लिंक के माध्यम से आपत्तियां 17 मई शाम 5 बजे तक ऑनलाइन स्वीकार की जाएंगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे तिथियां नोट कर लें और यदि कोई आपत्ति हो तो दिए गए लिंक के माध्यम से प्रस्तुत करें।

19 मई की शाम 5 बजे के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी कीमत पर विचार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवारों को निर्देश दिया जाता है कि वे अपनी आपत्तियां केवल अंग्रेजी में प्रस्तुत करें क्योंकि आपत्तियां लिखने के लिए लिंक में दिया गया टेक्स्ट बॉक्स केवल अंग्रेजी भाषा के लिए संगत है। ई-मेल के माध्यम से और व्यक्तिगत अभ्यावेदन या किसी भी रूप में प्रस्तुत की गई आपत्तियों पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.